इस विशेष आवरण को संत शिरोमणि दिगम्बराचार्य श्री विद्यासागर जी मुनि महाराज के 50वां संयम स्वर्ण महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री दिगम्बर जैन संरक्षिणी सभा जवाहरगंज जबलपुर के माध्यम से दिनांक 17 जुलाई 2018 को मध्यप्रदेश डाक परिमण्डल भारतीय डाक विभाग के परिमण्डल शाखा द्वारा 5/- रूपये में जारी किया गया।

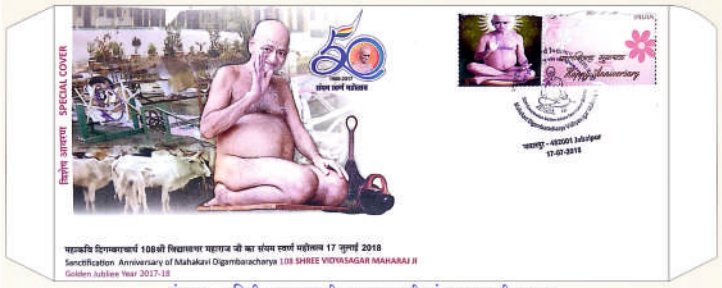

संकलन - मुनिश्री अभयसागरजी, प्रभातसागरजी एवं पूज्यसागरजी महाराज

इस तरह की और भी जानकारी इस लिंक पर देख व पढ़ सकते हैं - knowledge.sanskarsagar.org

दि.	वार	तिथि	नक्षत्र
		अगस्त 2023	
16	बुधवार	अमावस	आश्लेषा
17	गुरुवार	प्रतिपदा	मघा
18	शुक्रवार	द्वितीया	पूर्वाफाल्गुनी
19	शनिवार	तृतीया	उत्तराफाल्गुनी
20	रविवार	चतुर्थी	हस्त
21	सोमवार	पंचमी	चित्रा दिन/रात
22	मंगलवार	षष्ठी	चित्रा
23	बुधवार	सप्तमी	स्वाती
24	गुरुवार	अष्टमी	विशाखा
25	शुक्रवार	नवमी	अनुराधा
26	शनिवार	दशमी	ज्येष्ठा
27	रविवार	एकादशी	पूर्वाषाढ़
28	सोमवार	द्वादशी	उत्तराषाढ़
29	मंगलवार	त्रयोदशी	श्रवण
30	बुधवार	चतुर्दशी-पूर्णिमा	धनिष्ठा
31	गुरुवार	प्रतिपदा	शतभिषा
		सितम्बर 2023	
1	शुक्रवार	द्वितीय	पूर्वाभाद्रपद
2	शनिवार	तृतीया	उत्तराभाद्रपद
3	रविवार	चतुर्थी	रेवती
4	सोमवार	पंचमी	अश्विनी
5	मंगलवार	षष्ठी	भरणी
6	बुधवार	सप्तमी	कृत्तिका
7	गुरुवार	अष्टमी	रोहिणी
8	शुक्रवार	नवमी	मृगशिरा
9	शनिवार	दशमी	आर्द्रा
10	रविवार	एकादशी	पुनर्वसु
11	सोमवार	द्वादशी	पुष्य
12	मंगलवार	त्रयोदशी	आश्लेषा
13	बुधवार	चतुर्दशी	मघा
14	गुरुवार	अमावस	पूर्वाफाल्गुनी
15	शुक्रवार	अमावस	उत्तराफाल्गुनी

तीर्थंकर कल्याणक

18 अगस्तः भगवान सुमतिनाथ गर्भ कल्याणक
22 अगस्तः भगवान नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक
23 अगस्तः भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक
30 अगस्तः भगवान श्रेयान्नाथ मोक्ष कल्याणक
06 सितम्बरः भगवान शान्तिनाथ गर्भ कल्याणक

माह के प्रमुख व्रत

16 अगस्तः अधिक मास समाप्त
17 अगस्तः सप्त परम स्थान व्रत प्रारंभ
23 अगस्तः मोक्ष सप्तमी, सप्तम परम स्थान व्रत पूर्ण
26 अगस्तः सौभाग्य दशमी, कलश दशमी, अक्षय निधि दशमी
28 अगस्तः श्रावण द्वादशी
30 अगस्तः कर्मनिर्जरा व्रत, श्रमण संस्कृति रक्ष दिवस मेघमाला व्रत, रक्षाबन्धन
05 सितम्बरः चन्दनषष्ठी व्रत
07 सितम्बरः रोहिणी व्रत

सर्वार्थ सिद्धि

20 अगस्तः 06/05 बजे से 28/22 बजे तक ।
24 अगस्तः 09/04 बजे से 30/07 बजे तक ।
25 अगस्तः 06/07 बजे से 09/14 बजे तक ।
27 अगस्तः 06/07 बजे से 07/16 बजे तक ।
28 अगस्तः 26/43 बजे से 30/08 बजे तक ।
03 सितम्बरः 10/38 बजे से 30/10 बजे तक ।
05 सितम्बरः 09/00 बजे से 30/10 बजे तक ।
06 सितम्बरः 06/10 बजे से 30/11 बजे तक ।
10 सितम्बरः 17/06 बजे से 30/12 बजे तक ।
11 सितम्बरः 06/12 बजे से 20/01 बजे तक ।
12 सितम्बरः 06/12 बजे से 23/01 बजे तक ।

शुभ मुहूर्त

दुकान प्रारंभः अगस्त-21 सितम्बर-4,11
मशीनरी प्रारंभ : अगस्त-14,21 सितम्बर-4,11
वाहन खरीदनेः अगस्त-23,31, सितम्बर-4,11
संपत्ति क्रयः सितम्बर-1,7,8,14

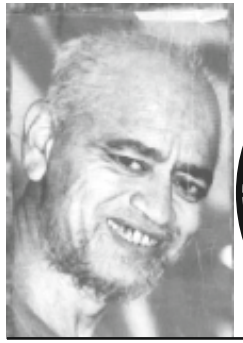

संस्कार सागर रजत वर्ष 25वाँ चातुर्मास विशेषांक

संस्कार सागर

• वर्ष : 25 • अंक : 292 • अगस्त 2023
• वीर नि.संवत 2547 • विक्रम सं. 2079 • शक सं. 1942

लेख

- रक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन 08
- स्वाध्याय बने जीवन का अंग 10
- **वर्षायोग चातुर्मास सूची- 2023** 13
- **दीक्षाएँ** 52
- **समाधीमरण** 56
- **एक वर्ष के दौरान प्रदत्त नये पद** 58
- साहित्य की सूची 61
- पथरी दवाई सम्पर्क 65
- मानव के जीवन में सकरात्मक विचारें का महत्व 78
- ज्योतिषी गलत हो सकता है ज्योतिष नही 79
- भाव से ही भव को पार किया जा सकता है 84
- डे-केयर सेन्टरो की आवश्यकता 90
- बड़ी आँत का रोग कोलाइटिसः- कही देर न हो जाये 92

बाल कहानी

- शिक्षक का दान 95

कविता

- अर्घ विनाशक 09
- अर्घ का समर्पण 11
- पतन 68
- मुक्ति का द्वार 70
- औरों का वरदान 71
- मार्दव-भोर 83
- निज समय का अनुभव 91

कहानी

- तीर्थ रक्षा 85

नियमित स्तंभ

पाती पाठकों की : 5 • भक्ति तरंग : 6 • संस्कार प्रवाह : 7 • संयम स्वास्थ्य योग : 12
चलो देखें यात्रा : 66 • आगम दर्शन :67 • माथा पच्ची : 69 • पुराण प्रेरणा : 70 • कैरियर गाइड : 71
दुनिया भर की बातें : 72 •दिशा बोध : 76 • इसे भी जानियेः 77 • हमारे गौरव : 89
• वरिष्ठ नागरिक : 90 • समाचार : 93 • हास्य तरंग-शरीर विकास के कुछ खेल : 94
• बाल संस्कार डेस्क : 95 • संस्कार गीत व बाल कविता : 96

प्रतियोगिताएं : वर्ग पहेली : 97, संस्कार सागर सदस्यता फार्म : 98

प्रेरणा – परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के प्रियाग्र शिष्य
एलक श्री सिद्धांतसागरजी महाराज

प्रधान संपादक
ब्र. जिनेश मलैया, इन्दौर–89895 05108

प्रबंध संपादक
ब्र. जयकुमार निशांत टीकमगढ़–94251 41697

कार्यकारी संपादक
ब्र. सुदेश जैन कोठिया इन्दौर–9826548159

सलाहकार संपादक
श्री हुकुमचंद सांवला, इन्दौर–95425053111
पं. विनोदकुमार जैन, रजवांस–9575634411
डॉ. मुकेश जैन 'विमल', दिल्ली–9818855130

महिला संपादक
डॉ. ज्योति जैन, खतौली–94128 89449
डॉ.ब्र. समता जैन मारौरा, इन्दौर–8989845294

अतिथि सम्पादक
डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर–97938 21108
अभिनंदन सांधेलीय, पाटन–9425863244
डॉ. पंकज जैन, भोपाल–9584201103
विनीत जैन प्राचार्य, साढूमल–9721419696
अक्षय अलया, ललितपुर – 9453031432

संयोजना
इंजी. अभिषेक जैन 'रिंकू', इन्दौर–9827282170

प्रकाशक
श्री दिगंबर जैन युवक संघ, इन्दौर (म.प्र.)

✻ आंतरिक सज्जा ✻
आशीष कुशवाह, इन्दौर 9179169060

कृपया, संस्कार सागर मासिक पत्रिका का
बाकी सदस्यता शुल्क
जो पत्रिका के लिफाफे पर चिपकी पते की स्लिप पर छपा है, अविलंब भेजकर सहयोग करें । बकाया राशि में त्रुटि हो तो सुधार हेतु हमें सूचित करें।

सदस्यता शुल्क

-आजीवन	: 2100/-	(15 वर्ष)
-संरक्षक	: 5001/-	(सदैव)
-परम सम्मानीय	: 11000/-	(सदैव)
-परम संरक्षक	: 15001/-	(सदैव)

अपने शहर के

• स्टेट बैंक ऑफ इंडिया –**संस्कार सागर**
खाता क्र. 63000704338 (IFSC : SBIN0030463)

• भारतीय स्टेट बैंक –**ब्र. जिनेश मलैया**
खाता क्र. 30682289751 (IFSC : SBIN0011763)

•आईसीआईसीआय बैंक
श्री दिगम्बर जैन युवक संघ
खाता क्र. 004105013575 (IFSC : ICIC0000041)

में भी अपने पूर्ण पते सहित राशि जमा कर हमारे कार्यालय को सूचित कर सकतेहैं।

कार्यालय –संस्कार सागर
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर,
सत्यम् गैस के सामने, ए.बी. रोड़, इन्दौर –10
फोन नं. : 0731–2571851, 4003506
मो. : 89895–05108, 6232967108
website :www.sanskarsagar.org
e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

◆ लेखक के विचारों से संपादक मंडल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
◆ संस्कार सागर में प्रकाशित रचनाएँ बिना आज्ञा, किसी भी प्रकार से उद्धृत नहीं की जाना चाहिए।
◆ कथा–साहित्य में नाम संस्था काल्पनिक होतेहैं। किसी से समानता मिलना संयोग मात्र है।
◆ पत्रिका संबंधी प्रकरण में न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।

•श्री दिगम्बर जैन युवक संघ द्वारा श्री दिगंबर जैन पंचबालयति मंदिर, ए.बी. रोड़, इन्दौर–10 से प्रकाशित एवं मोदी प्रिंटर्स (76, बी–1, पोलोग्राउंड, इन्दौर) द्वारा मुद्रित।

पाती पाठकों की....

• सम्पादक महोदय, भारत और अमेरिका के बीच नजदीकियाँ बढ़ रही हैं । विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा ने बहुत प्रशंसा बटोरी है । सकारात्मक तो बहुत मिली है। बहुत कुछ असहमतियों के बाद भी बहुत कुछ विश्वास की डोर को काफी मजबूत किया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों में आतंकी मुद्दे को भारत ने सदैव प्राथमिकता दी है और वैश्विक मंच को आतंक भय से मुक्त करने की कोशिश की क्योंकि भारत की स्पष्ट मान्यता है कि अहिंसा से विश्व में शांति स्थापना की जा सकती है। भारत ने महावीर बुद्ध दिये हैं युद्ध नहीं दिये हैं। अतः हम कह सकते हैं कि भारत की शांति प्रियता ने संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया है और भारत की सत्य अहिंसा की नीति ने ही भारत अमेरिका के बीच की दूरियाँ कम की है।

अर्चना जैन, इंदौर

• सम्पादक महोदय, एलिचपुर के राजा श्रीपाल उर्फ ईल शीर्षक से नेमिचंद धन्नुसा जैन का लेख संस्कार के अंक जुलाई में पढ़ा इस ऐतिहासिक लेख को पढ़कर मन बहुत प्रसन्न हुआ यद्यपि यह लेख पूर्व में अनेकान्त पत्रिका में प्रकाशित हो चुका है परन्तु संस्कार सागर में पुनः प्रकाशित करना एक अच्छी पहल है । पूर्व में विद्वानों ने जो शोध पूर्ण कार्य किये उनका पुनः पठन अति आवश्यक है अन्यथा आगे पाठ पीछे सपाट की कहावत चारितार्थ होगी।

महावीर जैन, आष्टा

• सम्पादक महोदय, विगत माह भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की मंच सुरक्षा परिषद की बैठक में मुंबई हमले को लेकर पाक आतंकी को प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव रखा तो चीन ने वीटो का प्रयोग करके अमेरिकी प्रस्ताव प्रभाव शून्य किया किन्तु राजनायिक प्रकाश गुप्ता ने पाक आतंकी साजिद मीर का ऑडियो को सुनाकर पाक और चीन को निरूत्तर कर दिया। चीन की आतंक को समर्थन वाली साजिश को प्रभाव शून्य करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है । चीन की कूट नीति और विस्तार नीति से विश्व के कई देश परेशान हैं तथा श्रीलंका पाकिस्तान नेपाल, भूटान जैसे देश कंगाल और दिवालिया हो चुके हैं। ड्रेगन ने जिसको मुहरा बनाया वह देश बर्बाद अवश्य होता है। परन्तु भारत चीन को 1962 में ही समझ गया धोखा खाने बाद इतना सतर्क हुआ कि अब भारत चीन की चाल में नहीं फंसता है।

रूचि जैन, दिल्ली

भक्ति तरंग

पर रस लागत फीके

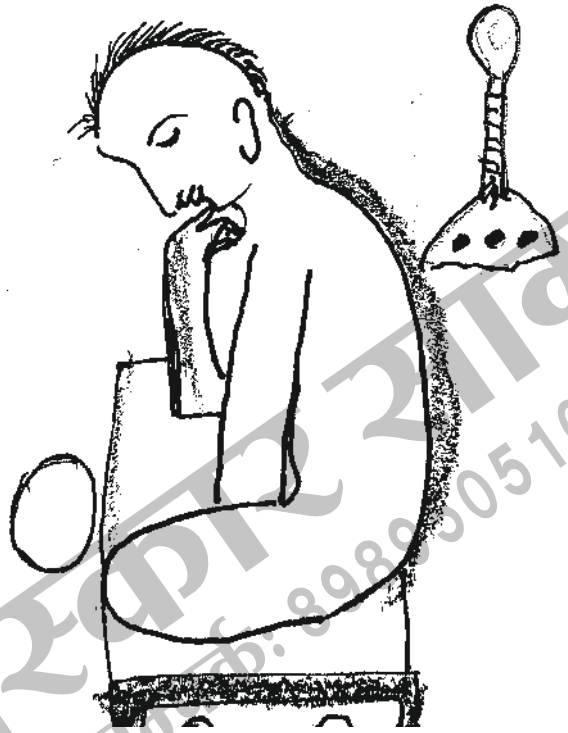

बीतत ये दिन नीके, हमको ।।टेक ।।
भिन्न द्रव्य तत्वनितैं न्यारे, चेतन गुण हैं जीके ।। बीतत. ।।1।।
आप सुभाव आपमें जान्यों, सोई धर्म है ठीके ।। बीतत. ।।2।।
द्यानत निज अनुभव रस चाख्यो, पर रस लागत फीके ।। बीतत. ।।3।।

आत्मरूचि होने से अब हमारे ये दिन, से समय, भली भाँति बीत रहे हैं।

यह समय, यह देह, यह सब मुझसे भिन्न द्रव्य व तत्त्व हैं। चेतन गुण तो मुझ जीव का ही है।

अपना स्वभाव मैंने जान लिया है, यह ही धर्म है।

द्यानतराय जी कहते हैं कि जिसने अपने आत्मरस का आस्वादन कर लिया है, उसके लिये अन्य सभी रस-सभी आकर्षक फीके हैं।

संस्कार प्रवाह

रक्षाबंधन पर्व पर लें तीर्थ रक्षा का संकल्प

धर्म तीर्थ रक्षा का महान कार्य हर युग में चलता रहा है। धर्म का प्रवाह तीर्थ क्षेत्र से ही प्रवाहित होता है। भगवान ऋषभदेव की दिव्य देशना अष्टापद कैलाश पर्वत से प्रवाहित हुई थी भगवान महावीर स्वामी की दिव्य देशना विपुलाचल पर्वत से उद्गम को प्राप्त होकर सम्पूर्ण अखण्ड भारत में जनकल्याण का साधन बनी। जिनशासन के माध्यम से अज्ञान का अंधकार दूर होकर मोक्षमार्ग का दिव्य प्रकाश फैलाने वाला तीर्थ सूर्य जहाँ से उदय को प्राप्त होता है वही तीर्थक्षेत्र परम आराधना का केन्द्र बना जाता है।

भारत देश में वर्तमान में 24 निर्वाण भूमि तीर्थ क्षेत्र हैं तथा कल्याणक तीर्थक्षेत्र दर्शनीय और अतिशय तीर्थ क्षेत्र भारत भर में 200 से अधिक हैं इनमें हर तीर्थक्षेत्र पर थोड़ा न थोड़ा संकट अवश्य ही है कई तीर्थ क्षेत्रों के अस्तित्व खतरे में इसलिये हैं कि वहाँ हमारी उपस्थिति का अभाव है। कई तीर्थों पर अतिक्रमण की समस्या आने का कारण हमारी उदासीनता और पूर्वा पर विचार किये बिना अपनायी गयी उदारता है।

अब हमें विचार करना होगा कि जब हस्तिनापुर में हो रहे उपसर्ग से 700 मुनियों की रक्षा के लिये आचार्य विष्णुकुमार ने अपने पद/चर्या भेष तक को गौण कर दिया था तब उन्हीं आचार्य विष्णुकुमार मुनि की आज्ञा को सामने रखकर जैन जन धर्म रक्षा, तीर्थ रक्षा का संकल्प लेकर रक्षा सूत्र (राखी) अपने-अपने हाथों बाँधते हैं तो आज हर युवक पुरुष महिला जो भी दिगम्बर हैं उन्हें अपने अंतरीक्ष पार्श्वनाथ के मूल स्वरूप की रक्षा का संकल्प लेना चाहिये तो अब देर किस बात की क्यों न आगे आयें और शिरपुर के तीर्थ संरक्षण और संवर्धन के लिये रक्षाबंधन के महापर्व पर संकल्पित हों। हम इतना तो अवश्य करें।

1. सभी दिगम्बर जैनों तक संदेश दें कि हमारी उपस्थिति ही तीर्थ रक्षा का आधार है।

2. हम सभी दिगम्बर जैन तीर्थ रक्षा हेतु अपने एक शौक का त्यागकर तीर्थ रक्षा का शौक अपनायेंगे बचत धन राशी तीर्थ रक्षा हेतु दान करेंगे।

3. हम सभी दिगम्बर जैन जन संकल्प लेते हैं कि जाति पंथ संघ संतवाद से ऊपर उठ तीर्थ रक्षा हेतु कार्य करेंगे।

4. अपने नगर जिला से शिरपुर तीर्थ तक यात्रा आयोजित करेंगे बस इतना यदि आपने किया तो विपक्ष के तीर्थ विस्तार नीति पर पानी फिर जायेगा।

संस्कार सागर सम्पर्क: 8989505108

रक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन

✻ डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर ✻

रक्षाबंधन का पर्व 30 अगस्त को है। आज के दौर में जब रिश्ते धुंधलाते जा रहे हैं, ऐसे में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूत प्रेमपूर्ण आधार देता है रक्षाबंधन का त्यौहार। इस पर्व का ऐतिहासिक, सामाजिक, धार्मिक और राष्ट्रीय महत्व है। इसे श्रावण पूर्णिमा के दिन उत्साह पूर्वक मनाया जाता है।

रक्षाबंधन पर्व का ऐतिहासिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और राष्ट्रीय महत्त्व है। राखी या रक्षाबंधन श्रावण पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह भाई एवं बहन के भावनात्मक संबंधों का प्रतीक पर्व है। इस दिन बहन भाई की कलाई पर रेशम का धागा बांधती है तथा उसके दीर्घायु जीवन एवं सुरक्षा की कामना करती है। बहन के इस स्नेह बंधन से बंधकर भाई उसकी रक्षा के लिये कृत संकल्प होता है। हालांकि रक्षाबंधन की व्यापकता इससे भी कहीं ज्यादा है। राखी बांधना सिर्फ भाई-बहन के बीच का कार्यकलाप नहीं रह गया। राखी देश की रक्षा, पर्यावरण की रक्षा, धर्म की रक्षा, हितों की रक्षा आदि के लिये भी बांधी जाने लगी है। विश्वकवि रवीन्द्रनाथ ने इस पर्व पर बंग भंग के विरोध में जनजागरण किया था और इस पर्व को एकता और भाईचारे का प्रतीक बनाया था।

प्रकृति की रक्षा के लिये वृक्षों को राखी बांधने की परंपरा भी शुरु हो चुकी है। हालांकि रक्षा सूत्र सम्मान और आस्था प्रकट करने के लिये भी बांधा जाता है।

रक्षाबंधन का महत्व आज के परिप्रेक्ष्य में इसलिये भी बढ़ जाता है, क्योंकि आज मूल्यों के क्षय के कारण सामाजिकता सिमटती जा रही है और प्रेम व सम्मान की भावना में भी कमी आ रही है। यह पर्व आत्मीय बंधन को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ हमारे भीतर सामाजिकता का विकास करता है। इतना ही नहीं यह त्यौहार परिवार, समाज, देश और विश्व के प्रति अपने कर्त्तव्यों के प्रति हमारी जागरूकता भी बढ़ाता है।

राखी पूर्णिमा को कजरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। लोग इस दिन 'बागवती देवी' की पूजा करते हैं। रक्षाबंधन को कई अन्य नामों से भी जाना जाता है, जैसे विष तारक यानी विष को नष्ट करने वाला, पुण्य प्रदायक यानी पुण्य देने वाला आदि।

पौराणिक और ऐतिहातसिक महत्व: ऐसी मान्यता है कि श्रावणी पूर्णिमा या संक्राति तिथि को राखी बांधने से बुरे ग्रह कटते हैं। श्रावण की अधिष्ठात्री देवी द्वारा ग्रह दृष्टि-निवारण के लिये महर्षि दुर्वासा ने रक्षाबंधन का विधान किया। एक और पौराणिक कथा के अनुसार एक बार देवों एवं दैत्यों में बारह वर्ष तक युद्ध रोक देने का निश्चय किया किंतु इन्द्र की पत्नी इन्द्राणी ने अपने पति की रक्षा एवं विजय के लिये उनके हाथ में वैदिक मंत्रों से अभिमंत्रित रक्षा सूत्र बांधा। इसके बाद इन्द्र के साथ सभी देवता विजयी हुये। तभी से इस पर्व को रक्षा के प्रतीक रूप में मनाया जाता है।

विचारणीय यह भी है कि रक्षाबंधन जैसा पर्व हमें इहसास दिलाता है कि हम बालिकाओं और नारी शक्ति की रक्षा के लिये आगे आकर पहल करें। रक्षाबंधन के पर्व में परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना निहित है।

रिश्तों की रक्षा का यह पर्व जीवन को एक नई ऊर्जा देता है।

कविता

अर्घ विनाशक

नमिनाथ स्तवन (द्रुतविलंबित छन्द)

रचियता: निर्यापक मुनिश्री योगसागर जी महाराज

जय प्रभो नमिनाथ जिनेश्वरा।
सकल संसृति के परमेश्वरा॥
अघ विनाशक शान्ति प्रदायका।
भविक-जन को भवसागर तारका॥

स्व पर बोधकता-तव रूप है।
सहज शान्ति, कषाय अभाव है॥
हृदय ही परिवर्तन को करे।
जगत में अति दुर्लभहं वरे॥

विषमया कलि काल प्रभाव को।
स्मरण जो करता तव नाम को॥
अशुभ को शुभ में छन में करे।
पवन बादल को लय ज्यों करें॥

स्तवन के जल में लवलीन है।
दुरित तो धुलता स्वयंमेव है।
इसलिये दिन रात स्तुती करे।
पतित पावन का यह द्वार रे॥

चरण पंकज में मम प्रार्थना।
प्रबल शक्ति जगे यह भावना॥
वह समाधि महोत्सव देख लूं।
पृथक आत्म स्वरूप निहार लूं॥

स्वाध्याय बने जीवन का अंग

✻ न्यायमूर्ति विमला जैन, भोपाल ✻

स्वाध्याय का अर्थ है स्वयं का अध्ययन। प्रायः हम दूसरों को और बाह्य जगत का अध्ययन करते रहते हैं, लेकिन हमारे पास स्वयं के अध्ययन का समय नहीं होता है। परिणाम स्वरूप हमारे ऊपर दूसरों का तथा परिवेश/वातावरण का रंग चढ़ता रहता है, मन कुविचारों की धूल गुबार से मटमैला होता रहता है और जीवन सांसरिक विकारों के कीचड़ में धसता जाता है। स्वाध्याय हमें जीवन की इस त्रासदी से उबारता है।

जीवन में हर वस्तु नियमित समय पर साफ - सफाई की मांग करती है। घर में झाड़ू पोंछे से लेकर नित्य ब्रश, शौच-स्नान आदि इसी निमित्त किये जाते हैं। प्रतिदिन हम शारीरिक व बाहरी सफाई के प्रति सचेष्ट रहते हैं, लेकिन जब बारी मन की आती है, तो अधिकांश लोग उदासीन पाये जाते हैं। परिणाम स्वरूप तरह-तरह के विकार मन पर निर्बाध रूप से चढ़ते जाते हैं। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद जैसे रिपु मन पर कब अधिकार जमा लेते हैं, पता भी नहीं चलता। जो कुविचारों, दुर्भावनाओं एवं कुसंस्कारों के रूप में मन, बुद्धि व चित्त को मलिन किये रहते हैं तथा जीवन में नाना प्रकार से कलह, क्लेश, रोग-शोक व संकट की परिस्थितियाँ खड़ी करते रहते हैं।

इस तरह विकारों से जकड़ा हुआ मन मनुष्य के बंधन का कारण बनता है। यदि मन को इनसे मुक्त करना शुरु कर दें, तो यही मनुष्य की मुक्ति कारण बनता है। स्वाध्याय इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभाता है। स्वाध्याय के प्रकाश में अंतः करण के कोनों में छिपे हुये दोष-दुर्गुण एवं विकार स्पष्ट परिलक्षित होते हैं। स्वाध्याय नहीं करने से हमारे दोष दुर्गुण पुष्ट होते रहते हैं। सूक्ष्म रूप से इस आत्मघाती दुर्घटना से बचने के लिये स्वाध्याय आवश्यक हो जाता है। इसलिये शास्त्रों से स्वाध्याय में प्रमाद न करने की बात कही गई है।

यदि नियमित रूप से स्वाध्याय का क्रम चल पड़े तो ढेरो उपलब्धियाँ हमारी झोली में चली आती हैं। स्वाध्याय के साथ निश्चित रूप से विषय का ज्ञान बढ़ता है। किसी एक आध्यात्मिक विषय पर यदि कई ग्रंथों का पारायण चलता रहे, तो एक समय के बाद व्यक्ति उस विषय का पारंगत विद्वान् बन जाता है। शास्त्रों में निहित ज्ञान के मर्म का उद्घाटन होता है, जिससे अज्ञानतारूपी अंधकार तिरोहित होने लगता है। स्वाध्याय की संपत्ति से हमारा अध्यात्मिक मार्ग शीघ्रता से आगे बढ़ता है। स्वाध्याय से स्वयं के दोष-दुगुर्ण का परिमार्जन तो होता ही है, दूसरों की मानसिक स्थिति स्पष्ट समझ आती है। प्रकृति के रहस्य भी इसके प्रकाश में अपना आवरण हटाने लगते हैं। स्वाध्याय के साथ चरित्र का गठन होता है और सर्वागीण व्यक्तित्व का विकास होता है। आत्म-विश्वास जागृत होता है। श्रद्धा के साथ ईश्वरीय आस्था भी प्रगाढ़ होती है। स्वाध्याय करने वाले का मन सदैव प्रसन्न व शांत रहता है। स्वाध्याय से ज्ञान में बढ़ोत्तरी होती है। मन में परिपक्वता आती है। आचरण में पवित्रता आती है तथा आत्मा में प्रकाश आता है।

ज्ञानार्जन निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। स्वाध्याय के लिये यह आवश्यक है कि हम इसके महत्व को समझे। स्वाध्याय आत्मा का आहार है, इसका उचित भाग में नियमित रूप से

जितना सेवन करेंगे, आत्मा उतनी सबल/निर्मल। जीवन की चिंतायें दूर होंगी, शंकाओं का समाधान होगा, शुभ संकल्पों का उदय होगा। इसके साथ आत्मा की शांति का अनुभव होगा। निःसंदेह स्वाध्याय 'तप' है, मुक्ति का सोपान है। स्वाध्याय के बल पर जनम-मरण से चक्र से बचा जा सकता है।

स्वाध्याय को हम अपने जीवन का अभिन्न अंग बनायें। उत्तमोत्तम पुस्तकें हमेशा पढ़ते रहें। स्वाध्याय जैसे सरस एवं सरल योग में प्रतिष्ठित होने वाला व्यक्ति किसी न किसी रूप में अपने परम लक्ष्य मोक्ष को पाकर शाश्वत सुख का अधिकारी बनता है। इसलिये नित्य हम कुछ न कुछ समय श्रेष्ठ पुस्तकों के स्वाध्याय के लिये अवश्य निकाले। यही नया ज्ञान प्राप्त करने का तरीका है।

स्वाध्याय हेतु पुस्तकों के चयन में सावधानी बरतना आवश्यक है। हर तरह की पुस्तकों के अध्ययन से स्वाध्याय का उद्देश्य पूरा नहीं होता है। ऐसे लेखकों की पुस्तकों का चयन करें, जिनका जीवन प्रकाशित हो, जिन्होंने जीवन को समग्रता से जिया हो। इसके लिये प्रामाणिक अध्यात्मिक पुस्तकें श्रेष्ठ रहती हैं। शाश्वत महत्त्व के ग्रंथों का पारायण सर्वश्रेष्ठ रहता है। क्योंकि कहा गया है कि बिना ग्रंथ के ईश्वर मौन है, न्याय निद्राधीन है, दर्शन लंगड़ा है और शब्द गूंगे हैं। जिनका जीवन आदर्श बना उनके जीवन में किसी न किसी आदर्श ग्रंथ का प्रभाव रहा है। इसी तरह हर युग के महान आध्यात्मिक विचारकों के जीवन चरित्र व शिक्षाओं पर आधारित पुस्तकों का चयन किया जा सकता है।

कविता

अर्घ का समर्पण

✻✻ संस्कार फीचर्स ✻✻

गमन का नमन है गुरु के चरण में
चंदा भी सूरज भी आया शरण में
परम वीतरागी मुनि योग सागर
समता अमृत की भरी पूर्ण गागर
समर्पण करें हम सदा अर्घ गुरुवर
मुझे पथ मिले शिव परम बोध स्वपर
दरश पा गये हम चरण पा गये हम
सच्चे गुरु की शरण पा गये हम
सच्चे गुरु की शरण पा गये हम
मुनि योगसागर को अर्घ समर्पित
चर्या को लख के गुण गा रहे हम
हे योगसागर निर्यापक मुनिवर
श्रमण रूपधारी दिग्वास गुरुवर

विषय भोग त्यागी गुरु वीतरागी
अर्घ समर्पण करे आज ऋषिवर
तुम्हारी चरण में तुम्हारी शरण में
जीवन की श्वासें समर्पित हैं गुरुवर

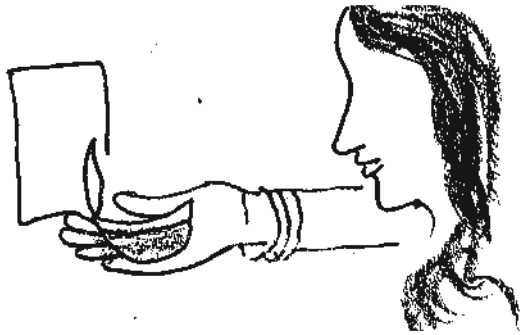

संस्कार सागर सम्पर्क: 8989505108

संयम स्वास्थ्य योग

प्राकृतिक उपचार-ऐनिमा

ऐनिमा- पेट का सफाई कर्मचारी

ऐनिमा का प्रयोग पेट रोग के निदान में अत्यंत लाभकारी है। मिट्टी की पट्टी के बाद ऐनिमा का प्रयोग लाभकारी है। ऐनिमा से आँते अनावश्यक मल से मुक्त हो जाती हैं। अनावश्यक मल की मात्रा ही गैस का निर्माण करते हैं। यही गैस स्नायुओं पर दबाव बनती है। ठंडे पानी का ऐनिमा आंतों को अतिरिक्त शक्ति प्रदान करता है।

विधि: ऐनिमा लेने के पहले यदि पेडू पर गर्म सेक अथवा मिट्टी की पट्टी कर ली जाये तो पेट साफ होने मे कोई संदेह नहीं रहेगा। ऐनिमा लेने के पहले ऐनिमा के नल से थोडा पानी बाहर निकाल दें , ताकि कि नली से पानी का बुलबुला बाहर निकल सके।

अब नोबल के ऊपर रबर की केथिटर को 2-3 इंच गुदाद्वार में प्रवेश करा दें। प्रारंभ में 2-3 पाव पानी को गुदद्वार के माध्यम से प्रवेश करा दें। ऐनिमा में अत्याधिक मात्रा में जल का प्रयोग नहीं करें।

ऐनिमा लेने के पश्चात उसी अवस्था में 4-5 मिनीट लेटकर पानी को रोकना चाहिये। यदि पेट में अत्यधिक कठोर मल हो तो पानी पीकर ऐनिमा लेना लाभप्रद रहता है।

लाभ: इस प्रयोग द्वारा शरीर अनावश्यक मल से तुरन्त मुक्त हो जाता है।

सौम्य पैर स्नान- हृदय रोग व कफ रोग में लाभप्रद

वाष्प स्नान से शरीर के रोम कूप खुल जाते हैं, जिससे पसीना व विजातीय द्रव्य शरीर से तेजी से बाहर निकल जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस स्नान से आँते, मुत्राशय व पेंडू के अन्य आंतों में रक्त की अधिकता कम होकर तीव्र सिरदर्द में बहुत जल्दी आराम मिलता है। इसके अतिरिक्त सर्दी, दमा की तीव्रता में पैर स्नान जादू-सा प्रसार करता है। इसका प्रयोग में दमा में उखड़ती श्वास सामान्य व सर्दी की अवस्था में इस प्रयोग से चमत्कारिक लाभ होता है।

वर्षायोग : चातुर्मास-2023

साहित्यमनीषी ज्ञानवारिधि दिगम्बर जैनाचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज के द्वारा शिक्षित–दीक्षित जैन श्रमण–परंपरा के आदर्श, संत शिरोमणि जैनाचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज तथा उनके द्वारा दीक्षित शिष्यों का वीर निर्वाण संवत् 2548 विक्रम संवत् 2079 सन् 2023 का चातुर्मास विवरण:

(1) संत शिरोमणि 108 आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज : 56वाँ वर्षायोग

निर्यापक श्रमण मुनिश्री प्रसादसागरजी महाराज, मुनिश्री चन्द्रप्रभसागरजी महाराज, मुनिश्री निरामयसागर जी महाराज, कुल : 04 (आचार्यश्रीजी+ 3 मुनिराज+तथा ब्रह्मचारीगण)

- आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के द्वारा दीक्षित प्रायः सभी साधुगण बाल ब्रह्मचारी हैं। जैन श्रमण परंपरा के ज्ञात इतिहास–जानकारी में यह प्रथम संघ हो सकता है, जिसमें दीक्षित 131 मुनि, 172 आर्यिका, 60 एलक, 140 क्षुल्लक, 3 क्षुल्लिका कुल 506 साधु एवं आर्यिकाएँ भी प्रायः बाल ब्रह्मचारिणी हैं।
- आचार्यश्री की आज्ञानुसार देश के विभिन्न नगरों में लगभग 400 बाल ब्रह्मचारी भाई एवं 800 बाल ब्रह्मचारिणी बहनें भी साधनारत हैं।
- आचार्यश्रीजी प्रतिदिन संघस्थ साधुओं के लिए मूलाचार का प्रातः तथा दोप. स्वाध्याय होता है।
- प्रतिदिन प्रातः 9 बजे आचार्य श्री की पूजन तथा प्रवचन होता है।
- वर्तमान में आचार्यश्री से दीक्षित शिष्यों के मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली आदि राज्यों में चातुर्मास हो रहे हैं।
- चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन चंद्रोदय तीर्थ डोंगरगढ़ जिला राजनादगांव छत्तीसगढ़ 491445
  सम्पर्क: विनोद कोयला 9993346255, किशोर जैन 9425563160, विनोद बड़जात्या 9425252525, धर्मेन्द्र 9406047886, 7383136949, राजकुमार 7898872929

(2) पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री समयसागरजी महाराज : मुनिश्री प्रशस्तसागरजी महाराज, मुनिश्री मल्लिसागरजी महाराज, मुनिश्री आनंदसागरजी महाराज, मुनि श्री निर्ग्रन्थ सागर जी महाराज, मुनि श्री निर्भांतसागर जी महाराज, मुनि श्री निरालस सागर जी महाराज, मुनि श्री निराश्रवसागर जी

महाराज, मुनि श्री निराकार सागर जी महाराज, मुनि श्री निश्चिंतसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्माणसागर जी महाराज, मुनि श्री निशंकसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्लेपसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री औचित्यसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री गहनसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्रीकैवल्य सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुदृढसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री समकितसागरजी महाराज , क्षुल्लक श्री उचितसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री अथाहसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्रीउत्साह सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री अमापसागरजी महाराज, कुल : 22 (13 मुनिराज, 9 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 44वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री प्राचीन दिगम्बर जैन गुरहा मंदिर खुरई जिला सागर (म.प्र.) 470117
सम्पर्क :9826855340, 9893699603, 7000043091

(3) पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री योगसागरजी महाराज, मुनिश्री निस्सीमसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री सुधारसागर जी महाराज, क्षुल्लकश्री चैत्यसागर जी महाराज, क्षुल्लकश्री अपारसागर जी महाराज, क्षुल्लकश्री तन्मयसागर जी महाराज, क्षुल्लकश्री स्वागतसागरजी, क्षुल्लक श्री आगतसागरजी, क्षुल्लक श्री भास्वतसागरजी, क्षुल्लक श्री स्वस्तिकसागर, क्षुल्लकश्री भारतसागर जी, क्षुल्लक श्री जागृतसागरजी
कुल : 12 (2 मुनिराज, 10 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 44वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री अमझेकर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर वाशिम महाराष्ट्र 444505
सम्पर्क : हरीश बज 9422160866, रवि बज 9422160868

(4) पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री नियमसागरजी महाराज : मुनिश्री पवित्रसागरजी महाराज, मुनिश्री वृषभसागरजी महाराज, मुनिश्री अभिनंदनसागरजी महाराज, मुनिश्री सुपार्श्वसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री संयमसागर जी महाराज कुल : 6 (5 मुनिराज, 1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण) 44वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री सुखसागर भवन मनहा शांति बिल्डिंग के पीछे मोरेवाड़ी आर.के. नगर राजेशाही होटल के बायी तरफ कोल्हापुर महाराष्ट्र 416013
सम्पर्क: वैभव भैया 9428446717, 9850168031, 9822255865, 9890359316

(5) मुनिश्री गुप्तिसागरजी महाराज
(उपाध्याय पद आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज)
कुल : 1 मुनिराज (ब्रह्मचारीगण) 44वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गन्नौर जिला सोनीपत (हरियाणा) 131001
सम्पर्क: 9813967999, 8999665848

(6) पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री सुधासागरजी महाराज : क्षुल्लक श्री गंभीर सागरजी, (41वाँ वर्षायोग)
कुल:2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन एम. डी. जैन इंटरकॉलेज महावीर मार्ग, हरिपर्वत आगरा (उ.प्र.) 223007
सम्पर्क : ब्र. महावीर 7339918672, 9229213564

(7) निर्यापक श्रमण मुनिश्री समतासागरजी महाराज : मुनिश्री महासागरजी महाराज, मुनिश्री निष्कंपसागरजी महाराज, एलक श्री निश्चयसागरजी महाराज, (41वाँ)
कुल : 4 (3 मुनिराज, 1 ऐलक, ब्रह्मचारी गण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर शम्भु टॉकीज के पास संत भवन संतनगर नई बस्ती कटनी (म.प्र.) 483501
सम्पर्क: संजय अध्यक्ष 9425541928 शरद: 9826152527, 7697981008

(8) मुनिश्री सरलसागरजी महाराज
कुल : 1 मुनिराज (1 मुनि) 40वाँ
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र धर्मोदय पचराई तह. खनियाधाना जिला शिवपुरी (म.प्र.) 473990, सम्पर्क: 7389820208

(9) मुनिश्री प्रमाणसागरजी, मुनिश्री निर्वेगसागरजी , मुनिश्री शीतलसागरजी महाराज, एलक निजानंद सागर जी, क्षुल्लकश्री आदर्शसागरजी, क्षुल्लकश्री समादरसागर, क्षुल्लकश्री चिद्रूपसागर, क्षुल्लकश्री स्वरूपसागर, क्षुल्लकश्री सुभगसागर कुल : 9 (3 मुनिराज, 1 एलक, 5 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 36वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन गुणायतन परिसर सम्मेद शिखर जिला गिरिडीह (झारखंड) 815301
सम्पर्क : विजय: 9460933509 अभिनव: 7739396148 सुभाष: 7004628522

(10) मुनिश्री आर्जवसागरजी महाराज : (आचार्यपद सीमन्धरसागरजी) मुनिश्री भाग्यसागरजी, मुनिश्री महतसागरजी, मुनिश्री सजगसागरजी, मुनिश्री सानंदसागरजी कुल : 5 (5 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन गंज मंदिर अशोकनगर (म.प्र.) 473336
सम्पर्क : रमेश चोधरी: 9425132055, महेन्द्र 9415196170

(11) मुनिश्री मार्दवसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अलीपुरा आष्टा (म.प्र.) 466116
सम्पर्क : ब्र. लख्मीचंद 7049542288, राजेन्द्र भैया 6264249728

(12) मुनि श्री उत्तमसागर जी महाराज, मुनिश्री समुद्रसेनजी महाराज (36वाँ)
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर जुगुलगांव कर्नाटक 591242
सम्पर्क: 9752339632

(13) मुनिश्री पावनसागरजी महाराज, मुनिश्री सुभद्रसागरजी कुल : 2 (2 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रयागराज (उ.प्र.) 211001
सम्पर्क: 9708321323

(14) मुनिश्री सुखसागरजी महाराज, मुनिश्री महानसागरजी महाराज
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मजगांव जिला बेलगांव कर्नाटक 590001
मो. पदमराज पाटिल 9164502108, 9341732306

(15) मुनिश्री विनीतसागरजी महाराज, मुनि श्री अतुल सागर जी महाराज
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर आनंद नगर परभणी महाराष्ट्र 431401
सम्पर्क: प्रदीप उदगीरकर: 8007777054

(16) मुनिश्री निर्णयसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुवीरसागरजी महाराज (27वाँ)
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 27वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर इटारसी (म.प्र.) 461114
सम्पर्क : 9827269691

(17) मुनि प्रबुद्धसागरजी महाराज (27वाँ)
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जबलपुर नाका दमोह (म.प्र.) 461111
सम्पर्क : 9993967933, 9425196903

(18) मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज, मुनि श्री पुराणसागर जी महाराज, (27वाँ)
कुल : 2 (2 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर पीरनवाडी जिला बेलगांव (कर्नाटक) 590001
सम्पर्क : अनिल: 9448849723

(19) मुनिश्री पायसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर चेडचंद जिला बीजापुर (कर्नाटक) 586101
सम्पर्क : अजित 9448141473

(20) निर्यापक श्रमण मुनिश्री अभयसागरजी महाराज, मुनिश्री प्रभात सागरजी महाराज, मुनिश्री निरीहसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री उद्यमसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री गरिष्ठसागरजी महाराज 25वाँ वर्षायोग
कुल : 5 (3 मुनिराज, 2 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर गुरु

मंगलधाम बंडा जिला सागर (म.प्र.) 470001
संपर्क: मुकेश: 942572375, 6264771746

(21) मुनि श्री अक्षयसागर जी महाराज मुनि श्री नेमीसागर जी महाराज, मुनिश्री शैलसागरजी महाराज, मुनिश्री अचलसागरजी महाराज, एलक श्री उपशम सागर जी महाराज 26वाँ वर्षायोग
कुल: 5 (4 मुनिराज, 1 एलक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर भयंदर मुंबई (महाराष्ट्र) 400001
सम्पर्क : 9860182773

(22) मुनिश्री प्रयोगसागर जी, मुनिश्री प्रबोध सागर जी, कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मंडलेश्वर जिला खरगोन (म.प्र.) 451001
सम्पर्क :

(23) मुनिश्री प्रणम्यसागरजी महाराज, मुनिश्री चन्द्र सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुनयसागर जी, क्षुल्लक श्री सविनयसागर जी, क्षुल्लक श्री समन्वयसागरजी कुल : 5 (2 मुनिराज, 3 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सतना (म.प्र.) 485001
सम्पर्क: 9406637564, 9827063357

(24) मुनिश्री अजितसागरजी, मुनिश्री निर्दोषसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्लोभसागरजी महाराज, मुनिश्री निरूपमसागर जी महाराज, ऐलक दयासागरजी, ऐलक विवेकानंदसागरजी, कुल : 6 (4 मुनिराज, 2 ऐलक) 25वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.) 470001
सम्पर्क : मिहिर भैया: 9109090111, रविन्द्र भैया: 7024689656, 9301746081

(25) निर्यापक श्रमण मुनिश्री संभवसागरजी महाराज, मुनि श्री विराटसागर जी महाराज, मुनिश्री नीरोगसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्मोहसागर जी महाराज, मुनिश्री निष्पक्षसागर जी महाराज, मुनिश्री निष्काम सागर जी महाराज, मुनिश्री नीरजसागरजी महाराज, मुनिश्री निस्संगसागर जी महाराज, मुनिश्री संस्कार सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री वरिष्ठसागरजी, क्षुल्लक श्री गौरवसागर, क्षुल्लकश्री विदेहसागर कुल : 12 (9 मुनिराज, 3 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 25वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर आरोग्यधाम शाहपुर (म.प्र.) 450445
सम्पर्क : विकास 9179184928, अनिल 9893614898

(26) मुनिश्री पद्मसागरजी महाराज, कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 24वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बबीना जिला झांसी (उ.प्र.) 584001
सम्पर्क : 8959368909, 9450833180

(27) मुनिश्री श्रेयांससागरजी महाराज, क्षुल्लक निजात्मसागर जी कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक) 25वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गेरतगंज जिला रायसेन (म.प्र.) 464551
सम्पर्क: शिखरचंद 9425620672

(28) मुनि पूज्यसागर जी महाराज, एलक श्री धैर्यसागरजी कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 एलक)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर विद्यासागर भवन अनेकांत स्वाध्याय मंदिर भगवान महावीर मार्ग रामनगर, वर्धा (महाराष्ट्र) 442001
सम्पर्क: महावीर पाटनी 9423228735, सुनील 9896793862

(29) मुनिश्री विमलसागरजी महाराज, मुनिश्री अनंतसागरजी महाराज, मुनिश्री धर्मसागरजी महाराज, मुनिश्री भावसागरजी महाराज 25वाँ वर्षायोग
कुल : 4 (4 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर घाटोल जिला बांसवाड़ा (म.प्र.) 327001
सम्पर्क : हर्षित 9649266866, नमन 7073083793, विख्यात 7062594756

(30) मुनिश्री अरहसागरजी महाराज
कुल 1(1 मुनिराज) 25वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कृष्णानगर (दिल्ली) 110051
सम्पर्क:

(31) मुनिश्री कुंथुसागरजी महाराज
कुल 1(1 मुनिराज) 25वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर ज्ञानोदय जैन भवन विग्योर हाईस्कूल रोड़ युवसहल्ली बेंगलोर (कर्नाटक) 530068
सम्पर्क: नीतेश: 9986692785, गुरुख्याल 9801872575

(32) मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज
कुल 1(1 मुनिराज) 25वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शांतिनगर बीना जिला सागर (म.प्र.) 470113
सम्पर्क: 9993387880

(33) निर्यापक श्रमण मुनिश्री वीरसागरजी महाराज, मुनिश्री विशाल सागरजी महाराज, मुनिश्री धवलसागरजी महाराज, मुनिश्री उत्कृष्टसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री मंथनसागर जी महाराज, क्षुल्लकश्री मननसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री विचारसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री मगनसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री विरलसागर जी महाराज कुल : 9 (4 मुनिराज, 5 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 20वाँ वर्षायोग

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर ज्ञानोदय सोसायटी भगवान नेमिनाथ चौक सुस पूणे, महानगर (महाराष्ट्र) 111045
सम्पर्क : 9096277892, 9766943609

(34) मुनिश्री आगमसागरजी महाराज, मुनिश्री पुनीतसागरजी महाराज, कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 20वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर गुना (म.प्र.) 473105
सम्पर्क : अध्यक्ष 9425134847, संभव 8435306111

(35) मुनिश्री अविचलसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सदर बाजार झांसी (उ.प्र.) 284001
संपर्क : शुभम 9140647044 दिव्यांश 9129131032

(36) मुनि श्री विशदसागर जी महाराज, मुनिश्री निरापद सागरजी जी महाराज, कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 20वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर आरोन जिला गुना (म.प्र.) 473101
संपर्क : संतोष 9926891365 संजीव 9755008518

(37) मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज, मुनिश्री निष्पृह सागरजी महाराज, मुनिश्री निश्चलसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्भीक सागरजी महाराज, मुनिश्री नीरागसागर जी महाराज, मुनिश्री ओंकारसागरजी महाराजकुल : 6 (6 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 11वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर जिंतूर जिला परभणी (महाराष्ट्र) 431509
संपर्क : अभय : 9425020020

(38) मुनिश्री दुर्लभसागरजी महाराज, मुनिश्री संधानसागरजी महाराज, कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 20वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर एलोरा जिला औरंगाबाद (महाराष्ट्र) 431102
संपर्क : दीपक : 7247676975, डॉ. पाटनी 9881771008, गोलू : 9340025021

(39) मुनिश्री विनम्रसागरजी महाराज, मुनिश्री निःस्वार्थ सागरजी महाराज, मुनिश्री निर्मद सागर जी महाराज, मुनिश्री निसर्गसागर जी महाराज, मुनिश्री श्रमणसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री निर्धूमसागरजी, क्षुल्लकश्री हिरकसागर जी कुल : 7 (5 मुनिराज, 2 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण) 20वाँ
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बंधा जी तह. मोहनगढ़ जिला टीकमगढ़ (म.प्र.) 472101
सम्पर्क : 9098355530, अध्यक्ष 9584728283

(40) मुनिश्री सहजसागर जी महाराज कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर पदमालय (कर्नाटक) 416416
संपर्क : 9697982209

(41) मुनिश्री शाश्वतसागरजी महाराज कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिवनी (म.प्र.) 480661
संपर्क : पारस : 9340138705

(42) मुनिश्री निराकुलसागरजी महाराज
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर शाढौरा जिला गुना (म.प्र.) 473330
संपर्क : सुदीप : 8100811008, निर्मल : 9425728762

(43) मुनिश्री निरंजनसागर जी महाराज कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शहडोल (म.प्र.) 484001
सम्पर्क : अनिल 9425182708

(44) आर्यिकाश्री गुरुमति माताजी : आर्यिकाश्री सारमतिजी, कुल : 2 (2 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ी बजरिया बीना (म.प्र.) 470113

(45) आर्यिकाश्री दृढ़मतिजी : आर्यिकाश्री पावनमतिजी, आर्यिकाश्री अकलंकमति माताजी, आर्यिकाश्री निकलंकमतिजी, आर्यिकाश्री संस्कारमतिजी, आर्यिका श्री विजितमति, आर्यिकाश्री आप्तमतिजी,
कुल : 7 (7 आर्यिकाएँ एवं बाल ब्रह्मचारिणी बहनें) 36वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गौरझामर जिला सागर (म.प्र.) 470223
सम्पर्क : दीपक : 9993259072 अरुण घुरा अध्यक्ष : 9993191532

(46) आर्यिका श्री मृदुमतिजी, आर्यिकाश्री निर्णयमति जी, कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें) 36वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अभाना जिला दमोह (म.प्र.) 470661
सम्पर्क :

(47) आर्यिकाश्री ऋजुमतिजी : आर्यिकाश्री सरलमतिजी, आर्यिकाश्री शीलमतिजी, आर्यिकाश्री असीममतिजी, आर्यिकाश्री गौतममतिजी, आर्यिकाश्री निर्वाणमतिजी, आर्यिकाश्री मार्दवमतिजी, आर्यिकाश्री मंगलमतिजी, आर्यिकाश्री चारित्रमतिजी, आर्यिकाश्री श्रद्धामतिजी,

आर्यिकाश्री उत्कर्षमति माताजी। कुल : 11 (11 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें) 36वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अग्रवाल कॉलोनी जबलपुर (म.प्र.) 482001
सम्पर्क : 9448849723

(48) आर्यिका तपोमतिजी : आर्यिकाश्री सिद्धांत मतिजी, आर्यिका नम्रमतिजी, आर्यिकाश्री विनम्रमतिजी, आर्यिकाश्री अतुलमतिजी, आर्यिकाश्री अनुगममतिजी, आर्यिकाश्री उचितमतिजी, आर्यिकाश्री विनयमतिजी, आर्यिकाश्री संगतमतिजी, आर्यिकाश्री लक्ष्यमतिजी माताजी। 36वाँ वर्षायोग
कुल : 10 (10 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र स्वर्णोदय तीर्थ खजुराहो जिला छतरपुर (म.प्र.) 471606
सम्पर्क : 9425141159, 9425141142

(49) आर्यिका सत्यमतिजी, आर्यिका हेमश्रीजी,
कुल : 2 (2 आर्यिका, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पुष्पगिरि सोनकच्छ जि. देवास (म.प्र.) 455001
सम्पर्क : आस्था दीदी 7393876737

(50) आर्यिकाश्री गुणमतिजी, आर्यिकाश्री आगममति जी, आर्यिकाश्री पथ्यमतिजी, आर्यिकाश्री ध्येयमतिजी, आर्यिकाश्री आत्ममतिजी।
कुल : 5 (5 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें) 37वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र स्वर्णोदय तीर्थ खजुराहो जिला छतरपुर (म.प्र.) 471606
सम्पर्क : 9425878163, 9754695958

(51) आर्यिकाश्री प्रशांतमतिजी : आर्यिकाश्री विनतमतिजी, आर्यिकाश्री विशुद्धमतिजी कुल : 3 (3 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें) 33वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर पटेरा जिला दमोह (म.प्र.) 470772
सम्पर्क :

(52) आर्यिका श्री पूर्णमतिजी, आर्यिकाश्री शुभ्रमतिजी, आर्यिकाश्री कुशलमति जी, आर्यिकाश्री साधुमतिजी, आर्यिकाश्री विशदमतिजी, आर्यिकाश्री विपुलमतिजी, आर्यिकाश्री मधुरमतिजी, आर्यिकाश्री कैवल्य मतिजी, आर्यिकाश्री सतर्कमतिजी, 35वाँ वर्षायोग
कुल : 9 (9 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर विद्याधाम गुजरात युनिवर्सिटी जी.एम.डी.सी के सामने बस्त्रापुर अहमदाबाद (गुजरात) 320008
सम्पर्क :

(53) आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी, आर्यिकाश्री शुक्लमतिजी, आर्यिका भावनामतिजी आर्यिकाश्री संवेगमतीजी, आर्यिकाश्री समयमतिजी, आर्यिकाश्री शोधमतिजी, आर्यिकाश्री सुशीलमतिजी, आर्यिकाश्री सुसिद्धमतिजी, आर्यिकाश्री सदयमति जी, आर्यिकाश्री उदारमतिजी, आर्यिकाश्री संतुष्टमतिजी, आर्यिका भक्तिमति माताजी
कुल : 12 (12 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर राहतगढ़ जिला सागर (म.प्र.) 470119
सम्पर्क : कमल चौधरी : 9300004458

(54) आर्यिकाश्री विमलमतिजी, आर्यिकाश्री निर्मल मतिजी, आर्यिकाश्री आलोकमति जी, आर्यिका श्री निर्वेगमतिजी, आर्यिकाश्री सविनयमतिजी, आर्यिकाश्री शाश्वतमति जी, आर्यिकाश्री निकटमतिजी, आर्यिकाश्री अमितमतिजी, कुल : 8 (8 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर पथरिया जिला दमोह (म.प्र.) 470666
सम्पर्क : 8770984293

(55) आर्यिकाश्री साधनामतिजी, आर्यिका श्री समुन्नतमतिजी, आर्यिकाश्री समितिमतिजी, कुल : 3 (3 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सानौधा जिला सागर (म.प्र.) 470021
सम्पर्क : 7869079226, 9981273995

(56) आर्यिकाश्री विलक्षणामतिजी, आर्यिकाश्री वात्सल्यमति जी, कुल : 2 (2 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर टड़ा तह. केसली जिला सागर (म.प्र.) 470235
सम्पर्क : संजय चौधरी 9179404656

(57) आर्यिका श्री धारणामति माताजी, आर्यिकाश्री मुदितमतिजी, आर्यिकाश्री शास्त्रमति माताजी कुल : 3 (3 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मंडावरा जिला ललितपुर (उ.प्र.) 234404
सम्पर्क : अध्यक्ष 9451170107, 9956536687

(58) आर्यिकाश्री चिन्तनमतिजी, आर्यिका श्री शांतमति माताजी, आर्यिका श्री ध्रुवमति माताजी, कुल : 3 (3 आर्यिकाएँ एवं बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर विजयनगर कंचन बिहार जबलपुर (म.प्र.) 482003
सम्पर्क :

(59) आर्यिकाश्री वैराग्यमतिजी, आर्यिकाश्री प्रशममतिजी, आर्यिकाश्री सहजमति जी, आर्यिकाश्री धवलमतिजी, कुल : 4 (4 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिलवानी जिला रायसेन (म.प्र.) 464551

सम्पर्क: अभिषेक: 9425645545, कौशल: 9893930142

(60) आर्यिकाश्री आदर्शमतिजी, आर्यिका श्री अमूर्तमति माताजी, आर्यिका शैलमति माताजी, आर्यिका स्वस्थमति जी कुल : 4 (4 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)+ 406 प्रतिभामंडल की ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन दयोदय तीर्थ प्रतिभास्थली तिलवारा घाट जबलपुर (म.प्र.) 482003
सम्पर्क: कमलेश: 9907265800

(61) आर्यिकाश्री दुर्लभमतिजी, आर्यिकाश्री अनुपममति जी, आर्यिकाश्री अनर्घमतिजी, आर्यिकाश्री अधिगममति जी, आर्यिका श्री गंतव्यमति जी, आर्यिकाश्री अदूरमति कुल : 6 (6 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन स्वर्ण मंदिर लाडगंज जबलपुर (म.प्र.) 482001
सम्पर्क: संध्या दीदी 8770105505

(62) आर्यिका श्री अंतरमति,आर्यिकाश्री अनुग्रहमति माताजी, आर्यिकाश्री अमंदमति जी, आर्यिकाश्री अचिन्त्य मतिजी, आर्यिकाश्री संवरमति माताजी, आर्यिकाश्री मेरुमति माताजी, आर्यिका श्री ध्यानमति 31वाँ वर्षायोग
कुल :7 (7 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर शिवनगर जबलपुर (म.प्र.) 482001
सम्पर्क : 8770105505

(63) आर्यिकाश्री अक्षयमति माताजी, आर्यिकाश्री निर्मदमति माताजी,कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर चरगुंवा जिला जबलपुर (म.प्र.) 482003

(64) आर्यिकाश्री अखण्डमति जी , आर्यिकाश्री अभेदमतिजी, 37वाँ वर्षायोग
कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बरेला जिला जबलपुर (म.प्र.) 483001
सम्पर्क: विमल अध्यक्ष: 9340698832, अमित: 9319437852

(65) आर्यिकाश्री अपूर्वमतिजी, आर्यिकाश्री अनुत्तरमतिजी, आर्यिकाश्री अगाधमति माताजी
कुल : 3 (3 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें) 31वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर संगम कॉलोनी जबलपुर (म.प्र.) 482001

(66) आर्यिकाश्री अनुभवमति माताजी, आर्यिका श्री परमार्थमति माताजी कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुरवा जबलपुर (म.प्र.) 482003

(67) आर्यिकाश्री स्वाध्यायमतिजी, आर्यिकाश्री संयममति जी, आर्यिका सिद्धमतिजी, आर्यिका संयतमति जी, आर्यिका श्री स्वभावमति जी कुल : 5 (5 आर्यिकाएँ एवं बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर देवरी जिला सागर (म.प्र.) 441901
सम्पर्क: नरेश सोदिया: 9893227105

(68) आर्यिकाश्री पुराणमति माताजी, आर्यिका दिव्यमति माताजी
कुल : 2 (2 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर फिरोजाबाद (उ.प्र.)

(69) आर्यिकाश्री प्रसन्नमति माताजी
कुल : 1 (1 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवणबेलगोल जिला हासन (कर्नाटक) 573135
सम्पर्क : सुभावसु: 8660286720, 9164550948

(70) आर्यिकाश्री सूत्रमतिजी,आर्यिकाश्री शीतलमतिजी, आर्यिकाश्री सुशांतमतिजी, आर्यिकाश्री कर्त्तव्यमति, आर्यिका श्री तथ्यमति जी कुल : 5 (5 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बालाघाट (म.प्र.) 481001
संपर्क : संजय 8839167775, सुशील 9425875737

(71) आर्यिकाश्री सकलमतिजी,क्षुल्लिका उचितमति जी, कुल : 2 (1 आर्यिका,1 क्षुल्लिका,बाल ब्रह्मचारिणी बहनें) 25वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर पिंडरई जिला मण्डला (म.प्र.) 481668
सम्पर्क : सुदर्शन: 700562719

(72) आर्यिकाश्री श्वेतमतिजी, आर्यिकाश्री विदेहमतिजी,
कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर शास्त्रोदय तीर्थ हनुमान ताल जबलपुर (म.प्र.) 482001
सम्पर्क: नीलम जरी 8989892491

(73) आर्यिकाश्री साकारमति जी, आर्यिका श्रुतमति जी, आर्यिका पारमति जी, आर्यिका श्री आगतमति जी
कुल : 4 (4 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर लखनादौन जिला सिवनी (म.प्र.) 480886
सम्पर्क: संजय सर्राफ : 9425175906

(74) आर्यिकाश्री सौम्यमतिजी, आर्यिका श्री जागृतमतिजी, आर्यिकाश्री चैत्यमति जी, आर्यिका श्री पुनीतमति जी कुल: 4 (4 आर्यिकाएँ एवं बा.ब्रह्मचारिणी बहनें) 37वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मंडला (म.प्र.) 481661
सम्पर्क : राकेश सिंघई: 9826276108

(75) आर्यिकाश्री उपशांतमतिजी, आर्यिकाश्री ओंकारमतिजी, आर्यिका परममतिजी, आर्यिका श्री चेतनमति माताजी 26वाँ वर्षायोग
कुल : 4 (4 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें) 25वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कटंगी जिला जबलपुर (म.प्र.) 483105
सम्पर्क: 9424381647, 8085485983

(76) आर्यिका श्री अकम्पमति माताजी, आर्यिकाश्री अचलमति माताजी कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेहानगर सागर (म.प्र.) 470002
सम्पर्क : सतीश: 9826092225

(77) आर्यिकाश्री अमूल्यमतिजी, आर्यिका श्री अलोल्यमति माताजी, आर्यिकाश्री अनमोलमतिजी, आर्यिकाश्री आज्ञामति माताजी कुल : 4 (4 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुंगावली जिला गुना (म.प्र.) 473443
सम्पर्क :

(78) आर्यिका श्री आराध्यमति जी, आर्यिका श्री तथ्यमति जी, आर्यिका श्री मननमति जी कुल : 3 (3 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर धर्मशाला रहली जिला सागर (म.प्र.) 470227
सम्पर्क : ब्र. रजनीश मलैया: 9977710011 सरोज दीदी 9039165383

(79) आर्यिका श्री उद्योतमति जी, आर्यिकाश्री पृथ्वीमति जी, आर्यिका विनीतमति जी, आर्यिका श्री अवायमति जी कुल : 4 (4 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गढ़ा जबलपुर (म.प्र.) 482003 मो. 8871226533

(80) आर्यिकाश्री निष्काममति, आर्यिकाश्री विरतमतिजी, आर्यिकाश्री उपशममतिजी, कुल : 3 (3 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बारा सिवनी (म.प्र.) 481334

(81) एलकश्री सिद्धांतसागरजी महाराज,
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जैन+मालेगांव जिला वाशिम (महाराष्ट्र) 493445
सम्पर्क :आकाश महाजन: 9970709011, ब्र. तात्या भैया: 9425618167

(82) एलकश्री संपूर्णसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र काकोरी पारसधाम लखनऊ (उ.प्र.) 226101
सम्पर्क : सुष्मा दीदी 9559127397, नीरज 9451251308

(83) एलकश्री नम्रसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चांदखेडी जिला झालावाड़ (राजस्थान) 455223
सम्पर्क : हुकुम काका 9414184618

(84) एलक श्री क्षीरसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर रामगंज मंडी जिला कोटा (राजस्थान) 326519
सम्पर्क :

(85) क्षुल्लक श्री ध्यानसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्राविका आश्रम सोलापुर (महाराष्ट्र)
सम्पर्क: 9898570070 इन्द्रकुमार 9422645480

(86) क्षुल्लक श्री नयसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री नंदीश्वर दिगम्बर जैन मंदिर नंदीश्वर कॉलोनी सिविल लाईन रोड़ टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001
संपर्क: नन्हे 7389305175 सुरेन्द्र 9754721249

(87) क्षुल्लक श्री स्वाध्यायसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री मौन सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री चिंतनसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री अटलसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री वैराग्यसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री निकटसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री परीतसागर जी महाराज
कुल : 7 (7 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला देवास (म.प्र.) 455339
संपर्क :मुकेश भैया 9399192692 मोनू 8343579856

(88) क्षुल्लक श्री तत्त्वसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री तत्त्वार्थसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री तात्पर्य सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री वर्धनसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री वरदानसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री अनुग्रहसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री उपकार सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सहयोग सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री उपयोगसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुयोग्यसागरजी महाराज,

क्षुल्लक श्री सुधर्म सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुगमसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री प्रशमसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री परमसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री साम्यसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री समकित सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री संगतसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री औचित्य सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री भाग्यसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री आरोग्य सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री श्वेतसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री विनय सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री विरतसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री अपारसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री शमदमसागरजी महाराज
कुल : 24 (24क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पूर्णायु संस्थान दिगम्बर जैन प्रतिभास्थली तिलवाराघाटजबलपुर (म.प्र) 482001
संपर्क: सतीश 70999587951, कमलेश 9907265800

(89) मुनिश्री समाधिसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250001
सम्पर्क: मुकेश: 9412501909

(90) मुनिश्री मंगलानंदसागरजी महाराज, मुनिश्री मंगलसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री कमलसागरजी
कुल : 3 (2 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन नया मंदिर हजरात पुल के पास लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) 474001
सम्पर्क : नीलेश 7509757381

(91) मुनिश्री विलोकसागरजी, मुनिश्री विवोधसागर जी, (गुरु आर्जवसागर जी महाराज) कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर बजरिया छतरपुर (म.प्र.) 471001
सम्पर्क:ब्र. संजय भैया 6263372257

(92) मुनिश्री विदितसागर जी महाराज (गुरु आर्जवसागर जी महाराज) कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हडससी तालुका सागर जिला सुमोगा कर्नाटक
सम्पर्क: प्रशांत: 9482170453

(93) मुनि श्री नमितसागर जी, मुनि श्री भास्वतसागर जी (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मगदुम सोसायटी जयसिंहपुर जिला कोल्हापुर (महाराष्ट्र) 416001
सम्पर्क : 7666087863

(94) मुनिश्री विशोध सागरजी, मुनिश्री विभोरसागरजी (गुरु आर्जवसागर जी महाराज),
कुल: 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर केसली जिला सागर (म.प्र.) 470001
सम्पर्क: रानू दीदी 9993948191

(95) आर्यिकाश्री विज्ञानमती माताजी, आर्यिकाश्री आदित्यमती माताजी, आर्यिका श्री वरदमती माताजी, आर्यिकाश्री शरदमति माताजी, आर्यिकाश्री सुयशमति माताजी, आर्यिका श्री उदितमति माताजी, आर्यिकाश्री रजतमति माताजी, (गुरु आचार्य विवेकसागर जी महाराज)
कुल : 7 (7 आर्यिकाएँ) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर उदयनगर इंदौर (म.प्र.) 452001
सम्पर्क : प्रजेश 7898918652 भरत 9926041963

(96) आर्यिकाश्री पवित्रमती माताजी, आर्यिकाश्री गरिमामाति माताजी आर्यिका श्री करणमति माताजी, (गुरु आर्यिका विज्ञानमति माताजी) कुल : 3 (3 आर्यिका) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अतिथि भवन गांधी चौक हाटपीपल्या जिला देवास (म.प्र.) 455223
सम्पर्क : 8770668617, चिद्रूप8770668617

(97) आर्यिका श्री चरणमतिजी, आर्यिकाश्री शरणमतिजी, आर्यिकाश्री सुवीरमतिजी, कुल : 3 (3 आर्यिका) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन किला मंदिर आष्टा जिला सीहोर (म.प्र.) 416301
सम्पर्क: मनीष: 97755014988

(98) आर्यिकाश्री प्रतिभामतिजी आर्यिकाश्री सुयोगमति जी, आर्यिकाश्री मार्मिकमतिमाताजी, (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
कुल : 3 (3 आर्यिका, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर तेंदूखेड़ा जिला दमोह (म.प्र.) 487770

(99) क्षुल्लकश्री हर्षितसागर जी महाराज (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
कुल : 1 (1 क्षुल्लक)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गौरखपूर जिला रायसेन (म.प्र.) 464774

वर्तमान में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित शिष्य

9 निर्यापक श्रमण, 95 मुनिराज, 154 आर्यिका माताजी, 10 एलक, 73 क्षुल्लक, कुल : 341
अन्य : 18 मुनिराज + 15 आर्यिका माताजी + 6 क्षुल्लक + 1 क्षुल्लिका कुल: 39
(1 आचार्य, 9 निर्यापक श्रमण, 113 मुनिराज, 169 आर्यिका, 10 एलक, 79 क्षुल्लक, 1 क्षुल्लिका) कुल : 382

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	आचार्य **आचार्यश्री अनेकांतसागरजी महाराज** मुनिश्री अनुपमसागरजी महाराज मुनिश्री आत्मीयसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सुदर्शनमति माताजी आर्यिकाश्री अभेदमति माताजी आर्यिकाश्री अजितमति माताजी क्षुल्लिक श्री अर्हमसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अनेकान्तसागरजी महाराज आचार्य श्री अनेकान्तसागर जी महाराज आचार्यश्री गयासागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 27 नोयडा (उ.प्र.) 110025 कार्तिक 8290886514 25वाँ कुल 7 1 आचार्य, 2 मुनि, 3 आर्यिका 1 क्षुल्लक
	मुनि अनुकरणसागर जी महाराज मुनि स्वयंभूसागर जी महाराज	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य योगेन्द्रसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कविनगर गाजियाबाद (उ.प्र.) 110093
	✻मुनि अनुचरणसागर जी महाराज	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिकाश्री प्रज्ञामति माताजी आर्यिकाश्री चैत्यमति माताजी आर्यिकाश्री सुहर्षमति माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री मल्लिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर झाडोल तह. सराडा जिला उदयपुर राजस्थान 313031 मो. 7383670526
	आर्यिकाश्री प्रशस्तमति माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	
	मुनि श्री पुज्यसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री अनुसरणसागर जी महाराज	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज	श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर स्मृतिनगर इंदौर (म.प्र.) 452001 तरूण भैया: 9424425522
	मुनि श्री अनुशरणसागर जी महाराज मुनिश्री अनुशासनसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सिद्धांतमति माताजी क्षुल्लिकाश्री अनुसारमति माताजी	आचार्यश्री अनुभवसागर जी महाराज आचार्यश्री अनुभवसागर जी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री अनुभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र शिखरजी मधुवन जिला गिरिडीह झारखंड825329 मो. 7037912314 मो. 9784653111
	✻आर्यिका अनुप्रेक्षामति माताजी ✻आर्यिका अनुश्रुतमति माताजी	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज	
(2)	**आचार्यश्री आदित्यसागरजी महाराज** क्षुल्लकश्री सिद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज 98863936719	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सुभाष चौक मंगल बाजार लक्ष्मीनगर दिल्ली 110092
	✻मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज ✻आर्यिका सुप्रज्ञश्री माताजी ✻आर्यिका स्वर्णश्री माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री सुकमालनंदीजी महाराज	
	✻आर्यिकाश्री प्रसन्नमति माताजी	आचार्यश्रीअभिनंदनसागरजी महाराज	
(3)	**आचार्यश्री आनंदसागरजी म. 'मौनप्रिय'** 48 वाँ	आचार्यश्री मुनिसुव्रतसागरजी महाराज 9826871359	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ध्यानतीर्थ बसंतकुंज नईदिल्ली 110070
(4)	**✻आचार्यश्री अनुभवनंदीजी महाराज**	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
(5)	**आचार्य श्री भारतभूषणजी महाराज** मुनिश्री भव्यभूषणजी महाराज मुनिश्री निर्वाणभूषणजी महाराज	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज आचार्य श्री भारतभूषणजी महाराज आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर खतौली जिला मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)
	मुनिश्री भावभूषणजी महाराज क्षुल्लकश्री हर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज	श्री प्राचीन दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) मुकेश जैन: 9412551909
(6)	**आचार्य चंद्रसागरजी महाराज** आर्यिकाश्री शांतिमति माताजी आर्यिका यादश्रीजी माताजी क्षुल्लकश्री सुज्ञानसागरजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागर जी महाराज आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री शुभमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सागवाड़ा जिला डूंगरपुर राजस्थान 314025 सलोनी दीदी 6350538164
	✻आर्यिकाश्री चिन्मयमति महाराज ✻क्षुल्लिकाश्री चैतन्यमति माताजी	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज	
	✻आर्यिकाश्री चिन्तनश्री माताजी ✻क्षुल्लिका सुश्रयमति माताजी	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज आचार्यश्री सुपार्श्वसागरजी महाराज	
(7)	**आचार्य श्री क्षीरसागरजी महाराज** (आचार्य पद कंचनसागर जी महाराज)	आचार्यश्री सन्मानसागरजी महाराज अध्यक्ष संजय : 9599853282	श्री दिगम्बर जैन मंदिर न्यू रोहतक रोड़ नईदिल्ली 110041
(8)	**आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज** आर्यिका श्री शाश्वतश्री माताजी आर्यिकाश्री स्वातममति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पद्मपुरा तह. चाकसू जिला जयपुर राजस्थान 303903

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिका श्री पुरुषार्थमति माताजी क्षुल्लकश्री अरतिसागरजी महाराज	आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज छोटू: 8791021266	शेष पेज 21 अध्यक्ष सुधीर: 9667759255 8440047973
(9)	**आचार्यश्री चिदानंदसागर जी महाराज**	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज मो. 8463869051	श्री दिगम्बर जैन तेरहपंथी छोटा मंदिर सरावजी मोहल्ला श्योपुर (म.प्र.)
(10)	**आचार्यश्री दयासागरजी महाराज** राधा दीदी 7389522093	आचार्यश्री नेमीसागरजी महाराज	श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नेमगिरि तीर्थ बंडा जिला सागर (म.प्र.)
	मुनिश्री पार्श्वसेन जी महाराज आर्यिका अजितमति माताजी आर्यिका सुमतिमती माताजी आर्यिका सुवर्णमति मातजी आर्यिकाश्री विशालमति माताजी क्षुल्लक श्री भद्रसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेड़वाल (कर्नाटक) 591315
(11)	**आचार्यश्री शांतिसेन जी महाराज** मुनिश्री सुपार्श्वसेन जी महाराज आर्यिका श्री अजितमति माताजी आर्यिका श्री सुमतिमति माताजी आर्यिका श्री विशालमति माताजी आर्यिकाश्री स्वर्णमति माताजी क्षुल्लिकाश्री जिनमति माताजी	आचार्यश्री देवसेनजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ अनाथ छात्राश्रम रत्नपुरी शेडवालतालुका कागवाड जिला बेलगांव कर्नाटक 590001 मो. 8828349562 मो. 6363238529
	मुनिश्री समुद्रसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चंदूर तह चिक्कोड़ी जिला बेलगांव कर्नाटक 590001
	मुनिश्री वृषभसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज मो. 8296138108	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बनजवाडतह. अथनी जिला बेलगांव कर्नाटक 590003
(12)	**आचार्यश्रीअमितसेन जी महाराज** मुनिश्री मल्लिसेन जी महाराज एलक श्री भद्रसेन जी महाराज क्षुल्लकश्री अक्षयसेनजी महाराज क्षुल्लकश्री अनंतसेन जी महाराज क्षुल्लकश्री अकलंकसेन जी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र पोस्ट बाबानगर जिला बेलगांव कर्नाटक 590002 7411086108
	मुनिश्री महिमासागरजी महाराज मुनिश्री अजितसेन जी महाराज मुनिश्री दिव्यसेन जी महाराज मुनिश्री परमसागरजी महाराज	आचार्यश्री वरदत्तसागरजी महाराज आचार्यश्री जिनसेन जी महाराज आचार्यश्री देवसेन जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन बीसपंथी कोठी सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 9108558103
	मुनि श्री समाधिभूषणजी महाराज आर्यिका श्री निस्प्रहमति माताजी क्षुल्लिकाश्री नवमति माताजी	आचार्य श्री गुलाबभूषण जी महाराज गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी आचार्यश्री गुणधरनंदी जी महाराज 9900108703	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर श्री देशभूषण आश्रम कोथली कुप्पनवाड़ी तालुका चिक्कोड़ी जिला बेलगांव कर्नाटक 590002
	मुनिश्री ज्ञानभूषण जी महाराज मुनिश्री हर्षेन्द्रसागर जी महाराज गणिनी आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी आर्यिका श्री सुरत्नमति माताजी आर्यिका श्री सुग्रीवमति माताजी आर्यिका श्री श्रद्धेयमति माताजी आर्यिका श्री सुभद्रामति माताजी आर्यिका श्री सुज्ञानश्री माताजी ऐलक श्री तत्त्वार्थसागर जी महाराज ऐलक श्री स्वस्तिसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री चैतन्यनंदी जी महाराज क्षुल्लिका श्री सुभिक्षमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुमैत्रीश्री माताजी	मुनिश्री अर्हद् बलीजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागर जी महाराज आचार्यश्री पार्श्वसागर जी महाराज आचार्य श्री धर्मसागरजी महाराज आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी आचार्य श्री बाहुबली महाराज जी आचार्य श्री वैराग्यनंदी महाराज जी आचार्य विशल्यसागरजी महाराज मुनि श्री समन्वयसागरजी महाराज आचार्य श्री कुमुदनंद जी महाराज आचार्य श्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्य श्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बीसपंथी कोठी सम्मेदशिखर जी मधुवन जिला गिरीडीह झारखंड 825329 8107341108 9108558103 क्रमशः पेज 23

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लिका श्री श्रमणमति माताजी क्षुल्लिका श्री चैतन्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री विमोहमति माताजी क्षुल्लिका सुश्री माताजी	आचार्य श्री श्रेयांसमति माताजी आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्य श्री निर्भयसागरजी महाराज आचार्य श्री सुज्ञानश्री महाराज	शेष पेज 22
	गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी आर्यिकाश्री महोत्सवमति माताजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री वरदत्तसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन जूना मंदिर प्रतापगढ़ राजस्थान 312605 79764287775
	क्षुल्लिकाश्री वृषभमति माताजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नादनी तह. शिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416102
(13)	**आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज** मुनिश्री सिद्धकीर्तिजी महाराज मुनिश्री श्रुतकीर्तिजी महाराज मुनिश्री शांतिकीर्ति जी महाराज आर्यिका श्री संयोगश्री माताजी आर्यिकाश्री पद्मश्री माताजी क्षुल्लिका सुशीलश्री माताजी क्षुल्लिका श्रेयसश्री माताजी क्षुल्लिका सुपद्ममति माताजी क्षुल्लिका चारित्र्यश्री माताजी क्षुल्लिका निकांक्षाश्री माताजी क्षुल्लिका सुयोगश्री माताजी क्षुल्लिका संयोगश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नवकार तीर्थ जैन नॉलेज सिटी मालखेनी चांदवा हाइवे नं.3 जिला नासिक महाराष्ट्र243117 9404006108 9420079319 राकेश : 9015967108 43वाँ
	मुनिश्री उत्कर्षकीर्तिजी महाराज मुनि श्री श्रुतधरनंदी जी महाराज आर्यिकाश्री आगममति माताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डूंगरपुर राजस्थान 314001
	मुनि श्री आर्षकीर्ति जी महाराज	आचार्य देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हिरणमगरी सेक्टर 5 प्रभातनगर उदयपुर राजस्थान 313001
	मुनिश्री सिद्धांतकीर्ति जी महाराज मुनिश्री शुभम्कीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुंबई महाराष्ट्र 400001
	मुनिश्री अनुपमकीर्ति जी महाराज	आचार्यश्री देवनंदी जी महाराज मो 9880386208	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कनकगिरि जिला चामराज नगर कर्नाटक 571128
	मुनिश्री पावनकीर्तिजी महाराज मुनिश्री अमरकीर्तिजी महाराज मुनिश्री अमोघकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवणबेलगोल जिला हासन कर्नाटक 573135
	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन सम्मेदशिखर गौतमगणधर टोंक शिखर जी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	*क्षुल्लिका सुविज्ञमति माताजी	आचार्य श्री सुविधीसागरजी महाराज	
	मुनिश्री दिव्यसागरजी महाराज	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज मो. 7618798577	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बसति पोस्ट पडगडी तालुका बेलतगड़ी जिला दक्षिण कन्नड़ कर्नाटक 574217
	*मुनिश्री अमितन्जयकीर्तिजी महाराज *क्षुल्लकश्री सुदर्शनसागरजी महाराज *क्षुल्लकश्री सुविद्यानंदीजी महाराज	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री शिवसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
	मुनिश्री सकलकीर्तिजी महाराज क्षुल्लक अर्ककीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज मो. 9480613108	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीर्तिधाम क्षेत्र ऐडे निपानी तालुका बालवा जिला सागंली महाराष्ट्र 419403
	आर्यिका सम्यकश्री माताजी क्षुल्लिका विनयश्रीमाताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुंडया कर्नाटक 571401

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिका कांतिश्री माताजी आर्यिका स्वस्ति श्री माताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नरसिंह राजपुर जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416106
	आर्यिकाश्री सुज्ञानश्री माताजी आर्यिकाश्री प्रज्ञाश्री माताजी	आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मंडपेश्वर बोरीबली वेस्ट मुंबई 400092
	क्षुल्लिका सुलब्धिश्री माताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशयक्षेत्र गजपंथा जिला नासिक महाराष्ट्र 422004
(14)	**आचार्यश्री धर्मसेनजी महाराज** मुनिश्री वृषभसागर जी महाराज	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री धर्मसेन जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कवूनर जिला कोल्हापुर (महाराष्ट्र) 591315
(15)	**आचार्य सिद्धसेनजी महाराज**	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज 8073083764	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हलगा ता. बस्तवाड़ जिला बेलगांव कर्नाटक 590001
	आचार्य शांतिसेनजी महाराज मुनिश्री पार्श्वसेनजी महाराज आर्यिकाश्री अजितमति माताजी आर्यिकाश्री सुमतिमति माताजी आर्यिका श्री विशालमति माताजी आर्यिका श्री स्वर्णमति माताजी क्षुल्लिकाश्री जिनमति माताजी	आचार्यश्री देवसेनजी महाराज आचार्यश्रीबाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्रीबाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्रीबाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्रीबाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्रीबाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेड़वाल तालुका कागवाड़ जिला बेलगाव कर्नाटक 590001
	✻क्षुल्लकश्री मल्लिसेन जी महाराज	आचार्यश्री देवसेनजी महाराज	
(16)	**आचार्य जिनसेनजी महाराज**	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कागडोली तालुका हलगा जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 590020
(17)	**आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज** क्षुल्लक विमलेश्वजी महाराज	आचार्यश्री बाहुबलीजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ली जिला बेलगांव कर्नाटक 591111
	गणिनी आर्यिकाश्री मुक्तिलक्ष्मी माताजी आर्यिकाश्री निर्वाणलक्ष्मी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रूकणी तालुका जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416118
	गणिनी आर्यिका शांतिमति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पंढलपुर जिला सोलापुर महाराष्ट्र 143001
	गणिनी आर्यिका जिनदेवी माताजी क्षुल्लिका मंगलमती माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज विवेक अजमेरा 7700937786	श्री आदिनाथ बाहुबली दिगम्बर जैन त्रिमूर्तिमंदिर ओदनपुर बोरीबली पूर्व मुंबई 400066
	आर्यिकाश्री श्रुतदेवी माताजी आर्यिकाश्री सुज्ञानी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज मो. 9818324896	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सिद्धांत तीर्थ शिकोहपुर (उ.प्र.) 250611
	आर्यिका श्री धर्ममति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर समनेवाड़ी कर्नाटक 562109
	गणिनी आर्यिकाश्री धर्मेश्वरी माताजी आर्यिका श्री सुप्रभामति माताजी	आचार्यश्री अर्हंतबलिजी महाराज आचार्यश्री धर्मसेन जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर त्रिनगर दिल्ली 110035
(18)	**आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज** क्षुल्लकश्री ऋजुभूषण माताजी क्षुल्लिकाश्री ज्ञानगंगा माताजी क्षुल्लिका ज्ञानवर्षा माताजी क्षुल्लिका ज्ञानवाणी माताजी	आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फिरोजपुर झिरका हरियाणा 122104 भारती दीदी: 9654607811
(19)	**आचार्यश्री ज्ञेयसागरजी महाराज** मुनिश्री ज्ञातसागरजी महाराज मुनिश्री नियोगसागरजी महाराज क्षुल्लक सहजसागरजी महाराज	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन ज्ञानोदय तीर्थ मुरैना (म.प्र.) 476001 अनीता दीदी: 9399685919 ललीता दीदी: 9351834745
	आर्यिकाश्री कुमुदमति माताजी क्षुल्लिकाश्री ज्ञानमोति माताजी	आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणसागरजी	श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर बड़ागांव खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.)
	गणिनी आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी मो. 9350536021	आचार्य ज्ञानसागरजी महाराज मो. 7060665021	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ओल्ड ईदगाह आगरा 282001

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	✻क्षुल्लिकाश्री अक्षतमति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री अंतसमति माता जी क्षुल्लिकाश्री आप्तमति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महावीर भवन कम्पूरलश्कर मंदिर ग्वालियर (म.प्र.)
	क्षुल्लिका अर्हतमति माताजी क्षुल्लिका संस्कृतिभूषण माताजी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री स्वस्तिभूषण माताजी	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जहाजपुर जिला कोटा राजस्थान
(20)	**आचार्यश्री गुलाबभूषणजी महाराज**	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अरहंतगिरि तमिलनाडु 632301
(21)	**ऐलाचार्य त्रिलोकभूषणजी महाराज** गणिनी आर्यिका श्री दृष्टिभूषण माताजी त्रिलोक: 9012213920	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्रीविद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज मो. 8392841885	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र त्रिलोक तीर्थ धाम बड़ागांव तह. खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.)251201 नवीन भैया 7982979423
	आर्यिका श्री चंद्रमति माताजी	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चन्द्रांचल आश्रम बड़ागांव तह. खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.)
	गणिनी आर्यिका श्री मुक्तिभूषण माताजी गणिनी आर्यिका श्री अनुभूतिभूषण माताजी	आचार्यश्रीविद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचायश्रीविद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सरधना जिला मेरठ (उ.प्र.) 250001
	क्षुल्लक योगभूषण जी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ग्रेटर नोयडा (उ.प्र.) 110025
(22)	**ऐलाचार्यश्री प्रभावनाभूषणजी महाराज**	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज संतोष भैया: 9616167744	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कांदला जिला सामली (उ.प्र.) 247776
(23)	**आचार्य अतिवीरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र लाल मंदिर चांदनी चौक दिल्ली 110006
	उपाध्याय अभिनंदनसागरजी महाराज	आचार्यश्री पारससागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नासिक महाराष्ट्र
	गणिनी आर्यिकाश्री सरस्वतीभूषण माताजी क्षुल्लिका शांतिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचायश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पश्चिम विहार नई दिल्ली 110063 मो. 9810766554
	गणिनी आर्यिकाश्री सृष्टिभूषणमति माताजी क्षुल्लिका तृप्तिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुरादाबाद (उ.प्र.) 244001 मो. 9719012254
	गणिनी आर्यिकाश्री लक्ष्मीभूषणमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री स्वस्तिभूषणमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सर्वेन्दश्री माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सरस्वती भवन दिल्ली वाली धर्मशाला सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.) 475685
	क्षुल्लिका पूजाभूषण माताजी क्षुल्लिका भक्तिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचायश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र चौबीस समवशरण मंदिर सोनागिर जिला दतिया 475685 मो. 8799770070
(24)	**आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज** आर्यिकाश्री नम्रमति माताजी आर्यिकाश्री नूतनमती माताजी आर्यिकाश्री नयनमती माताजी आर्यिकाश्री नीतिमती माताजी आर्यिकाश्री नम्रमती माताजी क्षुल्लकश्री नमितसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री नमनमति माताजी क्षुल्लिकाश्री नयचक्रमती माताजी	गणधराचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नवग्रह तीर्थ बरूर जिला हुबली कर्नाटक 58009 मो. 9389400927 मो. 8669079894
	✻आर्यिकाश्री नवमति माताजी	आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज	
	✻क्षुल्लकश्री निर्वाणसागरजी महाराज	आचार्यश्री नेमिसागरजी महाराज	
(25)	**आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज** मुनिश्री विमलगुप्तसागर जी महाराज आर्यिकाश्री क्षमाश्री जी आर्यिकाश्री आस्थाश्री माताजी आर्यिकाश्री सुखदश्री माताजी क्षुल्लकश्री धर्मगुप्तजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन धर्मतीर्थ धर्मराज श्री तपोभूमि औरंगाबाद महाराष्ट्र 431001 मो. 7020577608 मो. 9766520299 क्रमश: पेज 26

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लकश्री शांतिगुप्तजी महाराज क्षुल्लिका धन्यश्री माताजी क्षुल्लिका तीर्थश्री माताजी	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	शेष पेज 25 कुल–9
	मुनिश्री सुयशगुप्तजी महाराज	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्रीरामपुर जिला औरंगाबाद महाराष्ट्र 413709
	मुनिश्री चन्द्रगुप्त जी महाराज	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लासूर जिला औरंगाबाद महाराष्ट्र 413512
	आर्यिकाश्री नमितमाताजी	आचार्यश्री गुप्तिनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बीजापुर कर्नाटक
(26)	**आचार्यश्री गिरनारसागरजी महाराज**	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज मो. 9305369306	श्री आदिनाथ बाहुबली त्रिमूर्ति मंदिर पोदनपुर टाटा पावर हाउस के पास बोरीबली पूर्व मुंबई 400066
(27)	**आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज** गणिनी आर्यिका आदित्यश्री माताजी आर्यिका दिशाश्री माताजी आर्यिका दीप्तिश्री माताजी आर्यिका नित्यश्री माताजी आर्यिका मैत्रीश्री माताजी	आचार्य श्री गुणनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज	श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पैठण संभाजी नगर औरंगाबाद महाराष्ट्र 431001 राकेश: 80855361008
(28)	**आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज** बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज क्षुल्लकश्री निर्मलनंदीजी महाराज	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज बालाचार्यश्री निपुणनंदी जी महाराज मनोरमा दीदी: 8696376131	श्री दिगम्बर जैन अग्रवाल सेवा सदन डिग्गी तालुका मालपुरा जिला टोंक राजस्थान 304502 विमल: 9667002492
	मुनिश्री निर्भयनंदी जी महाराज मुनिश्री मार्दवनंदी जी महाराज आर्यिका श्री शुद्धश्री माताजी आर्यिका श्री जयश्री माताजी क्षुल्लिका श्री संयमश्री माताजी	आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरि मेनवार जिला टोंक राजस्थान 322703
	✻मुनिश्री क्षमानंदीजी महाराज आर्यिकाश्री कनकनंदीश्री माताजी आर्यिकाश्री कमलश्री माताजी आर्यिकाश्री सुतिकाश्री माताजी	आचार्यश्री सुखनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज	
	✻आर्यिकाश्री कनकश्री माताजी क्षुल्लकश्री समकितसागरजीमहाराज	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री रयणसागरजी महाराज	
(29)	**आचार्यश्री जयसागरजी महाराज** आर्यिकाश्री पवित्रश्री माताजी आर्यिकाश्री पावनश्री माताजी क्षुल्लिका दिव्यश्री माताजी	आ.सन्मतिसागरजी म. (तपस्वी सम्राट) आचार्यश्री जयसागरजी महाराज आचार्यश्री जयसागरजी महाराज आचार्यश्री जयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेड़िया जिला पंचमहल गुजरात 251201 मो. 9909055505
(30)	**गणधराचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज** मुनिश्री शांतिनंदीजी महाराज मुनिश्री समंतभद्र जी महाराज मुनिश्री प्रभाचंदनंदी जी महाराज मुनिश्री श्रमणनंदी जी महाराज मुनि श्री अमरनंदी जी महाराज गणिनी आर्यिका क्षेमश्री माताजी आर्यिका श्री कीर्तिवाणी माताजी आर्यिकाश्री उद्धारमति माताजी आर्यिका श्री नयनमति माताजी आर्यिकाश्री कुसुमश्री माताजी आर्यिका श्री दर्शनश्री माताजी आर्यिकाश्री रिद्धिश्री माताजी आर्यिकाश्री सिद्धिश्री माताजी आर्यिकाश्री गुणश्री माताजी	आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री कुशागनंदी जी महाराज आचार्यश्री भरतसागर जी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामलिंग रोड़ दहेन श्रीनगर कुंथगिरि जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416123 ब्र. विमल भैया: 9922415108 ब्र अनुभव भैया : 9461055390 क्रमश: पेज 27

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लकश्री वर्धमाननंदी जी महाराज क्षुल्लकश्री शीतलनंदी जी महाराज क्षुल्लिकश्री सुविधाननंदी जी महाराज क्षुल्लिकाश्री चंद्रश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	शेष पेज 26
	गणिनी आर्यिकाश्री कुंदश्री माताजी आर्यिकाश्री पुण्यश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चिक्कोड़ी जिला बेलगांव कर्नाटक 590002
	गणिनी आर्यिका गुरुवाणी माताजी क्षुल्लिका	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अजित जी का बगीचा इचलकरंजी महाराष्ट्र 416115
	आर्यिकाश्री सुमतिश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आल्ते महाराष्ट्र
	गणिनी आर्यिका क्षमाश्री माताजी आर्यिकाश्री सुखदमति माताजी क्षुल्लिका काव्यश्री माताजी क्षुल्लिका निकांक्षाश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधीसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका क्षमाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन धर्मक्षेत्र कचनेर महाराष्ट्र 431007
	✻क्षुल्लक श्री अभिनंदननंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिका सुधर्मश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोल्हापुर महाराष्ट्र 416001
	✻आर्यिकाश्री मुक्तिमति माताजी आर्यिका श्री सुदीक्षाश्री माताजी क्षुल्लक श्री सुनिश्चय नंदी जी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री सौभाग्यमति माताजी आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
	✻मुनिश्री सच्चिदानंदजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
	✻मुनिश्री कीर्तिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विनयनंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
	मुनिश्री श्रुतधरनंदी जी महाराज क्षुल्लकश्री सुप्रभातसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री शशांकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डूंगरपुर राजस्थान 314001
(31)	**आचार्य श्री कर्मविजयनंदी जी महाराज** क्षुल्लक श्री सुविधि सागर जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गोरेगांव वेस्ट मुंबई 400001
	✻गणिनी आर्यिका सम्मेदशिखर माताजी क्षुल्लिका संयममति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज	
	✻आर्यिका चिन्मयश्री माताजी	आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज	
(32)	**आचार्यश्री निश्चयसागरजी महाराज**	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर निश्चयगिरि कर्नाटक 591109
(33)	**आचार्य श्री नवीनसागर जी महाराज**	आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज मो.9829147921,8503884360	श्री ऋषभदेव मंदिर दहेनीकला बगरू जयपुर राजस्थान 302001
(34)	**आचार्यश्री कुमुदनंदीजी महाराज** मुनिश्री सुधर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हिरणमगरी प्रभातनगर सेक्टर 5 उदयपुर राजस्थान 313001
(35)	**आचार्यश्री कंचनसागरजी महाराज**	आचार्यश्री कनकसागरजी महाराज मो. 9981223054	श्री महावीर कीर्तिस्तंभ लश्कर रोड़ भिण्ड (म.प्र.)
(36)	**आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज** मुनिश्री अध्यात्मनंदीजी महाराज मुनिश्री सुविज्ञसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सुवात्सल्यमति माताजी क्षुल्लिका सुविक्षमति माताजी क्षुल्लिका परागश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री भक्तिश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर योगेन्द्रगिरि सागवाडा जिला डूंगरपुर राजस्थान 314031 42वाँ
(37)	**आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज** मुनिश्री अजयऋषिजी महाराज मुनिश्री बाहुबलिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री दर्शनकीर्तिजी महाराज क्षुल्लकश्री अचलसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री विज्ञानमति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज आचार्यश्री विप्रणतसागरजी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुंबई

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(38)	**मुनि नयनसागर जी महाराज**	आचार्य श्री निर्मलसागर जी महाराज मो. 9412061126	श्री दिगम्बर जैन मंदिर निर्मलयातन नानोता सहारनपुर (उ.प्र.) 247001
	मुनिश्री धरसेनसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री नैगमसागरजी महाराज	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज ब्र. सुमत भैया: 9426717901	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र विश्वशांति निर्मलध्यान केन्द्र रूपायतन रोड़ भाव तलेटी गिरनार जी जिला जूनागढ़ सौराष्ट्र 362004
	क्षुल्लकश्री समर्पणसागरजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज मो. 9258058080	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर मांजरा देहरादून (उ.प्र.)
(39)	**आचार्यश्री मयंकसागरजी महाराज** मुनिश्री मनमितसागरजी महाराज मुनिश्री मोक्षसागरजी महाराज मुनिश्री अपर्णसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री नम्रसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री नम्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री अनंतमति माताजी क्षुल्लिका श्री धर्ममति माताजी	आचार्यश्री रयणसागरजी महाराज आचार्य मंयकसागरजी महाराज आचार्य श्री मयंकसागरजी महाराज आचार्य मंयकसागरजी महाराज आचार्यश्री मंयकसागरजी महाराज आचार्यश्री मंयकसागरजी महाराज आचार्य मंयकसागरजी महाराज आचार्य श्री मंयकसागर जी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर रिलायंस पेटोल पंप के पीछे पारस रोड दौड पूणे महाराष्ट्र 411001 ब्र. नितिन 9766798667 9822056066
(40)	**आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज** आर्यिकाश्री विरागमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र उमटा गुजरात
(41)	**आचार्य निर्भयसागरजी महाराज** मुनिश्री शिवदत्तसागरजी महाराज मुनि श्री हेमदत्त सागर जी महाराज एलकश्री मेघदत्तसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री धर्मदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री हिमदत्तसागर जी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एफ 1 ए, सेक्टर 50 नोयडा (उ.प्र.) 110025 भैयाजी: 8989045590
	✻क्षुल्लक विभद्रसागर जी महाराज क्षुल्लक सुभद्रसागर जी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	
	मुनि श्री गुरुदत्तसागर जी महाराज मुनिश्री भूदत्तसागरजी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शिरसागंज जिला फिरोजाबाद(उ.प्र)283203 नवीन जैन: 9837177961
	मुनिश्री सौम्यदत्तसागरजी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज मो. 7652024384	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र अम्बाला मंदिर नं. 27 सोनागिरि जिला दतिया (म.प्र.) 475685
	मुनिश्री सूदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री चंद्रदत्तसागरजी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अंकुर कॉलोनी मकरोनिया सागर (म.प्र.) 470004 सुनिल 9993157498
(42)	**आचार्य नमोस्तु सागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुण्यस्थली मुरादनगर (उ.प्र.) 201206
(43)	**आचार्यश्री नेमिसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दंडकारण्य जिला सांगली महाराष्ट्र 416406
(44)	**आचार्यश्री निरंजनसागर महाराज** मुनिश्री अजितसेन जी महाराज मुनिश्री दिव्यसेन जी महाराज मुनिश्री परमसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सिद्धार्थमति माताजी आर्यिका श्री अनुसारमति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज मुनिश्री जिनसेन जी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन बीसपंथी कोठी सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825108
(45)	**आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज** आर्यिकाश्री पुण्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री प्रभुमति माताजी	आचार्यश्री कुशाग्रनंदी जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ऋषितीर्थ डकाच्या इंदौर (म.प्र.)452001 दिलिप जैन 9009101008
	मुनिश्री प्रभातचंद्र जी महाराज आर्यिकाश्री पूज्यमति माताजी	आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज इंदरचंद 9425091902	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जैन बोर्डिंग फ्रीगंज उज्जैन (म.प्र.) 456001

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(46)	**आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज** मुनिश्री तात्पर्यनंदी जी महाराज मुनिश्री तत्वार्थनंदी जी महाराज आर्यिका श्री पावनश्री माताजी आर्यिकाश्री पवित्रश्री माताजी आर्यिका श्री व्याख्या श्री माताजी आर्यिका श्री वार्तिक श्री माताजी क्षुल्लिकाश्री कुन्दनश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महारा आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सागवडे कर्नाटक 577401 41वाँ पं. महीपाल 9324348191
	✻आर्यिकाश्री विजयश्री माताजी आर्यिकाश्री धैर्यश्री माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज	
(47)	**आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभावसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभातसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर लातुर महाराष्ट्र 413512 9158371008
(48)	**गणाचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रभावसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री पर्वसागरजी महाराज क्षुल्लिका प्रशांतश्री माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर प्रेमपुरी मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) 251001 48वाँ
(49)	**आचार्यप्रज्ञासागरजी महाराज** मुनिश्री शांतितीर्थ जी महाराज मुनिश्री प्रियतीर्थजी महाराज आर्यिका श्री पूर्णमति माताजी आर्यिका श्री पवित्रमति माताजी क्षुल्लक पूज्यसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री पूर्णतीर्थसागरजी महाराज क्षुल्लिका शांतप्रज्ञाश्री माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन तीर्थ पुष्पगिरि सोनकच्छ जिला देवास (म.प्र.) 455001 संघ: 7676910521 मीना दीदी: 9753033007
	क्षुल्लक श्री प्रमेयसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवणबेलगोल जिला हासन कर्नाटक
(50)	**आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज** मुनिश्री पियूषसागरजी महाराज मुनिश्री आप्तप्रमत्तसागरजी महाराज मुनि श्री पर्वसागर जी महाराज मुनिश्री परिमलसागरजी महाराज आर्यिकाश्री ज्ञानप्रभा माताजी आर्यिकाश्री चारित्रप्रभा माताजी आर्यिकाश्री पुण्यप्रभा माताजी क्षुल्लकश्री सहजसागर वर्णी महाराज क्षुल्लकश्री नैगमसागर वर्णी महाराज क्षुल्लकश्री अर्घसागर वर्णी महाराज क्षुल्लिका दर्शनप्रभा माताजी क्षुल्लिका वचनप्रभा माताजी क्षुल्लिकाश्री धर्मप्रभा माताजी क्षुल्लिका श्री व्रतप्रभा माताजी क्षुल्लिका श्री तपप्रभा माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुंजवन उदगांव महाराष्ट्र 416101 मो .7019129473 मो. 8319019904 कुल–16 तरूण भैया: 9424425522 34वाँ
(51)	**आचार्य अरुणसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज 34 वाँ	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फरीदाबाद हरियाणा 101213
(52)	**आचार्यश्री सौरभसागरजी महाराज** मो. 8401938379	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज मो. 9414054571	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 8 प्रतापनगर जयपुर302033
(53)	**आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रणीतसागरजी महाराज मुनिश्री पुलकितसागरजी महाराज मुनिश्री प्रमुदितसागरजी महाराज मुनिश्री पुर्वांगसागरजी महाराज एलकश्री प्रशमितसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जिनशरणम मुंबई शिरिष जैन 9827055123

संस्कार सागर 8989505108

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(54)	**आचार्य प्रमुखसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रभाकरसागरजी महाराज आर्यिका प्रतिज्ञाश्री माताजी आर्यिका प्रीतिश्री माताजी आर्यिका प्रेक्षाश्री माताजी आर्यिका परीक्षाश्री माताजी क्षुल्लकश्री प्रगुणसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री परमानंदसागरजी क्षुल्लिका आराधनाश्री माताजी क्षुल्लिका परमाराध्याश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री परमसाध्या माताजी क्षुल्लिकाश्री परमशांता माताजी क्षुल्लिका श्री परमदिव्या माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुवाहटी असम 781001 मो. 7818806075 मो. 9435112077 22 वाँ
(55)	**आचार्यश्री प्रणामसागरजी महाराज** क्षुल्लकश्री प्रथमसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रणामसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पंचायत रोड़ अंधेरी ईस्ट मुंबई 400069
(56)	**आचार्य प्रबलसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज मो. 7588711766	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी जिला सटाणा महाराष्ट्र 415001
	मुनिश्री प्रतीकसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भिण्ड (म.प्र.)
	मुनि प्रगल्भसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एस.एल वर्धमान जैन गोडे चन्द्रगुप्त रोड़ संगम सिनेमा के सामने मैसूर कर्नाटक 570001
	मुनिश्री प्रसंगसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुलबर्गा कर्नाटक
	मुनिश्री प्रार्थनासागरजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज कपिल: 7389346146	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी जिला सवाईमाधोपुर राजस्थान 322001
(57)	**आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज** बालाचार्यश्री मोक्षसागरजी महाराज मुनिश्री समयसागरजी महाराज आर्यिका चैत्यमति माताजी आर्यिका चेतनमति माताजी	आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्य श्री कुमुदनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र त्रियोग आश्रम मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 मो. 8780369409 57 वाँ
(58)	**आचार्य विप्रणतसागर जी महाराज** मुनि प्रमेयसागरजी महाराज मुनिश्री प्रज्ञेयसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभासागरजी महाराज क्षुल्लक श्रुतसागर जी महाराज क्षुल्लक सौहार्दसागरजी महाराज	आचार्यश्री विवेकसागर जी महाराज आचार्यश्री विप्रणतसागर जी महाराज आचार्यश्री विप्रणतसागर जी महाराज आचार्यश्री विप्रणतसागर जी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज आचार्य सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सुमतिसागर त्यागीव्रती आश्रम मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 महेश 7739164151
(59)	**आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज** **आचार्य सुरत्नसागरजी महाराज** मुनिश्री सुतीर्थसागरजी महाराज मुनिश्री एकत्वसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुमार्गश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुआर्याश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री अश्रेष्ठमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सूर्यनगर गाजियाबाद (उ.प्र.) 110093 मो. 8218728272 मो. 8103280143
	क्षुल्लिकाश्री सुअचेष्टमति श्री माताजी	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज मो. 7500404018	श्री महामृत्युजंयतीर्थ एल.एच 92 चंबल तट उदी जिला इटावा (उ.प्र.)
(60)	**आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज** मुनिश्री शिवसागरजी महाराज मुनिश्री सुखसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धर्मगिरी बाटेगांव जिला सतारा महाराष्ट्र 415001 मो. 9404407823 मो. 9890490832
	निर्यापक श्रमण मुनि श्री धर्मसागर जी महाराज निर्यापक श्रमण मुनिश्री विद्यासागरजी महाराज मुनि श्री गुणसागर जी महाराज मुनिश्री आगमसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शिरगुप्पी बेलगांव कर्नाटक 591242 मो. 9886564906 प्रमोद: 6361702524

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	निर्यापक श्रमण सिद्धांतसागर जी महाराज मुनिश्री नमिसागरजी महाराज मुनिश्री सुप्रभसागर जी महाराज	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज मो. 9370498894	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैन बोर्डिंग इंचलकरंजी ता. हथकलंगे जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416115 मो. 9527721008
	मुनिश्री पावनसागरजी महाराज मुनिश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज दक्षिण आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज दक्षिण मो. 7057424108	श्री दिगम्बर जैन मंदिर येलगुड ता. हथकलंगे जि. कोल्हापुर महाराष्ट्र मो.9420238417
	मुनि श्री स्वभावसागर जी महाराज मुनिश्री सुधर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज मो. 9538656436	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चांदशिरवाड़ तालुका चिक्कोड़ी जिला बेलगांव कर्नाटक मो.9535719288
	मुनि श्री पार्श्वसागरजी महाराज मुनिश्री नेमिसागरजी महाराज मुनिश्री निर्लोभसागरजी महाराज	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेडग तालुका मिरज जिला सांगली महाराष्ट्र मो.7489411008 मो. 9860961009
	मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज मुनिश्री अजयसागर जी महाराज मो. 9343436108	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज मो. 9448493947	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सदलगा तालुका चिक्कोड़ी जिला बेलगांव कर्नाटक मो. 9449650618
	मुनिश्री अजितसागरजी महाराज मुनि श्री श्रुतसागर जी महाराज	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर साहूनगर जयसिंहपुर जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
	मुनि श्री निर्भयसागर जी महाराज मुनिश्री सिद्धसागरजी महाराज मो. 7875846301	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज मो. 9850141008	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गणेशवाड़ी ता. शिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र मो. 9420011016
	मुनिश्री अविचलसागर जी महाराज मुनिश्री वृषभसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोटेसार ता. शिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
	मुनिश्री अभयसागर जी महाराज मुनिश्री शास्वतसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हेरले तालुका हथकलंगे जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
(61)	**आचार्य चन्द्रप्रभसागरजी महाराज** मुनि श्री सरलसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य चन्द्रप्रभ.सागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंथलगिरि महाराष्ट्र 413503
(62)	**आचार्य श्री कुलरत्नभूषण जी महाराज**	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज मो. 7996030737	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बोरगांव कर्नाटक 591216
(63)	**आचार्य श्री शीतलसागरजी महाराज** मुनि श्री प्रशमसागर जी महाराज मो. 8240951071	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज श्रद्धा दीदी 7070165124	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बरजैन मंदिर बडेल हुगली पश्चिम बंगाल 70057 मो. 8420048579
	मुनिश्री आदिसागरजी महाराज मुनिश्री निर्दोषसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवण बेलगोल जिला हासन कर्नाटक
	मुनि श्री विदेह सागर जी महाराज मुनिश्री अचलसागर जी महाराज	आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बालवा जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
	मुनिश्री वीरसागरजी महाराज	आचार्य सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	
	आर्यिकाश्री वात्सल्य मति माताजी आर्यिकाश्री सुव्रतमति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोथली महाराष्ट्र
	आर्यिकाश्री श्रुतमति माताजी आर्यिकाश्री समतामति माताजी	आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धारले कॉलोनी कोल्हापुर महाराष्ट्र
	आर्यिकाश्री स्नेहमति माताजी आर्यिकाश्री स्वभावमति माताजी	आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भौसे जिला सांगली महाराष्ट्र
	आर्यिकाश्री चंदनमति माताजी आर्यिकाश्री समिति मति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वस्तवाड़ जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
(64)	**आचार्यश्री सच्चिदानंदजी महाराज** मुनिश्री धैर्यनंदी जी महाराज	आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पौन्नूर जिला बेलगांव कर्नाटक 590001 मो. 9823191391

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(65)	**आचार्य सुवीरसागर जी महाराज** आर्यिका श्री सुपार्श्वमति माताजी क्षुल्लक श्री सुप्रयत्नसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री सुज्ञानश्री महाराज क्षुल्लिका श्री सुधैर्यमति माताजी	आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्य श्री सुवीरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुवीरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज	श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नागेय जैन समाज ग्रेटबाग रोड़ नाग नदी पुलिया नागपुर महाराष्ट्र 440001 मो. 9422147288
	✻ मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज	आचार्यश्री शिवसागरजी महाराज	
(66)	**आचार्यश्री सूर्यसागरजी अरगकर** क्षुल्लकश्री सुशांतसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुप्रभातमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनयमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भूतनाल बीजापुर कर्नाटक मो. 8218144626 मो. 8218126150
(67)	**आचार्यश्री सुरदेवसागरजी महाराज** आर्यिका केवल्यश्री माताजी क्षुल्लिका कर्तव्यश्री माताजी	आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्य श्री सुरदेवसागर जी महाराज आचार्य श्री सुरदेवसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन वर्धमान तीर्थ क्षेत्र आबू रोड़ सिसावा जिला शिरोही राजस्थान 307026
(68)	**आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज** मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज मुनिश्री संतोषसागरजी महाराज मुनिश्री सुलभसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री समतामति माताजी आर्यिकाश्री संस्कारमति माताजी आर्यिकाश्री सूर्यमति माताजी आर्यिकाश्री समर्थमति माताजी आर्यिकाश्री सक्षममति माताजी क्षुल्लकश्री श्रीफलसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सवेन्द्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री संवेगसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुयशमती माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनंदामति माताजी क्षुल्लिकाश्री सर्वेन्द्रमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गणधर तीर्थ बेला तह. पटेरा जिला दमोह (म.प्र.) 470772 मो. 9399158316 अंकित 9131504388 36वाँ
	✻क्षुल्लकश्री सुध्यातसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुद्बोहमसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
(69)	**आचार्यश्री समतासागरजी महाराज**	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज मो. 9828613614 मो. 9828661218	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सिद्धांत तीर्थधाम अतिशय क्षेत्र उपरगांव आसेला जिला डूंगरपुर राजस्थान 314001
(70)	**आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज** मुनिश्री शुभकीर्तिसागरजी महाराज मुनिश्री शुभबाहुबलीसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सौभाग्यमती माताजी आर्यिकाश्री शुभमती माताजी क्षुल्लकश्री शुभकामनासागरजी महाराज क्षुल्लक शुभलाभसागर जी महाराज क्षुल्लिका श्री शुभारंभमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुभाशीषमति माताजी क्षुल्लिका शुभमार्गमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जनकपुरी सी–2/ए दिल्ली 110046 मो. 9818156744 मो. 9810691106 मो. 9698325108 मो. 8860400545
(71)	**आचार्यश्री शशांकसागरजी महाराज** मुनि श्री संदेशसागर जी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ऋषभविहार दिल्ली 110092
	मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कर्नाटक
	मुनिश्री सुदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री नैगमसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ईसागढ़ जिला अशोकनगर (म.प्र.)
	आर्यिका श्री शंशाकमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नरावली जिला राजस्थान
	आर्यिकाश्री सरसमति माताजी आर्यिकाश्री सुबोधमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन पुण्योदय तीर्थ सिरसाड़ मुंबई 401303

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	गणिनी आर्यिकाश्री संगममति माताजी आर्यिका संयोगमती माताजी क्षुल्लिका श्री संम्पर्कमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुकौशलमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका संगममती माताजी गणिनी आर्यिका संगममती माताजी आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जिला मेहसाणा गुजरात 384001 मो. 7505721438
	गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी आर्यिका श्री शिक्षामति माताजी आर्यिकाश्री सक्षेपमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुव्रतामति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी णिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दुर्ग छत्तीसगढ़ 490006 मो. 7000344377 9302335632
	गणिनी आर्यिका सौहार्दमति माताजी क्षुल्लिकाश्री शुभभावनामति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रतलाम (म.प्र.) 457001
	आर्यिकाश्री सौरभमति माताजी आर्यिकाश्री सूक्ष्ममति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर जैन बोर्डिंग माणिकबाग विहार पूणे महाराष्ट्र 411051 सोनमः 9904450002
	आर्यिकाश्री सन्मतिमाताजी क्षुल्लिका बेलामति माताजी क्षुल्लिका तीर्थमति माताजी	आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री सन्मतिमतिजी गणिनी आर्यिकाश्री सन्मतिमतिजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुसद जिला वाशिम महाराष्ट्र
	क्षुल्लकश्री श्रुतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र शिखर जी
	क्षुल्लकश्री सोपानसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बिरगुप्पी कर्नाटक
	क्षुल्लिका संतोषमति माताजी क्षुल्लकश्री सुविधिसागरजी महाराज	आचार्य सिद्धांतसागर जी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन साधुव्रती आश्रम बड़ागांव खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.)250101
(72)	**आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज** गणिनी आर्यिकाश्री सुविधिमति माताजी आर्यिकाश्री सुस्नेहमतिजी आर्यिका श्री सुतीर्थमति माताजी आर्यिका श्री सुलक्षमति माताजी आर्यिका श्री सुलभ्यमति माताजी क्षुल्लिका सुध्येयमती माताजी क्षुल्लिकाश्री सुभषमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र अर्हन्तगिरि तिरूमलई तमिलनाडु 608801 मो. 7499731007 सतीश जैन 9944755221
	आर्यिका श्री सुयोगमति माताजी आर्यिकाश्री शरणमति माताजी आर्यिका श्री शीतलमति माताजी आर्यिका श्री सुप्रज्ञमति माताजी आर्यिका श्री सुदिव्यमति माताजी क्षुल्लक श्री सुसोम्यसागर जी महाराज क्षुल्लक श्री सुसिमसागरजी महाराज क्षुल्लिका सुगुणमती माताजी क्षुल्लिका सुपुण्यमती माताजी	आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर समनेवाड़ी तालुका चिक्कोड़ी जिला बेलगांव कर्नाटक 591201
	मुनि श्री सुवन्द्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज मो .7350736441	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नरवाली राजस्थान 327027
	आर्यिकाश्री सुनिधीमति माताजी आर्यिका श्री प्रशस्तमति माताजी	आचार्यश्री सुविधीसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डाल सलूम्बर राजस्थान मो. 9928157235
(73)	**आचार्यश्री संयमसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुहाना पानीपत हरियाणा
(74)	**बालाचार्य श्री सुव्रतसागर जी महाराज**	आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पिड़ावा राजस्थान 326034 मो. 9460122914
	✻आर्यिका कीर्तिश्री माताजी क्षुल्लिका सत्यमति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज	
(75)	**आचार्यश्री श्रेयसागरजी महाराज** मुनिश्री सहजसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका श्रेयमति माताजी आर्यिकाश्री श्रेष्ठमति माताजी	आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अंधेरी ईस्ट साकीनाका मुंबइ 400072

संस्कार सागर मोबाईल नं. 8989505108

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(76)	**आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज** मुनिश्री धर्मभूषण जी महाराज मुनिश्री सुकुमालसागरजी महाराज मुनिश्री सिद्धार्थसागरजी महाराज मुनि श्री श्रुतेशसागर जी महाराज मुनि श्री सर्वार्थसागर जी महाराज मुनिश्री सुध्यानसागरजी महाराज मुनि श्री समकितसागर जी महाराज मुनि श्री सम्पूज्यसागर जी महाराज मुनि श्री समप्रज्ञसागर जी महाराज मुनि श्री सप्रतिष्ठसागर जी महाराज मुनिश्री सुविवेकसागरजी महाराज मुनिश्री समप्रज्ञसागरजी महाराज मुनिश्री सुविशुद्धसागरजी महाराज मुनि श्री संकल्पसागर जी महाराज मुनि श्री सुदृढसागरजी महाराज मुनिश्री सुस्वरसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सुकालमति माताजी आर्यिकाश्री सुधर्ममति माताजी आर्यिकाश्री आदेयमति माताजी आर्यिकाश्री आराध्यमति माताजी आर्यिकाश्री आकाशमति माताजी आर्यिकाश्री अनगमति माताजी आर्यिकाश्री संयतमति माताजी आर्यिकाश्री संगीतमति माताजी आर्यिकाश्री सम्पूर्णमति माताजी आर्यिकाश्री सम्पन्नमति माताजी आर्यिकाश्री संबलमति माताजी आर्यिकाश्री अनुप्रेक्षामति माताजी एलकश्री सुप्रभातसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुमित्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विजयंतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुखदसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सत्वसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुनिश्चितसागरजी क्षुल्लकश्री सुप्रकाशसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री संतुष्ठसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री संतोषसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुविमलसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री अमोहमति माताजी क्षुल्लिकाश्री अटलमति माताजी क्षुल्लिकाश्री अजयमति माताजी क्षुल्लिका श्री शुद्धात्ममति माताजी क्षुल्लिकाश्री पद्ममति माताजी क्षुल्लिका सद्दृष्टमति माताजी क्षुल्लिकाश्री संदबोधमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सदव्रतमति माताजी क्षुल्लिका श्री सतपमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सम्भावमति माताजी क्षुल्लिकाश्री समरक्षमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सूरजमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुगंधमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुकृतमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुव्रतमति माताजी	आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनील

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिकाश्री अद्वैतमति माताजी आर्यिकाश्री सुप्रज्ञमति माताजी आर्यिका श्री अनर्घमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	शेष पेज 35
(77)	**आचार्यश्री सुन्दरसागरजी महाराज** मुनिश्री श्रेष्ठसागरजी महाराज आर्यिकाश्री विष्णुप्रभा माताजी आर्यिकाश्री सदयमति माताजी आर्यिकाश्री संस्कृतश्री माताजी आर्यिकाश्री सुकाव्यमति माताजी आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी आर्यिका सुरम्यमति माताजी आर्यिका शुद्धोहमश्री माताजी क्षुल्लक सुपुण्यसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुदर्शमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुधर्ममति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुधन्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुभव्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुतथ्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनम्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपथ्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री संकल्पमति माताजी	आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आर्यिकाश्री विजयप्रभा माताजी आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सुयशमति माताजी आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैन बोर्डिंग सागवाड़ा राजस्थान 314025 विकास भैया: 7007504708 उमंग भैया: 7568761949 ब्रजू भैया: 7906999288 कुल– 18 1 आचार्य, 1 मुनि, 7 आर्यिका 1 क्षुल्लक, 8 क्षुल्लिका
	मुनिश्री सम्बद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लुहारिया जिला बांसवाड़ा राजस्थान
(78)	**आचार्य सुयशसागरजी महाराज** मुनिश्री सुलभसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सम्वृत्तिमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनम्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री समाधिमति माताजी	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नातेपोते जिला सोलापुर महाराष्ट
	मुनिश्री सुहितसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भोपाल (म.प्र.)
	आर्यिकाश्री सुनयमति माताजी आर्यिकाश्री समयमति माताजी क्षुल्लक सुपर्वसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर परतापुर जिला बांसवाड़ा राजस्थान 327022
(79)	**आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज**	आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज मो. 9100044923	श्री ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर पॉकेट 1 मयूर विहार फेज 1 दिल्ली 110091
(80)	**आचार्यश्री सम्मानसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कानपुर (उ.प्र.)
(81)	**आचार्य सुबल सागर जी महाराज** मुनि श्री अकम्प सागर जी महाराज मुनिश्री अगण्यसागरजी महाराज मुनि श्री अभेद सागर जी महाराज मुनिश्री अगर्भसागरजी महाराज	आचार्य सन्मति सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबलसागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चंडीगण हरियाणा 271831 श्रीपाल भैया 8720099958 गुंजा दीदी: 8085615471
	मुनिश्री अचेलसागरजी महाराज	आचार्य सुबल सागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिरि जिला दतिया (म.प्र.)
	मुनि श्री अनंग सागर जी महाराज	आचार्य सुबल सागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन आदिनाथ चैत्यालय बताशा बाजार भिण्ड (म.प्र.) 477001
(82)	**आचार्यश्री तीर्थनंदीजी महाराज**	आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन कल्पवृक्ष तीर्थ फरदापुर टांडा जि. जलगांव महाराष्ट
	मुनि श्री भावनंदी जी महाराज मुनिश्री विशेषसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री पावनश्री माताजी आर्यिका श्री चिंतनश्री माताजी आर्यिकाश्री सुलोचनामति माताजी	आचार्य श्री तीर्थनंदी जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुसे गांव महाराष्ट

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिकाश्री सुनंदामति माताजी आर्यिका श्री सुबोधमति माताजी आर्यिकाश्री मोक्षमति माताजी क्षुल्लकश्री नमनसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुबाहुसागरजी महाराज आचार्य श्री सुबाहुसागरजी महाराज आचार्यश्री तीर्थनंदी जी महाराज आचार्यश्री तीर्थनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी तालुका सटाणा जि. नासिक महाराष्ट मो. 7588711766
(83)	**आचार्यश्री तन्मयसागरजी महाराज** मो. 9518646259	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मो. 9425072541	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तन्मोदय साधना केन्द्र मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(84)	***आचार्यश्री युधिष्ठिरसागरजी महाराज**	आचार्यश्री योगेन्द्रसागरजी महाराज	
(85)	***आचार्य यतिन्द्र सागर जी महाराज**	आचार्य श्री योगेन्द्र सागर जी महाराज	
	मुनिश्री यादवेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री संस्कारसागर जी महाराज आर्यिका युक्तिमति माताजी	आचार्य श्री योगेन्द्रसागरजी महाराज आचार्यश्री योगेन्द्रसागर जी महाराज आचार्य श्री योगेन्द्रसागर जी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जिला शाजापुर (म.प्र.) 465001 मो. 9425034265
(86)	**आचार्यश्री उदारसागरजी महाराज** एलक उत्साहसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री उपासनामति माताजी क्षुल्लिकाश्री उत्तीर्णमति माताजी क्षुल्लिकाश्री उदितमति माताजी	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तिलकगंज सागर (म.प्र.) 470003 मो. 9425095781 मो. 9826522439
	मुनिश्री उपशांतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री उपकारसागरजी महाराज	आचार्य उदारसागरजी महाराज मुनिश्री उपशांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेगमगंज जिला रायसेन (म.प्र.) 464881 मो. 8720011008
	मुनिश्री उत्कर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री उदारसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सागवाड़ा जिला डूंगरपुर राजस्थान 314025
(87)	**आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज** मुनिश्री चिन्मयसागरजी महाराज मुनिश्री हितेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभवसागरजी महाराज मुनिश्री चिंतनसागरजी महाराज मुनि श्री मुक्तिसागर जी महाराज मुनिश्री प्रबुद्धसागरजी महाराज मुनिश्री मुक्षुसागरजी महाराज आर्यिकाश्री शुभमति माताजी आर्यिकाश्री शीतलमति माताजी आर्यिकाश्री चैत्यमति माताजी आर्यिकाश्री वत्सलमति माताजी आर्यिकाश्री विलोकमती माताजी आर्यिकाश्री दिव्यांशुमति माताजी आर्यिकाश्री पूर्णिमामति माताजी आर्यिकाश्री मुदितमति माताजी आर्यिकाश्री विलक्षणमति माताजी आर्यिका श्री समर्पितमति माताजी आर्यिकाश्री निर्मुक्तमति माताजी आर्यिकाश्री विनम्रमति माताजी आर्यिकाश्री दर्शनामति माताजी आर्यिकाश्री देशनामति माताजी आर्यिका श्री महायशमति माताजी आर्यिकाश्री देवर्धिमति माताजी आर्यिकाश्री प्रणतमति माताजी आर्यिका श्री निर्मोहमति माताजी आर्यिका श्री पद्मयशमति माताजी आर्यिका श्री दिव्ययशमति माताजी क्षुल्लकश्री विशालसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री महोदयसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज आचार्यकल्प श्री श्रुतसागरजी महाराज आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन हूमड़ भवन उदयपुर राजस्थान 313001 पारस चित्तोडा 9460084487 गजेन्द्र 7024881823 राजेश पंचोलिया 9926065065 कुल 31 1 आचार्य, 8 मुनि, 20 आर्यिका 2 क्षुल्लक 55वाँ
	मुनिश्री अपूर्वसागरजी महाराज मुनिश्री अर्पितसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर फल्टन महाराष्ट 415522 ब्र. नमन 9960175319

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनिश्री क्षेमसागरजी महाराज मुनिश्री देवधरसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर भुज तालुका निपानी जि. बेलगाव कर्नाटक 591237 मो. 9008863733
	मुनिश्री अतिशयसागरजी महाराज मुनिश्री पद्मेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज मो. 9449383772	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर तालुका रायवार जिला बेलगाव कर्नाटक 591311
	मुनिश्री सुप्रभसागरजी महाराज मुनिश्री दर्शितसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिंगोली जिला नीमच (म.प्र.)
	आर्यिकाश्री निर्मलमती माताजी	आर्यिका सुपार्श्वमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन अतिशयक्षेत्र श्रवणबेल गोल जिला हासन कर्नाटक 825329
	आर्यिकाश्री ज्ञानमतिमाताजी	आचार्यश्री तपसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री चेतनामति माताजी आर्यिकाश्री विमुक्तमतिमाताजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सांमगांव तालुका कागल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416202 मो. 9822680889
	आर्यिका श्री देवयशमति माताजी आर्यिका श्री देवगममति माताजी	आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बावलबाड़ा जिला उदयपुर राजस्थान
	आर्यिकाश्री ज्योतिमती माताजी	आचार्य वर्धमानसागरजी महाराज गौरव पाटनी 9214330123	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मदनगंज किशनगढ़ राजस्थान 305801
	आर्यिका श्री सुभगमति माताजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज 9214330123	श्री दिगम्बर जैन सन्मति भवन उदयपुर राजस्थान 313001
(88)	**आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज**	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गलतगा कर्नाटक 591219
(89)	**आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पार्श्वसागरजी महाराज मो.9414434750	श्री दिगम्बर जैन कमलमंदिर गंभीर नदी के पास अतिशय क्षेत्र महावीरजी जिला करोली राजस्थान 322201
(90)	**आचार्यश्री विज्ञानभूषणजी महाराज** आचार्य पद आचार्य विमलसागरजी	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रघवरपुरा दिल्ली
(91)	**गणाचार्यश्री विरागसागरजी महाराज** स्थविर मुनिश्री विहितसागरजी महाराज गणधर मुनिश्री विवर्धनसागरजी महाराज मुनिश्री विश्ववीरसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वाक्षरसागर जी महाराज मुनि श्री विकौशलसागर जी महाराज मुनिश्री विश्वदक्षसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वधीरसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वभद्रसागर जी महाराज मुनिश्री विनियोगसागरजी महाराज मुनिश्री विसौम्यसागरजी महाराज मुनिश्री विवक्षितसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विशिष्टश्री माताजी आर्यिकाश्री विश्वासश्री माताजी आर्यिकाश्री वियोजनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विदितश्री माताजी आर्यिकाश्री विभक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विजितश्री माताजी आर्यिकाश्री विमोचनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विकुन्दनश्री माताजी आर्यिका श्री विजाज्ञासाश्री माताजी क्षुल्लकश्री विक्षोभसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वोतीर्णसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वतीर्णसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री विरोचनाश्री माताजी क्षुल्लिका विपदमाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विकण्ठश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विनीताश्री माताजी क्षुल्लिका विपथश्री माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रेंयास गिरि शिरा पहाड़ी तह सलेहा जिला पन्ना (म.प्र.)488333 मीना दीदी 9009462216 8209398815, 7048971967 6268319343 1 आचार्य, 1 स्थविर, 1 गणधर, 9 मुनि 1 गणिनी आर्यिका, 8 आर्यिका 3 क्षुल्लक, 5 क्षुल्लिका– कुल 29

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(92)	**आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज** मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज मुनिश्री अनुत्तरससागरजी महाराज मुनिश्री प्रणेयसागरजी महाराज मुनि श्री प्रणवसागरजी महाराज मुनिश्री सर्वार्थसागरजी महाराज मुनिश्री साम्यसागरजी महाराज मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज मुनि श्री सारस्वत सागर जी महाराज मुनि श्री संजयंतसागर जी महाराज मुनि श्री यशोधरसागर जी महाराज मुनि श्री यतीन्द्रसागर जी महाराज मुनि श्री निर्ग्रंथसागर जी महाराज मुनि श्री निसंगसागर जी महाराज मुनि श्री निर्विकल्पसागर जी महाराज मुनिश्री जयंदसागरजी महाराज मुनिश्री जितेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री जयंतसागरजी महाराज मुनिश्री सुभगसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ौत जिला बागपत (उ.प्र.) 250611 कुल – 19 1 आचार्य, 18 मुनि 32 वाँ
	मुनिश्री मनोज्ञसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वलोकेशसागरजी महाराज आर्यिका विश्वधर्मश्री माताजी	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन सम्मेद शिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज मुनिश्री साध्यसागरजी महाराज मुनि श्री संयतसागर जी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़नगर जिला उज्जैन (म.प्र.) 456771
	मुनिश्री सुप्रभ सागरजी महाराज मुनिश्री प्रणतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फ्रीगंज उज्जैन (म.प्र.) 456001
	मुनिश्री सुयशसागरजी महाराज मुनिश्री सदभावसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री श्रुतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सोऽहंसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर झुमरीतलैया जिला कोडरमा झारखंड 825409
	मुनिश्री अनुपम सागरजी महाराज मुनिश्री समत्वसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सहारनपुर उ.प्र. 247001
	मुनिश्री अरिजितसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नलवाड़ी आसाम
	मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज मुनिश्री अप्रमितसागरजी महाराज मुनिश्री सहजसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भीलवाड़ा राजस्थान 311001
	मुनिश्री आस्तिक्यसागरजी महाराज मुनिश्री सुकुलसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज मुनिश्री आस्तिक्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कटनी (म.प्र.) 483501
	मुनिश्री अराध्यसागरजी महाराज मुनिश्री सुहितसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पंचशील नगर भोपाल 462003
	मुनिश्री प्रणितसागरजी महाराज मुनि श्री निर्मोहसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गोंदिया महाराष्ट्र 441601
	मुनिश्री प्रणुतसागरजी महाराज मुनि श्री यत्नसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ोदरा गुजरात 390001
	मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज	
	मुनि श्री संकल्पसागर जी महाराज मुनि श्री सद्भावसागरजी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अजमेर राजस्थान 305001
	मुनि श्री साक्ष्यसागर जी महाराज मुनि श्री योग्यसागर जी महाराज मुनि श्री निवृत्तसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर छीपीटोला आगरा (उ.प्र.) 282001

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(93)	**आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज** (आचार्य पद आचार्य भरतसागरजी द्वारा मुनिश्री विशाल सागरजी महाराज आर्यिकाश्री भक्तिभारतीश्री क्षुल्लिका वात्सल्यभारतीश्री	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर मुन्नेलाल कागजी जैन धर्मशाला लखनऊ (उ.प्र.) 226004 मो .7007412427 सपनादीदीः 9829127533
(94)	**आचार्यश्री विभक्तसागरजी महाराज** क्षुल्लक श्री विरक्तसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गली नं. 12 कैलाश नगर दिल्ली 110031 मो. 8877172544
	क्षुल्लकश्री विगुणसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वमार्जवसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पोरसा जिला मुरैना (म.प्र) शुचि दीदीः 7970452051
(95)	**आचार्यश्री विबुद्धसागरजी महाराज**	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज मो. 9399519924	श्री माता त्रिशला अतिशय क्षेत्र उरवाई गेट ग्वालियर (म.प्र.) 474008
(96)	**आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज** मुनि श्री विभास्वरसागर जी महाराज मुनिश्री आचरणसागरजी महाराज मुनिश्री अध्ययनसागरजी महाराज मुनिश्री आवश्यकसागरजी महाराज मुनि श्री सिद्धात्मसागर जी महाराज मुनिश्री शुद्धोपयोगसागरजी महाराज मुनिश्री सुखसागरजी महाराज आर्यिका सिद्धश्री माताजी आर्यिका चर्याश्री माताजी क्षुल्लक श्री व्रतसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सफलसागरजी महाराज क्षुल्लिका ह्रीं श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ऋषभनगर गुलाबरा छिन्दवाड़ा (म.प्र.) 480001 अभिषेक : 7477061202 ब्र. ममता दीदी 7587101381 राजेन्द्र पाटोदी 8319488252 राजकुमारः 9407372784 कुल–13 1 आचार्य, 7 मुनि, 2 आर्यिका 2 क्षुल्लक, 1 क्षुल्लिका
	मुनि श्री प्रक्षालसागर जी महाराज मुनिश्री रत्नत्रयसागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन निवास जिला मंडला (म.प्र.)481885 विजय जैनः9907004251
	❊मुनिश्री परमार्थसागरजी महाराज	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	
	मुनि श्री शुद्धात्मसागर जी महाराज क्षुल्लक श्रीसिद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन छोटा मंदिर बड़ा बाजार पन्ना (म.प्र.) 488001 राकेश जैन 8827641579
	मुनि श्री शुद्धसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री अकम्पसागरजी महाराज	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज मुनिश्री शुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर निवाई टोंक राजस्थान मो. 9875215217
	आर्यिकाश्री अर्हंश्री माताजी आर्यिका संस्कृतश्री माताजी आर्यिका अर्हंनश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नसिया जी रेवाड़ी हरियाणा 123401 राखी दीदी 7974618401 पी.के. जैन 9812502062
	आर्यिकाश्री ओमश्री माताजी क्षुल्लिका अद्योमश्री माताजी क्षुल्लिका संस्तुतिश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज चाहत दीदीः 9799245280	श्री मल्लिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरड शाहपुर हिंगोली महाराष्ट्र 431705 तेजकुमार : 9011328932
	आर्यिकाश्री समितिश्री माताजी आर्यिकाश्री स्वाध्यायश्री माताजी क्षुल्लिका सामायिकश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री अजितनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र तेवरी कटनी (म.प्र.) 483440 ब्र. सविता दीदीः 7223003059
	क्षुल्लिका आराधनाश्री माताजी क्षुल्लिका रत्नत्रयश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज वीरेन्द्रः 9575503028	श्री दिगम्बर जैन चौबीसी वैद्य मंदिर टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001 गुड़िया दीदीः 799971722

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(97)	**आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज** मुनिश्री विचिंत्यसागरजी महाराज मुनिश्री विजेयसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वार्यसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वार्थसागरजी महाराज मुनिश्री विव्रतसागरजी महाराज मुनि श्री विशुभ्रसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वांकसागर जी महाराज मुनिश्री विश्वार्कसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वासागर जी महाराज मुनिश्री विगम्यसागर जी महाराज मुनिश्री विश्वग्यसागरजी महाराज आर्यिका श्री विद्ययांतश्री माताजी आर्यिकाश्री विमलान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विक्रान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विश्वान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विध्वान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विजयान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विभ्रान्तश्री माताजी आर्यिका श्री विनयान्तश्री माताजी आर्यिका श्री विजितान्तश्री माताजी क्षुल्लकश्री विश्वाभसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री विप्रान्तश्री माताजी क्षुल्लिका विदिक्षान्तश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जतारा जिला टीकमगढ़ (म.प्र.) 472118 प्रदीप जैन 9210833777 ऋषभ जैन अध्यक्ष 8368454592 24वाँ कुल– 24 1आचार्य, 11 मुनि, 9 आर्यिका 1 क्षुल्लक, 2 क्षुल्लिका
	मुनि श्री विधुवसागर जी महाराज मुनि श्री विशमसागर जी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन चौधरी मंदिर गढ़ाकोटा जिला सागर (म.प्र.) 470229 नीलेश जैनः 933030026
	मुनि श्री विश्वाक्षसागर जी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाजना जिला छतरपुर (म.प्र.) 471311
(98)	**आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज** मुनिश्री विजयेषसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वहर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मोदी जी की नसिया बड़ा गणपति के पास इंदौर 452002 रीना दीदीः 9818663765 8810609682, 9555726210
(99)	**आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज** मुनि श्री नेमीसागर जी महाराज मुनिश्री प्रांजलसागरजी महाराज मुनिश्री प्रवीरसागरजी महाराज मुनिश्री प्रत्यक्षसागरजी महाराज मुनिश्री प्रज्ञानसागरजी महाराज मुनिश्री अनंगसागरजी महाराज मुनिश्री प्रसिद्धसागरजी महाराज मुनिश्री प्रमेससागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री सुमतिसागर जी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ चैत्यालय मंदिर बतासा बाजार भिण्ड (म.प्र.) 477001 भीम जैनः 9926236600 ब्र. राहुलः 7225028739 1 आचार्य, 8 मुनि– कुल 9
	क्षुल्लकश्री प्रज्ञान्ससागरजी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मिठ्ठन मोहल्ला करनाल हरियाणा 132001
	❊मुनिश्री विश्वभानुसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
(100)	**उपाध्यायश्री आविशसागर जी महाराज**	आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मेघानीनगर अहमदाबाद 380016
	मुनिश्री अर्पणसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री निर्भीकसागरजी महारज	आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेताजी नगर मेघानी नगर अहमदाबाद गुजरात
	क्षुल्लकश्री प्रज्ञांशसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री यत्नकीर्ति जी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री कीर्तिसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मिठ्ठन मोहल्ला हरियाणा 132001 मो. 6263648915
	मुनिश्री वीरसागर जी महाराज मुनिश्री सोमदत्तसागरजी महाराज	आचार्य श्री कल्याणसागर जी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज पवन सेठ 6267574510	पं. सनत कुमार 975457927 अजित सेठ9977885621,
	मुनिश्री संस्कारसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वसूर्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मो. 9399810905	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ओबेदुल्लागंज जिला रायसेन (म.प्र.) 464993 मो. 9893326600

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	✻क्षुल्लकश्री विश्वमार्जवसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	✻आर्यिकाश्री समर्थश्री माताजी आर्यिकाश्री सार्थकश्री माताजी	आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज	
(101)	**आचार्य विनम्रसागरजी महाराज** मुनिश्री विज्ञसागरजी महाराज मुनिश्री विनुतसागरजी महाराज मुनि श्री विनन्दसागर जी महाराज मुनिश्री शुभसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वधीरसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वमित्रसागर जी महाराज आर्यिकाश्री विमलश्री माताजी आर्यिकाश्री विनेहश्री माताजी आर्यिकाश्री वितपश्री माताजी आर्यिकाश्री विशमश्री माताजी आर्यिकाश्री विपुलश्री माताजी आर्यिका श्री विमुदश्री माताजी आर्यिका श्री विभव्यश्री माताजी क्षुल्लक विभद्रसागरजी महाराज क्षुल्लिका विसर्वश्री माताजी क्षुल्लिका प्रमाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन हटा मंदिर ललितपुर (उ.प्र.) 284122 शंकर: 9414426947 संघ: 7999877637 कुल–17 1 आचार्य, 6 मुनि, 7 आर्यिका 1 क्षुल्लक, 2 क्षुल्लिका
	आर्यिका श्री विश्रेयश्री माताजी	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज प्रिंस 7891832767	श्री दिगम्बर जैन मंदिर राजाखेड़ा राजस्थान 328025
	मुनि श्री विनतसागर जी महाराज मुनिश्री विश्वकुन्दसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्य श्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बानपुर जिला ललितपुर (उ.प्र.) 284402
	मुनिश्री विनयसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीर्तिस्तंभ भिण्ड (म.प्र.) 477001
(102)	**आचार्य श्रीप्रज्ञसागरजी महाराज** (विकर्षसागर) मुनिश्री विनिबोधसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वर्धमान मार्ग लोधी कॉलोनी नई दिल्ली 110003 मो. 9582403008, 9810757513
	मुनि श्री प्रतिज्ञानंद जी महाराज	आचार्य श्री प्रज्ञसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गली नं. 2 कैलाशनगर दिल्ली 110031
(103)	**उपाध्याय विशोकसागर जी महाराज** मुनि श्री प्रथमानंद सागर जी महाराज क्षुल्लिकाश्री प्रयागमति माताजी	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर भोगल जंगपुरा नई दिल्ली 110014 मो. 9811277267
(104)	**उपाध्याय विनिश्चलसागरजी महाराज** मुनिश्री विनिशोधसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बकस्वाहा जिला छतरपुर (म.प्र.) 471318 मो. 9424345025
(105)	**उपाध्याय विश्रुतसागरजी महाराज** मुनिश्री निर्वेदसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नन्हे मंदिर दमोह (म.प्र.) 470661 गिरिश 9691803220
(106)	**उपाध्याय विहसंतसागरजी महाराज** मुनिश्री विश्वसाम्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर संस्कार वाटिका जवाहरगंज डबरा जिला ग्वालियर (म.प्र.) 475110 मो. 9827249003
(107)	**उपाध्याय विभंजनसागरजी महाराज** मुनिश्री विश्वज्ञेयसगरजी महाराज आर्यिकाश्री विनतमति माताजी क्षुल्लिका प्रभाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरहपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(108)	**उपाध्याय विकसंतसागरजी महाराज** मुनिश्री आचारसागरजी महाराज आर्यिकाश्री विजेताश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विजिताश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज	श्री दिगम्बर जैन बाजार मंदिर टीकमगढ़ (म.प्र) 472001 सुखदा भैया: 7000232844 मो. 7023075616
(109)	**उपाध्याय विरंजनसागर जी महाराज** मुनि श्री विश्वदृगसागर जी महाराज क्षुल्लिका विशीलाश्री माताजी क्षुल्लिका साधनाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिंघई मंदिर संतभवन शाहगढ़ जिला सागर (म.प्र.) 470339 जितेन्द्र: 9918938734 पद्म सेठ: 7869959403

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(110)	**प्रवर्तक मुनि श्री विश्वनायकसागर जी** मुनिश्री विश्वविदसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वभानुसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वहितसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वबंधुसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन विरागोदय तीर्थ धाम पथरिया जिला दमोह (म.प्र.)470666
	मुनिश्री विशेषसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मो. 9850174230	श्री दिगम्बर जैन बाहुबलि मंदिर पुसेगांव जिला हिंगोली महाराष्ट्र 431513
	मुनिश्री विदाम्बरसागरजी महाराज मुनिश्री प्रवरसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाहुबलि कॉलोनी ललितपुर 284403
	मुनिश्री विश्वाससागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मो. 8764939123	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बीसा नागदा सलुम्बर जिला बांसवाडा राजस्थान
	मुनिश्री विश्रांतसागरजी महाराज मुनिश्री विनिवेषसागरजी महाराज कैला श: 7000742361	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज राजेश: 9926295475	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र फलहोडी बड़ागांव धसान टीकमगढ़ (म.प्र.) 472010
	मुनिश्री विश्वविजयसागर जी महाराज	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज मो. 8918741077	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नयावास हाथरस (उ.प्र.) 204101
	क्षुल्लिकाश्री सुंदरमति माताजी	आर्यिकाश्री सकलमति माताजी	देशना दीदी : 6361357122
	✻मुनिश्री विश्वेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	✻मुनिश्री अनंगसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री दर्शनकीर्ति जी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री देवनंदी जी महाराज	
	✻क्षुल्लक विसौम्यसागर जी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	✻मुनिश्री विश्वदक्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागजी महाराज	
	मुनिश्री विशल्यसागरजी महाराज क्षुल्लक विसौम्यसागरजी महाराज क्षुल्लिका धवलश्रीमाताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मुनिश्री विशल्यसागरजी महाराज मुनिश्री विशल्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोतवाली चौक भागलपुर बिहार 812001 अलका दीदी: 9939559125
	✻मुनिश्री विनिशोधसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुभद्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री आदित्यसागरजी महाराज	
	मुनिश्री शुद्धात्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पन्ना (म.प्र.)
	गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी आर्यिकाश्री विपश्यनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विमुक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विदर्शनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विशुद्धिश्री माताजी आर्यिकाश्री विसिद्धिश्री माताजी आर्यिकाश्री विशुचिश्री माताजी आर्यिकाश्री विश्रुतिश्री माताजी आर्यिका समत्वश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विलोक्यश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विभक्तश्री माताजी क्षुल्लिका श्री साम्यश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी	श्री सुमतिनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय तेघरिया बी.आई.पी रोड़, दम–दम एयरपोर्ट कोलकाता 700052 दीपक पाटनी: 9830842694 गुड्डु: 9330102543 शिवा दीदी: 8890400834
	✻आर्यिकाश्री सौम्याश्री माताजी आर्यिकाश्री समताश्री माताजी		
	गणिनी आर्यिकाश्री विभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विनयश्री माताजी आर्यिका श्री सर्वश्री माताजी आर्यिका श्री शुभश्री माताजी आर्यिका श्री सिद्धिश्री माताजी आर्यिका श्री संयमश्री माताजी आर्यिका श्री साम्यश्री माताजी आर्यिका श्री समयश्री माताजी आर्यिकाश्री संकल्पश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री शीलश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वास्तु जिनालय अपर बाजार रांची (झारखंड)834001 स्वतंत्र भैया: 7000258622 पद्म छावडा: 9431115841 1 गणिनी आर्यिका, 8 आर्यिका 1 क्षुल्लिका– कुल 10

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी आर्यिकाश्री विद्वतश्री माताजी आर्यिकाश्री सुन्दनश्री माताजी आर्यिकाश्री सुवन्दनश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपर्वश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सुचन्दनश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धूलियान जिला मूर्सिदाबाद बंगाल ओमप्रकाश सेठी 9435145161 वीरेन्द्र कुमार मंत्री 9864092082 मो. 7897027034
	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञानश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञेव्याश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञापकश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञेयकश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट जिनालय विज्ञा तीर्थ गोन्सी निवाई राजस्थान निस्सू भैया: 9784727100 सुशील: 9414403265
	आर्यिकाश्री विदुषीश्री माताजी आर्यिकाश्री विनीतश्री माताजी आर्यिकाश्री विकम्पाश्री माताजी आर्यिकाश्री विरत श्री माताजी आर्यिकाश्री विरदश्री माताजी आर्यिकाश्री विनोद श्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विश्वासामश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन भवन धर्मशाला रोड़ किशनगंज बिहार विकास सेठी: 9608200370 संतोष पाटनी: 9430445170 अमित जैन: 9425145248
	आर्यिकाश्री विबोधश्री माताजी आर्यिकाश्री विवक्षाश्री माताजी आर्यिकाश्री विचछणा श्री माताजी आर्यिका श्री विदक्षणाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विभासाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विभूषणाश्री माताजी क्षुल्लिका विक्षमाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ा मलहरा जिला छतरपुर (म.प्र.) मो. 9425143904 मो. 9754384355
	आर्यिका विवित्तश्री माताजी आर्यिका श्री विप्रभाश्री माताजी आर्यिका सुव्रताश्री माताजी क्षुल्लिका विभूषणाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विश्वनेहाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंगल गिरि सागर (म.प्र.) जिनेन्द जैन: 9424458911 7987228432
	आर्यिका श्री विशाखाश्री माताजी	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज नरेन्द्र भैया: 8252825539	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि जिल छतरपुर (म.प्र.)
	आर्यिकाश्री विकक्षाश्री माताजी आर्यिका ज्ञाताश्री माताजी आर्यिका ज्ञायकश्री माताजी आर्यिका ज्ञप्तज्ञश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सवाईमाधोपुर राजस्थान
	आर्यिकाश्री विदक्षाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाहुबली कॉलोनी बांसवाडा राजस्थान
	आर्यिकाश्री विरम्याश्री माताजी आर्यिकाश्री विसंयोजनाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज राजेश: 9399355974	श्री नाभिनंदन दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर इटावा बीना जिला सागर (म.प्र.) बंटी 9039807680
	आर्यिकाश्री विकाम्याश्री माताजी आर्यिकाश्री विगुंजनश्री माताजी क्षुल्लिका विचिन्तनश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आर्यिका श्री विकाम्याश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लोहारिया तहसील गडी जिला बासवाडा राजस्थान मो. 9783846255
	आर्यिकाश्री विप्राश्री माताजी क्षुल्लिका विसुदृढ़श्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विज्ञप्तिमति माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भगवा जिला छतरपुर (म.प्र.)
	आर्यिकाश्री ज्ञेयश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विक्रमा माताजी	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मो. 9545280428	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन काष्ठासंघ मंदिर कारंजालाड जिला वाशिम महा. काजल दीदी: 9427733009
	आर्यिका श्री विदिताश्री माताजी आर्यिकाश्री विजिज्ञासामति माताजी आर्यिका श्री विनतिश्री माताजी आर्यिका विश्वनीता श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर बरायठा जिला सागर (म.प्र.) 470339 प्रीतेश: 9179833764 विमल: 9346652630

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लकश्री विश्वप्रभुसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मालथौन जिला सागर (म.प्र.)470441
	क्षुल्लकश्री विदेहसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरहपंथी कोठी सोनागिरि जिला दतिया (म.प्र.)
	क्षुल्लकश्री विश्वरक्षसागरजी महाराज	आचायश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मंदिर नं. 4 भिण्ड्वाला सोनागिरि जिला दतिया (म.प्र.)
	क्षुल्लिका विस्मिताश्री माताजी क्षुल्लिका विगम्याश्री माताजी विवेक: 9552281720	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज शशिकांत जैन: 9425011427	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि पोस्ट थपोडा तह. भैंसदेही जिला बैतूल 460220
	क्षुल्लिकाश्री आराधनाश्री माताजी क्षुल्लिका रत्नत्रयश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन वैद्य मंदिर टीकमगढ़ (म.प्र.)472001
(111)	**आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज** मुनिश्री वैराग्यसागरजी महाराज मुनिश्री अर्चितसागरजी महाराज एलकश्री विप्रमाणसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विदेहसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बीसपंथ नागोरी आम्नाय पंचायत छोटा धड़ा नसिया जी अजमेर राजस्थान 305001 सरीता दीदी 8878693806
	मुनिश्री आदर्शसागरजी महाराज आर्यिकाश्री स्वर्णमति माताजी आर्यिका श्री श्रेष्ठमति माताजी	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सुमतिसागर त्यागी व्रती आश्रम सोनागिरि जिला दतिया म.प्र. मो. 8619445828 मुन्ना: 9589224131
	आर्यिका विपुलमति माताजी आर्यिका विमुक्तमति माताजी	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चंदेरी जिला अशोकनगर (म.प्र.) अविनाश: 9009167555
	*क्षुल्लकश्री अरहंतसागरजी महाराज क्षुल्लिका विगुणमति जी माताजी गणिनी आर्यिकाश्री कीर्तिमति माताजी क्षुल्लक दिव्यरत्ननंदी जी महाराज क्षुल्लक हर्षसागर जी महाराज क्षुल्लिका आदिमति जी माताजी	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	
(112)	**आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज** एलकश्री अनंतसागरजी महाराज मो. 9928280813	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज मो. 9413678383	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर श्योपुर प्रतापनगर सांगानेर जयपुर राजस्थान 302009
	मुनि श्री अभिनंदनसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अम्बाला हरियाणा 133001
(113)	**आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज** मुनिश्री सौरभनंदीजी महाराज मुनिश्री संयमनंदीजी महाराज मुनिश्री श्रमणनंदीजी महाराज मुनि श्री श्रीनंदी जी महाराज मुनिश्री श्रीकारनंदीजी महाराज मुनिश्री वत्सनंदी जी महाराज मुनिश्री संवेगनंदी जी महाराज मुनिश्री विश्वलोकेशसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सिद्धांतमति माताजी गणिनी आर्यिका कमलश्री माताजी आर्यिकाश्री दिव्यश्री माताजी आर्यिकाश्री चिन्तनश्री माताजी आर्यिकाश्री जिनश्री माताजी आर्यिका कृतिकाश्री माताजी आर्यिका श्रुतिकाश्री माताजी आर्यिका श्रेयश्री माताजी आर्यिका श्री सम्यकश्री माताजी आर्यिकाश्री सोहमश्रीजी माताजी क्षुल्लकश्री संवरनंदी जी महाराज क्षुल्लिका श्री समताश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सोख्यश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सहजश्री माताजी क्षुल्लिका श्री साध्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री सर्वश्री माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जीमहाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धाचलम सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 दीदी 9784567576 1 आचार्य, 8 मुनि, 2 गणिनी आर्यिका 8 आर्यिका, 1 क्षुल्लक, 5 क्षुल्लिका कुल–25 34वाँ

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(114)	**आचार्य श्री भद्रबाहुसागरजी महाराज** मुनि श्री भरतेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विपुलसागरजी महाराज आचार्यश्री विपुलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाराबंकी उ.प्र. 225001 मो. 9450209002
(115)	**आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज** आचार्य पद आचार्यश्री विद्यानंदजी मुनिश्री निजानंदजी महाराज मुनिश्री संयमानंदजी महाराज मुनिश्री प्रज्ञानंदजी महाराज मुनिश्री शुभानंद जी महाराज मुनिश्री सम्पूर्णानंद जी महाराज क्षुल्लकश्री पूर्णानंदजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन आदिनाथ धाम लाल मंदिर फरीदाबाद हरियाणा 101213 मो. 9971709376 हिमांशु 9024182930 1आचार्य, 5 मुनि, 1 क्षुल्लक
	मुनिश्री सर्वानंदसागरजी महाराज मुनिश्री जिनानंदसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यानन्दजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मीरा मार्ग जयपुर राजस्थान 302016 मो. 9414783707
	✻मुनिश्री आत्मानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	
	मुनिश्री ज्ञानानंदसागरजी महाराज मुनिश्री सदानंद जी महाराज एलकश्री विवेकानंद जी महाराज क्षुल्लकश्री विजयानंद जी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज	श्री शांतिनाथ पंचायति असौड़ा बोर्डिंग हाउसिंग पश्चिम कचहरी मार्ग मेरठ मो. 9412203067 2मुनि, 1 एलक, 1 क्षुल्लक
	मुनिश्री नमिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अनंतसागरजी महाराज	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज मो. 9690042294	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जय शांति सागर निकेतन ग्राम मंडोला जिला गाजियाबाद (उ.प्र.) 201102
	मुनि श्री सहजानन्दसागर जी महाराज ऐलक श्री विज्ञानसागर जी महाराज	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर राम गली 60 फीट विश्वासनगर दिल्ली 110032 मो. 9315985104
	मुनिश्री श्रद्धानंदजी महाराज मुनिश्री पवित्रानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन पंचायति नसिया सूरज पोल गेट के पास ब्यावर राजस्थान मो. 9829279225
	मुनिश्री प्रतिज्ञानंद जी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कैलाश नगर गली नं. 2 दिल्ली 110031
	मुनिश्री शिवानंदजी महाराज मुनिश्री प्रशमानंदजी महाराज क्षुल्लकश्री पूर्णानन्द जी महाराज क्षुल्लकश्री सम्पुर्णानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मास्टर ब्लॉक शकरपुर दिल्ली 110092 प्राजंल 9870595115
	गणिनी आर्यिका गुरुनंदनी माताजी आर्यिकाश्री ब्रह्मनंदनी माताजी आर्यिकाश्री श्रीनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रबोधनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रकाम्यनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रभानंदनी माताजी क्षुल्लिकाश्री लघुनंदिनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सैला तमिलनाडु 636001 ब्र. संजय भैया: 8178070451 विमल पाटनी: 9362102273
	गणिनी आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी आर्यिका श्री वीरनंदिनीजी माताजी आर्यिकाश्री सुयोग्यनंदनी माताजी आर्यिका श्री श्रुतनंदिनी जी माताजी क्षुल्लिकाश्री शुद्धनंदिनी माताजी क्षुल्लिकाश्री शुभनंदिनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी गणिनी आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी	श्री वर्णी दिगम्बर जैन मंदिर मोराजी भवन बड़ा बाजार सागर (म.प्र.) 470002 रानू दीदी: 9340927261 कुल–6
	आर्यिका पद्मनंदनी माताजी क्षुल्लिका परमनंदनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पांडुक शिला गौतमपुरी ग्रीन पार्क दिल्ली रूपेश: 6265581640
	आर्यिकाश्री वर्धस्वनंदनी माताजी आर्यिकाश्री वर्चस्व नंदनी माताजी आर्यिकाश्री श्रेयनंदनी माताजी आर्यिकाश्री सुरम्यनंदनी माताजी आर्यिकाश्री यशोनंदनी माताजी आर्यिका श्री तीर्थनंदनी माताजी क्षुल्लिका पद्मनंदिनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ग्रीन पार्क दिल्ली 110016 राजेन्द्र जैन: 9811037149

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लक श्री विशंकसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री भरतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मुनिश्री उपशमसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कंपिल जी (उ.प्र.) सचिन: 8077681509
	✻क्षुल्लक श्री नित्यानंद जी महाराज	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	
	एलाचार्य **एलाचार्य विशुद्धसागरजी महाराज**	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बंगवासी हावडा कोलकाता पश्चिमबंगाल
(116)	उपाध्याय **उपाध्याय कीर्तिसागरजी महाराज**	आचार्यश्री कर्मविजयनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पर्वतनगर दहिसर ईस्ट मुंबई 400069
(117)	**उपाध्याय ऊर्जयंत सागरजी महाराज**	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पारसनाथ धाम खाटीधर नीलम सिनेमा के सामने आमेर जयपुर राजस्थान
(118)	**उपाध्याय श्री सुधर्मसागरजी महाराज** क्षुल्लकश्री सुविधिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुमित्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री निरागसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री हर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथसागरजी महाराज आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र निहारिका मधुवन सम्मेदशिखर जी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(119)	**उपाध्यायश्री दयाऋषि जी महाराज** मुनिश्री शैलनंदी जी महाराज **उपाध्याय श्री पुण्यनंदी जी महाराज**	आचार्यश्री कुशाग्रश्री महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नारोड़ा अहमदाबाद गुजरात 320008 श्री दिगम्बर जैन मंदिर राजस्थान
	मुनि मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनि श्री धैर्यसागरजी महाराज मुनिश्री अमोघसागरजी महाराज मुनिश्री अंतरंगसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर छिदामीलाल नसिया फिरोजाबाद (उ.प्र.)283203
	मुनिश्री अनुमानसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अविरलसागरजी महाराज	आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जेकमपुरा गुरु ग्राम हरियाणा 122001
	मुनिश्री भूतबलिसागरजी म. (ससंघ) मुनिश्री मौनसागरजी महाराज मुनिश्री मुनिसागरजी महाराज मुनिश्री मुक्तिसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सुसनेर जिला शाजापुर (म.प्र.) 465447 मुकेश शास्त्री: 9425935221 मो 8890415454
	मुनिश्री शिवसागरजी महाराज	आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जागृति एनक्लेव दिल्ली
	मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री महोत्सवसागरजी महाराज मुनिश्री उदितसागरजी महाराज मुनिश्री मुदितसागरजी महाराज मुनि श्री उत्सवसागर जी महाराज आर्यिकाश्री सौरभमति माताजी आर्यिकाश्री प्रमोदमति माताजी आर्यिकाश्री हर्षितमति माताजी आर्यिकाश्री पर्वमति माताजी आर्यिकाश्री उत्साहमति माताजी आर्यिकाश्री निर्णयमती माताजी आर्यिकाश्री निश्चयमती माताजी आर्यिकाश्री नियममती माताजी आर्यिकाश्री उपासनामती माताजी आर्यिकाश्री स्वर्णमति माताजी क्षुल्लकश्री ऐश्वर्यसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री पूर्णसागर जी महारा क्षुल्लिकाश्री स्वर्णमति माताजी क्षुल्लिकाश्री पूर्णिमामति जी	आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र विशाल धर्मशाला सोनागिरि जिला दतिया (म.प्र.) वीणा दीदी 8709124939 मो . 9508427989 कुल–19, 5 मुनि, 10 आर्यिका 2 क्षुल्लिक, 2 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	✻मुनिश्री हषेन्द्रसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सुरत्नमती माताजी आर्यिका श्री उदितमती माताजी आर्यिकाश्री उत्कर्षमती माताजी क्षुल्लिकाश्री उत्तममति माताजी	मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज	
	मुनिश्री स्वात्मनंदीजी महाराज दीपकः 9422372748	आचार्य आत्मनंदीजी महाराज मो. 8275381008	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शेन्दूरजना घाट ता. बरूड़ जिला अमरावती महाराष्ट्र–
	मुनिश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज प्रदीप बडजात्या 877033122	श्री दिगम्बर जैन 32 व्यंकटेश्वर नगर कासलीवाल जी का भवन इंदौर
	मुनिश्री रविनंदी जी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर बरकतनगर जयपुर राजस्थान 302015
	क्षुल्लकश्री सुज्ञानसागरजी महाराज	गणिनी अर्यिका शुभमती माताजी	
	✻मुनिश्री विद्याभूषणजी महाराज	आचार्यश्री अर्हंतबलि जी महाराज	
	✻मुनिश्री सुदर्शनसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	
	✻मुनिश्री चिन्मयनंदीजी महाराज मुनिश्री सरलसागरजी महाराज	आचार्यश्री कनकनंदी जी महाराज	
	✻मुनिश्री धैर्यनंदीजी महाराज आर्यिकाश्री सुखदमति माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिकाएँ गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी आर्यिकाश्री चंदनामति माताजी आर्यिकाश्री सुव्रतमती माताजी आर्यिकाश्री सुदृढ़मती माताजी आर्यिकाश्री स्वर्णमति माताजी आर्यिकाश्री मुदितमति माताजी आर्यिकाश्री भक्तिमति माताजी क्षुल्लकश्री प्रशांतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री जिनसागरजी महाराज	आचार्य वीरसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ी मूर्ति रायगंज अयोध्या जिला फैजाबाद (उ.प्र.) 222723 मो. 9520554138 मो. 9520554164
	आयिकाश्री विधाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज इंद्रकुमारः 9412782716	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र विद्याश्री संस्थान रामराज रोड़ हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404
	गणिनी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिकाश्री सुहितमति माताजी आर्यिका भावनामती माताजी आर्यिका सुगीतमती माताजी आर्यिका सुवेगमति माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुणा उदयपुर राजस्थान
	गणिनी आर्यिकाश्री सम्मेदशिखर माताजी आर्यिका श्री संयतश्री माताजी	आाचर्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मधुवन सम्मेदशिखर जी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	गणिनी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विजयप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विष्णुप्रभाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विनतप्रभा माताजी क्षुल्लिका श्री विजितप्रभा माताजी	गणिनी आर्यिका श्री विजयमति माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर टोडा रायसिंह जिला टोंक राजस्थान 304001पद्मचंदः 9928813601
	गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी	आचार्य श्री विमलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आचार्य विमल सागर परिसर टोंक रोड़ बोलवा जयपुर राजस्थान 302001
	✻आर्यिका श्री नमनप्रभा श्री माताजी आर्यिका श्री विनयप्रभा श्री माताजी	गणिनी आर्यिका श्री विजयमति माताजी आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	
	✻आर्यिका श्री चन्द्रमतिजी माताजी आर्यिका श्री दक्षमतिजी माताजी	आचार्य कल्प सन्मतिसागर जी महाराज आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	गणिनी आर्यिका विशुद्धमति माताजी आर्यिकाश्री विज्ञमती माताजी आर्यिकाश्री विशोर्यमती माताजी आर्यिकाश्री विजितमती माताजी आर्यिकाश्री विराटमती माताजी आर्यिकाश्री विकर्षमती माताजी आर्यिका श्री विलोचनमति माताजी आर्यिकाश्री विदर्शमति माताजी आर्यिका श्री सुफलमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विश्रुतमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विपुलमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मध्यलोक मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 9414031391
	गणिनी आर्यिकाश्री विशिष्टमति माताजी आर्यिकाश्री विभूषणमती माताजी आर्यिकाश्री विदितमती माताजी क्षुल्लिकाश्री विदूषीमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी, गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवण बेलगोला जिला हासन कर्नाटक 573135 मो. 7899448973
	✻आर्यिका श्री विप्रभमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	
	आर्यिकाश्री विशेषमती माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ज्योतिनगर जयपुर राजस्थान 302003
	गणिनी आर्यिकाश्री विजयमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शिवाजी पार्क अलवर राजस्थान 301001
	गणिनी आर्यिका यशस्विनी माताजी आर्यिकाश्री मनस्विनीमाताजी	आर्यिका स्याद्वादमतिजी माताजी गणिनी आर्यिका यशस्विनी माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गांधीनगर गुजरात 382016 मेहूल दोषीः 9924127382
	गणिनी आर्यिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी आर्यिकाश्री गिरनारमति माताजी आर्यिकाश्री भव्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री चित्तमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बगरू जयपुर राजस्थान 302001 मो. 9829250770
	क्षुल्लिकाश्री श्रेयांसमति माताजी क्षुल्लिका श्री पद्मति माताजी	गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्यामनगर जयपुर राजस्थान
	आर्यिका श्री नंदीश्वरमति माताजी	आचार्य श्री भरतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सामरलेक मो. 9828120001
	गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी	आचार्य सन्मतिसागरजी महाराज मो.9312470968	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर निर्माण एनक्लेव खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.) 250101
	✻गणिनी आर्यिकाश्री सुविश्वासमति माताजी आर्यिकाश्री नेमिमति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिका सुविवेकमती माताजी		
	आर्यिकाएँ आर्यिकाश्री आगममति माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर चितरी जिला डूंगरपुर राजस्थान 314001
	आर्यिका श्री गंभीरमति माताजी आर्यिका श्री गरिमामति माताजी आर्यिकाश्री रतनमति माताजी आर्यिकाश्री त्यागमति माताजी आर्यिकाश्री दयांशुमति माताजी आर्यिकाश्री विख्यातमति माताजी	आर्यिकाश्री सुपार्श्वमति माताजी आर्यिकाश्री सुपार्श्वमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डीमापुर नागालैंड 797103
	गणिनी आयिकाश्री सुभूषणमति माताजी आर्यिकाश्री सुआद्यमति माताजी आर्यिका श्री अंशभारती माताजी आर्यिकाश्री आर्षभारती माताजी आर्यिका श्री दक्षभारती माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी	श्री अजितनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शाहपुरा अहमदाबाद 320008 मो. 8347226000
	✻आर्यिकाश्री उद्धारमति माताजी ✻आर्यिकाश्री नंदीश्वरमति माताजी ✻आर्यिकाश्री धवलमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिकाश्री कुलभूषणमती माताजी	आचार्यश्री केशवनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अरहंतनगर औरगांबाद महाराष्ट
	आर्यिका श्री कीर्तिमति माताजी मो. 8660286720	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज मो.9164550948	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवण बेलगोल जिला हासन कर्नाटक 573135
	आर्यिकाश्री शिवमति माताजी आर्यिकाश्री निर्मलमती माताजी क्षुल्लिकाश्री अमरज्योति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सुपार्श्वमती माताजी आर्यिका श्री जिनवाणी माताजी	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवण बेलगोल जिला हासन कर्नाटक 573135
	✻आर्यिकाश्री निर्मलमति माताजी	आर्यिकश्री इन्दुमति माताजी	
	आर्यिकाश्री सक्षममती माताजी	आर्यिकाश्री सर्वज्ञश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीनी जिला कोल्हापुर महाराष्ट
	आर्यिकाश्री अजितमती माताजी	आचार्यश्री अर्हतबली महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुंभोज बाहुबली जिला कोल्हापूर महाराष्ट
	✻आर्यिकाश्री करूणामती माताजी	आचार्यश्री धर्मसेनजी महाराज	
	आर्यिकाश्री सुदृष्टिमति माताजी	आर्यिकाश्री श्रेयांसमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सुदामानगर इंदौर (म.प्र.) 452001
	आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी आर्यिका श्री सुबोधमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका आदिमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फागी जिला जयपुर राजस्थान 302001
	आर्यिकाश्री भाग्यमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज नेहा दीदी: 9660403861	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसिया जी आगरा (उ.प्र.) 223007
	आर्यिका कीर्तिश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री प्रज्ञाभारती जी	आचार्यश्री कुंथु सागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथु सागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन त्रिमूर्ति मंदिर कालानी नगर इंदौर 452001
	आर्यिकाश्री विमलमति माताजी		श्री वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर संतोषनगर गरियाबाद उदयपुर राज.
	एलक एलकश्री विजयभूषणजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लॉनी ब्लॉक चिरोड़ी रोड़ वंथला जिला गाजियाबाद 110093
	एलक श्री गौशलसागरजी महाराज	मुनिश्री सम्मेदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र उदयगिरि खंडगिरि पश्चिम बंगाल
	क्षुल्लक क्षुल्लक श्री तारणसागर जी महाराज क्षुल्लक श्री सुदर्शनसागर जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404
	क्षुल्लकश्री तपसागरजी महाराज	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र अजितनाथ मंदिर के पीछे सम्मेदशिखर मधुवन जिला गिरिडिह झारखंड 825329
	क्षुल्लिकाएँ क्षुल्लिका चंद्रमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज मो. 9427541210	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मानतुंग गिरि आमनखेड़ा धार(म.प्र.)
	क्षुल्लिका सरलमति माताजी	आचार्य सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र करगुंवा झांसी (उ.प्र.) 202124
	✻क्षुल्लिका विशुद्धमति माताजी क्षुल्लिका अमरज्योति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज गणिनी आर्यिका जिनवाणीमति माताजी	
	✻क्षुल्लिका वीरमति माताजी क्षुल्लिका सुशांतमति माताजी	आचार्यश्री अमृतसेन जी महाराज आचार्यश्री कनकनंदी महाराजजी	
	क्षुल्लिका कीर्तिमति माताजी	संजय:9837005427	श्री दिगम्बर जैन पंचायति मंदिर जैन नगर मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)
	क्षुल्लिकाश्री चारूश्री माताजी	आर्यिका क्षेमश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शांति मोहल्ला दिल्ली 110092
	क्षुल्लिकाश्री कुशलवाणी माताजी	आचार्यश्री कुशाग्रनंदी जी महाराज	

वर्ष 2004 से वर्ष 2023 तक साधनारत श्रमण श्रमणियों का सांख्यिकिय विश्लेषण

वर्ष	गणधर	गणाचार्य	आचार्य	बाला चार्य	ऐला चार्य	उपाध्याय	स्थविर	गणधर	प्रवर्तक	निर्यापक श्रमण	मुनिराज	गणिनी आर्यिकाएँ	आर्यिकाएँ	एलक	क्षुल्लक	क्षुल्लिकाएँ	योग
2004	–	–	55	1	1	14	–	–	–	–	336	10	358	33	101	72	982
2005	–	–	62	1	4	13	–	–	–	–	338	11	356	34	108	80	1008
2006	–	–	57	1	3	13	–	–	–	–	355	10	418	32	102	83	1075
2007	–	–	70	1	2	18	–	–	–	–	398	14	408	31	93	93	1129
2008	–	–	66	1	3	15	–	–	–	–	340	19	405	43	100	78	1070
2009	–	–	65	1	5	12	–	–	–	–	361	30	426	38	110	93	1141
2010	–	–	71	4	6	18	–	–	–	–	385	21	458	50	142	109	1266
2011	–	–	77	8	1	15	–	–	–	–	401	20	464	39	161	107	1295
2012	–	–	77	3	14	16	–	–	–	–	399	21	468	30	150	117	1295
2013	–	–	78	3	14	15	–	–	–	–	404	22	507	36	143	128	1350
2014	–	–	85	4	10	15	–	–	–	–	434	22	534	30	165	173	1472
2015	–	–	97	4	9	11	–	–	–	–	466	27	512	30	183	180	1519
2016	–	–	104	4	7	9	–	–	–	–	455	33	519	28	168	170	1497
2017	–	–	95	5	7	8	–	–	–	–	437	37	527	28	142	174	1460
2018	–	–	97	6	7	9	–	–	–	–	485	55	530	28	145	176	1538
2019	–	–	95	4	4	9	–	–	–	–	480	60	520	28	150	170	1520
2020	–	–	106	4	6	9	–	–	–	–	472	41	427	26	120	179	1391.
2021	–	–	101	5	4	7	–	–	–	–	484	45	510	27	148	190	152
2022	–	–	107	3	4	8	–	–	–	13	486	51	513	20	205	191	1601
2023	1	2	114	3	2	15	1	1	1	12	511	54	601	23	225	228	1794

संस्कार सागर सम्पर्क: 8989505108

दीक्षाएँ

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत दीक्षाएँ वर्ष 2022-2023

आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, मंगलवार, 12 जुलाई 2022, वी.नि.सं. 2548, विक्रम संवत 2079, से
(आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, रविवार, 02 जुलाई 2023, वी.नि.सं. 2549, विक्रम संवत् 2080, से
दौरान संपन्न दीक्षाएँ ज्ञात जानकारियों के आधार पर विवरण

क्र.	दीक्षा उपरांत नामकरण	दीक्षार्थी का नाम	दीक्षा दिनांक	दीक्षा स्थान	दीक्षा प्रदाता
01	क्षुल्लकश्री नम्रसागरजी	कस्तूरचंद जैन, गांधीनगर	02.08.2022	गांधीवाल, कचनेर	आचार्यश्री मंयकसागरजी
02	क्षुल्लिकाश्री नम्रमति माताजी		02.08.2022	गांधीवाल, कचनेर	आचार्यश्री मंयकसागरजी
03	क्षुल्लिकाश्री शांतिमति जी	श्रीमती घीसादेवी ठोलिया	04.08.2022	श्री महावीर जी	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
04	क्षुल्लिकाश्री शीलमति जी	श्रीमती भगवानी जयपुरिया	04.08.2022	श्री महावीर जी	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
05	क्षुल्लकश्री श्रीफलसागरजी	श्री छक्कीलाल जैन, बड़ागांव	04.08.2022	बड़ागाँव टीकमगढ़	आचार्य श्री विभवसागरजी
06	आर्यिका मोक्षश्री जी	ब्र. धुरीबाई फाटोद, मुंबई	04.08.2022	मांगीतुंगी नासिक	आचार्य श्री तीर्थनंदी जी
07	क्षुल्लकश्री एकत्वसागरजी	श्री भरत काला, मुंबई	04.08.2022	मधुवन झारखंड	मुनिश्री पुण्यसागरजी
08	क्षुल्लकश्री ऐश्वर्यसागरजी	श्रीपाल गंगवाल, महाराष्ट्र	04.08.2022	मधुवन झारखंड	मुनिश्री पुण्यसागरजी
09	मुनिश्री सुविवेकसागरजी	क्षुल्लक श्री संबद्धसागरजी	04.08.2022	जयपुर राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागर जी
10	मुनिश्री संप्रभसागरजी	क्षुल्लकश्री संप्रभसागरजी	04.08.2022	जयपुर राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागर जी
11	मुनिश्री विशुद्धसागरजी	ब्र. विनोद कुमार हूमड़, भीलवाड़ा	04.08.2022	जयपुर राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागर जी
12	ऐलक श्री सुप्रभासागरजी	ब्र. अनुभव भैया,सागर	04.08.2022	जयपुर राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागर जी
13	क्षुल्लकश्री सुप्रकाशसागरजी	ब्र. विकास भैया, ललितपुर	04.08.2022	जयपुर राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागर जी
14	मुनिश्री प्रमेयसगरजी	ऐलक श्री प्रमेयसागरजी	04.08.2022	मधुवन झारखंड	उपाध्याय श्री विप्रणतसगरजी
15	मुनिश्री प्रज्ञेयसागरजी	ब्र. दीपक भैया जी	04.08.2022	मधुवन झारखंड	उपाध्याय श्री विप्रणतसगरजी
16	मुनिश्री प्रभासागरजी	क्षुल्लकश्री अचलसागरजी	04.08.2022	मधुवन झारखंड	उपाध्याय श्री विप्रणतसगरजी
17	मुनिश्री सुखसागरजी	मुनिश्री परमार्थसागरजी	04.08.2022	बड़ागांव, धसान	आचार्य श्री विभवसागरजी
18	क्षुल्लकश्री सफलसागरजी	ब्र. छक्कीलाल जी, धसान	04.08.2022	बड़ागांव, धसान	आचार्यश्री विभवसागरजी
19	क्षुल्लिकाश्री नम्रमती जी	श्रीमती कान्ताबाई जैन, औरंगाबाद	08.08.2022	औरंगाबाद महाराष्ट्र	आचार्य श्री मयंकसागरजी
20	क्षुल्लिका श्री नम्रसागरजी	श्री कस्तूरचंद लुहाड़िया	08.08.2022	औरंगाबाद महाराष्ट्र	आचार्य श्री मयंकसागरजी
21	मुनिश्री एकत्वसागरजी	क्षुल्लकश्री एकत्वसागरजी	08.08.2022	मधुवन झारखंड	मुनिश्री पुण्यसागरजी
22	मुनिश्री शन्तिकीर्ति जी	ब्र. श्री घासीराम जी, सागर	14.08.2022	णमोकारतीर्थ महाराष्ट्र	आचार्यश्री देवनंदीजी
23	आर्यिका श्री सहयोगमतिजी	ब्र. श्री प्यानरीबाई जी, पैठण	14.08.2022	णमोकारतीर्थ महाराष्ट्र	आचार्यश्री देवनंदीजी
24	क्षुल्लिका श्री सुयोगमति जी	ब्र. शोभा कासलीवाल, लासलगांव	14.08.2022	णमोकारतीर्थ महाराष्ट्र	आचार्यश्री देवनंदीजी
25	क्षुल्लिका श्री सयोग्यमतिजी	ब्र. मनोरमा पाटोदी, बहिरगांव	14.08.2022	णमोकारतीर्थ महाराष्ट्र	आचार्यश्री देवनंदीजी
26	क्षुल्लकश्री श्रीफलसागरजी	श्री छोटेलाल जैन सतभैया,सागर	18.08.2022	बड़ागांव टीकमगढ़	आचार्य श्री विभवसागरजी
27	मुनि श्री प्रबुद्धसागरजी	श्री नरेन्द्र जी अखावत	29.08.2022	श्री महावीरजी राज.	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
28	आर्यिकाश्री प्रणतमति जी	श्री शांतिदेवी जी	29.08.2022	श्री महावीरजी राज.	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
29	मुनिश्री भूदत्तसागरजी	क्षुल्लकश्री भूदत्तसागरजी	29.08.2022	अलीगढ़ (उ.प्र.)	आचार्यश्री निर्भयसागरजी
30	क्षुल्लिका विचेतनश्री माताजी		02.09.2022	जबलपुर (म.प्र.)	आर्यिका विकाम्याश्री माताजी
31	आर्यिकाश्री सवित्रश्री जी	ब्र. श्री कनकमाला जी, महाराष्ट्र	30.09.2022	वैराग सोलापुर महा.	आचार्य श्री सुयशनंदी जी
32	क्षुल्लकश्री निर्वेगसागरजी	इंजी श्री श्रेय जैन, कोटा	02.10.2022	पन्ना (म.प्र.)	मुनि श्री विश्रुतसागरजी
33	क्षुल्लिकाश्री अहिंसामति जी	कांतादेवी, परसोला राजस्थान	02.10.2022	जयपुर राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
34	आर्यिका श्री संकल्पश्री जी	ब्र. श्री प्रभा (गोलू) दीदी	05.10.2022	झांसी (उ.प्र.)	गणिनी आर्यिका विभाश्री जी
35	आर्यिकाश्री निर्मोहमति जी	ब्र. साधना दीदी जी	05.10.2022	श्री महावीर, राजस्थान	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
36	आर्यिकाश्री विश्वनयशामति	ब्र. नेहादीदी जी	05.10.2022	श्री महावीर, राजस्थान	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
37	आर्यिकाश्री पद्ममयशामति जी	ब्र. दीप्ति दीदी	05.10.2022	श्री महावीर, राजस्थान	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
38	आर्यिका श्री दिव्ययशा जी	बा. ब्र. पूनम दीदी	05.10.2022	श्री महावीर, राजस्थान	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी

39	आर्यिकाश्री यादश्री माताजी	क्षुल्लिका रिद्धिमति माताजी	05.10.2022	दाहोद, गुजरात	आचार्यश्री चन्द्रसागरजी
40	मुनिश्री आगमसागरजी	ब्र. राजेन्द्र जैन, सांगली महाराष्ट्र	06.10.2022	बांटेगांव महाराष्ट्र	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
41	ऐलक श्री तत्त्वार्थसागरजी	क्षुल्लक सुभद्रसागरजी महाराज	06.10.2022	कोडरमा झारखंड	मुनिश्री विशल्यसागर जी
42	मुनिश्री अध्यात्मसागरजी	ब्र. चन्द्रकान्त बिहने	06.10.2022	बांटेगांव महाराष्ट्र	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
43	क्षुल्लकश्री विश्वतथ्यसागरजी	डॉ. के.सी.मलैया, पथरिया	14.10.2022	विरागोदय, पथरिया	आचार्य श्री विरागसागरजी
44	क्षुल्लिका श्री सत्यमति जी	श्रीमति हिम्मतदेवी, राजस्थान	14.10.2022	जयपुर राजस्थान	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
45	क्षुल्लकश्री धर्मदत्तजी	ब्र. नीरज भैया जी	30.10.2022	अलीगढ़ (उ.प्र.)	आचार्यश्री निर्भयसागरजी
46	मुनिश्री सम्पूर्णानंद जी	क्षुल्लकश्री सम्पूर्णानंद जी	02.11.2022	मुंबई महाराष्ट्र	आचार्यश्री वसुनंदी जी
47	मुनिश्री सुविमलसागरजी	क्षुल्लकश्री सुविमलसागरजी	02.11.2022	कचनेर महाराष्ट्र	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी
48	आर्यिकाश्री शीलमतिजी	क्षुल्लिकाश्री शीलमति जी	02.11.2023	श्री महावीर जी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
49	आर्यिकाश्री संकल्पमतिजी	कमला देवी	02.11.2023	श्री महावीर जी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
50	आर्यिका श्री मार्मिकमति जी	ब्र. मल्लिका दीदी, तमिलनाडु	03.11.2022	ईसरी, झारखंड	आचार्यश्री आर्जवसागरजी
51	मुनिश्री जयन्दसागरजी	ब्र. सौरभ भैया, महाराष्ट्र	06.11.2022	रायपुर छत्तीसगढ	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी
52	मुनिश्री जितेन्द्रसागरजी	ब्र. निखिल भैयाजी, छतरपुर	06.11.2022	रायपुर छत्तीसगढ	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी
53	मुनि श्री जयन्तसागरजी	ब्र. विशाल भैया, भिण्ड	06.11.2022	रायपुर छत्तीसगढ	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी
54	मुनिश्री सजगसागरजी	ब्र. संजय भैया, विदिशा	06.11.2022	ईसरी झारखंड	आचार्यश्री आर्जवसागरजी
55	क्षुल्लकश्री कमलसागरजी	ब्र. केवलचंद जी, इंदौर	06.11.2022	मुजफ्फरनगर	मुनिश्री मंगलानंद जी
56	मुनिश्री विश्वधीरसागरजी	ब्र. आदीश भैया, सहारनपुर	11.11.2022	सोनागिरि दतिया	आचार्यश्री विनम्रसागरजी
57	मुनि श्री विश्वमित्रसागरजी	ब्र. धीरज भैया कुंभराज, गुना	11.11.2022	सोनागिरि दतिया	आचार्यश्री विनम्रसागरजी
58	आर्यिकाश्री विभव्यमति जी	ब्र. सुनीता दीदी, सहारनुपर	11.11.2022	सोनागिरि दतिया	आचार्यश्री विनम्रसागरजी
59	क्षुल्लिका श्री विसर्वमति जी	ब्र. कपूरीदेवी, अम्बाह	11.11.2022	सोनागिरि दतिया	आचार्यश्री विनम्रसागरजी
60	मुनिश्री सुविमलसागरजी	क्षुल्लकश्री सुविमलसागरजी	11.11.2022	कचनेर महाराष्ट्र	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी
61	क्षुल्लिका श्री उचितमति जी	ब्र. भारती दीदी	24.11.2022	दमोह (म.प्र.)	आचार्यश्री उदारसगरजी
62	क्षुल्लिका श्री स्वतंत्रमति जी	ब्र. गुणमाला सेठी जी, दुर्ग	28.11.2022	मधुवन झारखंड	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
63	क्षुल्लिकाश्री स्वागतमति जी	ब्र. लीलाबाई जी, गुजरात	28.11.2022	मधुवन झारखंड	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
64	आर्यिका श्री स्वर्णमति जी	क्षुल्लिका श्री सुभक्तिमति जी	28.11.2022	मधुवन झारखंड	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
65	आर्यिका श्री स्वस्थमति जी	क्षुल्लिका श्री सुमुक्तिमति जी	28.11.2022	मधुवन झारखंड	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
66	आर्यिका श्री स्वयंभूति जी	क्षुल्लिका श्री सुविशद्धमति जी	28.11.2022	मधुवन झारखंड	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
67	आर्यिका श्री स्वराजमति जी	क्षुल्लिका सुराजमति जी	28.11.2022	मधुवन झारखंड	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
68	आर्यिका श्री स्वाध्यामति जी	क्षुल्लिका श्री सुईशानमतिजी	28.11.2022	मधुवन झारखंड	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमतिजी
69	आर्यिका श्री प्रतिज्ञाश्री जी	क्षुल्लिका प्रतिज्ञाश्री जी	28.11.2022	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रभावसागरजी
70	आर्यिका श्री प्रीतिश्री	क्षुल्लिका श्री प्रीति श्री	28.11.2022	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
71	आर्यिकाश्री परीक्षा श्री जी	क्षुल्लिका श्री परीक्षा श्री	28.11.2022	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
72	आर्यिका श्री प्रेक्षाश्री	क्षुल्लिका श्री प्रेज्ञा श्री	28.11.2022	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
73	क्षुल्लिकाश्री परमाराध्याश्री	ब्र. सुनीता दीदी, महाराष्ट्र	28.11.2022	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
74	क्षुल्लक श्री परमानंद सागरजी	ब्र. आनदं भैया, इटावा (उ.प्र.)	28.11.2022	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
75	क्षुल्लिका श्री परमसाध्या जी	ब्र. मिथलेश दीदी, इटावा	28.11.2022	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
76	क्षुल्लिकाश्री परमशान्ताश्री	ब्र. शांता दीदी, धूलिया महाराष्ट्र	28.11.2022	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
77	क्षुल्लिकाश्री परमदिव्याश्री	ब्र. मनोरमा दीदी, ग्वालियर	28.11.2022	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी
78	क्षुल्लकश्री आगमकीर्त्ति जी	ब्र. आगमइन्द जी, कर्नाटक	02.12.2022	श्रवणबेलगोला	भट्टारक चारूकीर्ति स्वामी जी
79	आर्यिका श्री चर्यामति जी	ब्र. सरिता दीदी	02.12.2022	किशनपुरा सागर	आचार्यश्री विभवसागरजी
80	क्षुल्लकश्री चरणसागरजी	ब्र. श्री अक्षय भैया, महाराष्ट्र	02.12.2022	किशनपुरा सागर	आचार्यश्री विभवसागरजी
81	क्षुल्लकश्री अनंतसागरजी	ब्र. वीरेन्द्र भैया, आगरा	04.12.2022	नगर, भरतपुर राज.	आचार्यश्री विनीतसागरजी
82	क्षुल्लक सोहमसागरजी	ब्र. महेन्द्र जैन, दुर्ग	06.12.2022	दुर्ग, छत्तीसगढ़	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी
83	मुनिश्री प्रसिद्धसागरजी	बा. ब्र. सोहित भैया	14.12.2022	टीकमगढ़ (म.प्र.)	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी

84	क्षुल्लकश्री प्रमेषसागरजी	ब्र. बाबूलाल जी	14.12.2022	टीकमगढ़ (म.प्र.)	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी
85	क्षुल्लिका प्रभाश्री माताजी	ब्र. सुधा जैन	14.12.2022	टीकमगढ़ (म.प्र.)	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी
86	क्षुल्लिका प्रमाश्री माताजी	ब्र. रश्मि जैन	14.12.2022	टीकमगढ़ (म.प्र.)	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी
87	मुनिश्री विश्वहर्षसागर जी	डॉ. श्री सरोज जैन, आगरा	18.12.2022	दिल्ली	आचार्य मुनिश्री विहर्षसागरजी
88	मुनिश्री दीप्तसागरजी	क्षुल्लकश्री दीप्तसागरजी	20.12.2022	बोली सवाईमाधेपुर	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
89	मुनिश्री उत्कृष्टसागरजी	ब्र. महावीर अष्टगे, कर्नाटक	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
90	क्षुल्लकश्री स्वागतसागरजी	ब्र.नीतेश भैया, बागीदौरा राज.	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
91	क्षुल्लकश्री आगतसागरजी	ब्र. यशपाल गोलू, दमोह (म.प्र.)	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
92	क्षुल्लकश्री भास्वतसागरजी	ब्र. सौरभ गोलू, जबलपुर (म.प्र.)	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
93	क्षुल्लकश्री स्वस्तिकसागर	ब्र. श्रमण लकी, दमोह (म.प्र.)	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
94	क्षुल्लकश्री भारतसागर जी	ब्र. सौरभ बम्बू, सिलवानी	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
95	क्षुल्लकश्री जागृतसागरजी	ब्र. शुभम भैया, सागर (म.प्र.)	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
96	क्षुल्लकश्री उद्यमसागरजी	ब्र. शैलेन्द्र शैलू, जबलपुर	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
97	क्षुल्लक श्री गरिष्ठसागरजी	ब्र. स्वतंत्र (बौद्धिक), बिहार	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
98	क्षुल्लक श्री आदरसागर जी	ब्र. संजयभैया,पटना बिहार	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
99	क्षुल्लकश्री समादरसागरजी	ब्र. किरीट भैया, खातेगांव	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
100	क्षुल्लकश्री चिद्रूपसागरजी	ब्र. अभिषेक भैया, नरसिंहपुर	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
101	क्षुल्लकश्री स्वरूपसागरजी	ब्र. पुनीत भैया, सागर (म.प्र.)	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
102	क्षुल्लकश्री सुभगसागरजी	ब्र. जयेश भैया, वर्धा महाराष्ट्र	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
103	क्षुल्लकश्री अनुनयसागरजी	ब्र. चन्द्रप्रकाशजी, ग्वालियर	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
104	क्षुल्लकश्री सविनयसागरजी	ब्र. मधुर भैया, गंजबासौदा	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
105	क्षुल्लकश्री समन्वयसागरजी	ब्र. विक्रांत भैया, जबलपुर	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
106	क्षुल्लकश्री हीरकसागरजी	ब्र.विक्रम भैया, जबलपुर	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
107	क्षुल्लकश्री निर्धूमसागरजी	ब्र. विजेन्द्र भैया, भोपाल	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
108	क्षुल्लकश्री गौरवसागरजी	ब्र. जयन्त (गोल्डी) सहारनपुर	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
109	क्षुल्लकश्री वरिष्ठसागरजी	ब्र. खुशालभैया, पथरिया दमोह	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
110	क्षुल्लकश्री विदेहसागरजी	ब्र. रोहित भैया, बड़ौत बागपत	21.12.2022	शिरपुर वाशिम महा.	आचार्य श्री विद्यासागरजी
111	आर्यिकाश्री खुशांतमति जी	श्रीमति कनकमल गनोडिया, राज	22.12.2022	खमेरा बांसवाडा	आचार्यश्री सुंदरसागरजी
112	मुनिश्री सुभगसागरजी	ब्र. श्री पवनभैया	04.01.2023	चिचोली, बैतूल	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी
113	क्षुल्लिकाश्री शुभभावनामति	ब्र. हेमादीदी	26.01.2023	कचनेर महाराष्ट्र	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
114	आर्यिका पुण्यप्रभाजी	ब्र. बबीता दीदी	01.02.2023	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी
115	क्षुल्लकश्री सहजसागरजी	डॉ. सुशील जैन, मैनपुरी (उ.प्र.)	01.02.2023	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी
116	क्षुल्लिका श्री नैगमसागरजी	ब्र. प्रदीप जी	01.02.2023	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी
117	क्षुल्लिका श्री वचनप्रभाजी	ब्र. विमलदेवी जी	01.02.2023	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी
118	क्षुल्लकश्री अधर्मसागरजी	ब्र. विनोद जी	01.02.2023	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी
119	क्षुल्लिका धर्मप्रभाजी	ब्र. जागृति देवी जी	01.02.2023	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी
120	क्षुल्लिका व्रतप्रभाजी	ब्र. नन्दादेवी जी	01.02.2023	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी
121	क्षुल्लकाश्री	श्री ओमप्रकाशजिंद जी, कोटा	01.02.2023	मधुवन झारखंड	आचार्यश्री निपुणनंदीजी
122	क्षुल्लकश्री हिमदत्तसागरजी	ब्र. सुरेश भैया, इंदौर	05.02.2023	मेरठ (उ.प्र)	आचार्य श्री निर्भयसागरजी
123	मुनिश्री चरणसागरजी	क्षुल्लक श्री चरणसागरजी	07.02.2023	पथरिया (म.प्र.)	आचार्यश्री विभवसागरजी
124	आर्यिकाश्री सर्वश्रेष्ठमति जी	ब्र. रेखा दीदी, कोरवा	09.02.2023	बेलाजी दमोह म.प्र.	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी
125	आर्यिकाश्री शुद्धात्मश्री जी	श्री केसरबाई पहाड़े, मालेगांव	10.02.2023	णमोकारतीर्थ महाराष्ट्र	आचार्यश्री देवनंदी जी
126	आर्यिकाश्री पुरुषार्थश्री जी	क्षुल्लिका श्री पुरुषार्थश्री जी	10.02.2023	मोतीकटरा, आगरा	आचार्यश्री चैत्यसागरजी
127	क्षुल्लकश्री अरतिसागरजी	ब्र. जीत जैन, गांधीनगर गुजरात	10.02.2023	मोतीकटरा, आगरा	आचार्यश्री चैत्यसागरजी
128	मुनिश्री तत्त्वार्थनंदी जी	पं. महीपाल शाह, मुंबई महाराष्ट्र	10.02.2023	इचलकरंजी महाराष्ट्र	आचार्य श्री पद्मनंदी जी

129	मुनिश्री तात्पर्यनंदी जी	श्री राजकुमार जी गांधी	10.02.2023	इचलकरंजी महाराष्ट्र	आचार्य श्री पद्मनंदी जी
130	मुनिश्री मुमुक्षुसागरजी	श्री आदेश्वर पंचोली, राजस्थान	13.02.2023	किशनगढ़ राजस्थान	आचार्यश्री वर्द्धमानसागरजी
131	मुनिश्री विनियोगसागरजी	एलकश्री विनियोगसगरजी	13.02.2023	विरागोदय तीर्थ दमोह	आचार्यश्री विरागसागर जी
132	मुनिश्री विसौम्यसागरजी	क्षुल्लकश्री विसौम्यसागरजी	13.02.2023	विरागोदय तीर्थ दमोह	आचार्यश्री विरागसागर जी
133	मुनिश्री विवक्षितसागरजी	क्षुल्लकश्री विवक्षितसागरजी	13.02.2023	विरागोदय तीर्थ दमोह	आचार्यश्री विरागसागर जी
134	मुनिश्री विश्वसाम्यसागरजी	क्षुल्लकश्री विश्वसाम्यसागरजी	13.02.2023	विरागोदय तीर्थ दमोह	आचार्यश्री विरागसागर जी
135	मुनिश्री निर्वेगसागरजी	क्षुल्लकश्री निर्वेदसागरजी	13.02.2023	विरागोदय तीर्थ दमोह	उपाध्याय विश्रुतसागरजी
136	क्षुल्लकश्री विश्वकीणसागर	ब्र. कैलाशचंद जी, ब्रजपुर पन्ना	13.02.2023	विरागोदय तीर्थ दमोह	आचार्यश्री विरागसागर जी
137	क्षुल्लकश्री विश्वतीर्थसागर	ब्र. प्रकाशचंदजी, पथरिया दमोह	13.02.2023	विरागोदय तीर्थ दमोह	आचार्यश्री विरागसागर जी
138	क्षुल्लिकाश्री विपथश्री जी	ब्र. पुष्पादेवी , ब्रजपुर पन्ना	13.02.2023	विरागोदय तीर्थ दमोह	आचार्यश्री विरागसागर जी
139	क्षुल्लिका श्री विनिकेताश्री	ब्र. निकिता दीदी	13.02.2023	विरागोदय तीर्थ दमोह	आचार्यश्री विरागसागर जी
140	आर्यिका समत्वश्री माताजी	ब्र. विपिन दीदी	15.02.2023	कलकत्ता	गणिनी आर्यिका विशाश्री
141	क्षुल्लिका साम्यश्री माताजी	ब्र. सुरुचि दीदी	15.02.2023	कलकत्ता	गणिनी आर्यिका विशाश्री
142	क्षुल्लकश्री संकल्पसागरजी	ऋषभ जैन, जयपुर	22.02.2023	विराटनगर जयपुर	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
143	आर्यिका विश्वशांताश्री माता	क्षुल्लिका विश्वशांताश्री माताजी	06.03.2023		आचार्यश्री विरागसागरजी
144	आर्यिका विचेतनश्री माताजी	क्षुल्लिका विचेतनश्री माताजी	15.03.2023		आचार्यश्री विरागसागरजी
145	मुनिश्री सानंदसागरजी	डॉ. संजय भैया, गंजाबासौदा	03.04.2023	बड़ा फुहारा जबलपुर	आचार्यश्री आर्जवसागरजी
146	एलकश्री अनंतसागरजी	क्षुल्लक अनंतसागरजी	09.04.2023	कस्बा थाना, राज.	आचार्य विनीतसागरजी
147	क्षुल्लक श्री विजितसागरजी	ब्र. सुरेशचंद्र जैन, पालम दिल्ली	16.04.2023	महलका मेरठ (उ.प्र.)	आचार्यश्री विभक्तसागरजी
148	क्षुल्लकश्री सर्वार्थसागरजी	शशिकांत पाटनी, रूनवाल राज.	17.04.2023	उदयपुर राजस्थान	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
149	एलकश्री मेघदत्तसागरजी	ब्र. सुनील भैया जी	27.04.2023	ब्रदीनाथ उत्तराखंड	आचार्यश्री निर्भयसागरजी
150	क्षुल्लिका श्री पुष्पमति जी	पुष्पा बाई, छतरपुर	30.04.2023	छतरपुर (म.प्र.)	उपाध्याय श्री विरंजनसागरजी
151	क्षुल्लकश्रीजिनसागरजी	ब्र. जयकुमार गंगवाल, बैजापुर	02.05.2023	अयोध्या फैजाबाद	आर्यिका ज्ञानमति माताजी
152	क्षुल्लिका श्री वेदहश्री जी	श्रीमती कुसुम जैन, मुंगावली	06.05.2023	सागर (म.प्र.)	उपाध्यायश्री विकसंतसागरजी
153	आर्यिका श्री विदेहश्री जी	क्षुल्लिका श्री विदेहश्री जी	07.05.2023	सागर (म.प्र.)	उपाध्यायश्री विकसंतसागरजी
154	आर्यिका श्री सुभगमति जी	क्षुल्लिकाश्री शांतामति जी	15.05.2023	उदयपुर राजस्थान	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
155	क्षुल्लकश्री विश्वाभसागरजी		17.05.2023	जतारा	आचार्यश्री विहर्षसागरजी
156	मुनिश्री समत्वसागरजी	क्षुल्लकश्री समत्वसागरजी	18.05.2023	जागृति एनक्लेव दिल्ली	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
157	मुनिश्री विश्वाभसागरजी	क्षुल्लकश्री विश्वाभसागरजी	24.05.2023	जतारा टीकमगढ़	आचार्यश्री विमर्शसागरजी
158	क्षुल्लिकाश्री सुनयमति जी	ब्र. निकिता दीदी	25.05.2023	लुकुर कर्नाटक	आचार्यश्री सूर्यसागरजी
159	आर्यिका अविख्यातमति जी	ब्र. डॉ. श्री उर्वशी दीदी	01.06.2023	डीमापुर नागालैण्ड	आर्यिकाश्री गरिमामति जी
160	क्षुल्लिका शुद्धनंदिनी जी	ब्र. मीना दीदी, मुरैना	05.06.2023	हथनी दमोह (म.प्र.)	ग. आर्यिका सौम्यनंदिनी जी
161	क्षुल्लिका शुभनंदिनी जी	रामकली जी, मुरैना	05.06.2023	हथनी दमोह (म.प्र.)	ग. आर्यिका सौम्यनंदिनी जी
162	क्षुल्लिकाश्री जागृत्तिमति जी	श्रीमती मगनमाला जैन, दिल्ली	08.06.2023	जागृति एनक्लेव दिल्ली	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
163	आर्यिकाश्री सूरत्नमति माताजी	क्षुल्लिकाश्री सुरत्नमति माताजी	18.06.2023	द्रौड, पूणे महाराष्ट्र	आचार्यश्री मयंकसागरजी
164	मुनिश्री पूर्वांगसागरजी	किशोर जी, औरंगाबाद	30.06.2023	जिनशरणम	आचार्यश्री पुलकसागरजी
147	आर्यिका स्वर्णमति माताजी	श्रीमती तारादेवी, घाटौल	02.07.2023	सोनागिरि (म.प्र.)	मुनिश्री पुण्यसागरजी
148	क्षुल्लिका सुभूषणमति माता	श्रीमती सरला जैन, चैन्नई	05.07.2023	अर्हंतगिरि तमिलनाडु	आचार्यश्री सुविधीसागरजी
149	क्षुल्लकश्री पूर्णसागरजी	ब्र. रतनलाल जी, थांदला	09.07.2023	सोनागिरि (म.प्र.)	मुनिश्री पुण्यसागरजी
150	क्षुल्लिकाश्री पूर्णिमामती जी	निरूपमा देवी मेहता, थांदला	09.07.2023	सोनागिरि (म.प्र.)	मुनिश्री पुण्यसागरजी
151	क्षुल्लिका विमोहिताश्री माता	ब्र. कांति बाई, सागर	14.07.2023	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	आचार्यश्री विरागसागरजी
152	आर्यिका विमोहिताश्री माता	क्षुल्लिका विमोहिताश्री माता	17.07.2023	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	आचार्यश्री विरागसागरजी
153	आर्यिका विचारश्री माताजी	श्रीमति कुसुमबाई जी, देवेन्द्रनगर	21.07.2023	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	आचार्यश्री विरागसागरजी
154	क्षुल्लिकाश्री अतिशयमती जी	सुमन देवी, जयपुर	19.07.2023	पदमपुरा राजस्थान	आचार्यश्री चैत्यसागरजी

समाधिमरण

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत साधकों का समाधिमरण– वर्ष 2022–2023

आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, मंगलवार, 12 जुलाई 2022, वी.नि.सं. 2548, विक्रम संवत 2079, से (आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी,रविवार, 02 जुलाई 2023, वी.नि.सं. 2549, विक्रम संवत् 2080, के दौरान संपन्न समाधियाँ ज्ञात जानकारियों के आधार पर विवरण

क्र.	समाधिमरण साधक नाम	समाधिमरण का स्थान	समाधिमरण दिनांक	समाधिकर्ता के गुरु	निर्यापक/सान्निध्य
01	मुनिश्री विनीतनंदी जी	डिग्गी टोंक राजस्थान	29.07.2022	आचार्य इन्द्रनंदी जी	आचार्य इन्द्रनंदी जी
02	क्षुल्लिका समाधिमति जी	इंदौर (म.प्र.)	07.08.2022	मुनिश्री श्रुतधरनंदी जी	मुनिश्री श्रुतधरनंदी जी
03	आर्यिका श्री गुप्तिमति जी	जयपुर राजस्थान	09.08.2022	गणिनी आर्यिका गौरवमति	गणिनी आर्यिका गौरवमति जी
04	आर्यिकाश्री उदितमति जी	मधुवन झारखंड	16.08.2022	मुनिश्री पुण्यसागरजी	मुनिश्री पुण्यसागर जी महाराज
05	मुनिश्री सुगमसागरजी	अरिहंतगरि तमिलनाडु	18.08.2022	आचार्यश्री सुविधिसागरजी	आचार्यश्री सुविधिसागरजी
06	आर्यिकाश्री सुधर्ममति जी	जयपुर राजस्थान	19.08.2022	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
07	मुनिश्री अडोलसागरजी	श्रीवस्ती (गोंडा) उ.प्र.	24.08.2022	आचार्यश्री सुबलसागरजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी
08	गणिनी आर्यिकाश्री गौरवमति	जयपुर राजस्थान	25.08.2022	ग. आर्यिकाश्री सुपार्श्वमति	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
09	मुनिश्री असंगसागरजी	श्रीवस्ती (गोंडा) उ.प्र.	25.08.2022	आचार्य श्री सुबलसागरजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी
10	आर्यिका सुशांतिमति जी	जयपुर राजस्थान	01.09.2022	आचार्य श्री सुनीलसागरजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
11	क्षुल्लिका श्री सुबाहुमति जी	मधुवन गिरीडीह झारखंड	08.09.2022	ग. आर्यिकाश्री शुभमति जी	ग. आर्यिकाश्री शुभमति जी
12	आर्यिकाश्री सुस्थिरमतिजी	सम्बूड पोन्नूरमलई	11.09.2022	आर्यिकाश्री सुयोगमति जी	आर्यिका सुयोगमति जी
13	क्षुल्लिका शिवमतिजी	अमरमऊ (सागर)	11.09.2022	आर्यिकाश्री सकलमति जी	आर्यिका श्री सकलमति जी
14	मुनिश्री धर्मभूषण जी	मंदसौर (म.प्र.)	12.09.2022	आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी	मुनिश्री सुखसागरजी
15	क्षुल्लकश्री अजितसागरजी	गिरनार जूनागढ़ गुजरात	16.09.2022	आचार्यश्री निर्मलसागरजी	मुनिश्री नयनसागरजी
16	मुनिश्री एकत्वसागरजी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	18.09.2022	मुनिश्री पुण्यसागरजी	मुनिश्री पुण्यसागरजी
17	आचार्यश्री श्रुतसागरजी	मान्यखेट कर्नाटक	04.10.2022	आचार्यश्री सुबाहुसागरजी	
18	आर्यिकाश्री सम्पूर्णमतिजी	जयपुर राजस्थान	04.10.2022	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
19	क्षुल्लिका श्री अहिंसामतिजी	जयपुर राजस्थान	07.10.2022	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
20	आर्यिकाश्री उत्कर्षमतिजी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	09.10.2022	मुनिश्री पुण्यसागरजी	मुनिश्री पुण्यसागरजी
21	आर्यिकाश्री सत्यमतिजी	जयपुर राजस्थान	24.10.2022	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
22	आर्यिका विश्वधर्मश्री जी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	25.10.2022	आचार्यश्री विरागसागरजी	आर्यिका शुभमति जी
23	क्षुल्लकश्री विश्वतत्थसागरजी	पथरिया दमोह (म.प्र.)	27.10.2022	आचार्यश्री विरागसागरजी	आचार्यश्री विरागसागरजी
24	क्षुल्लिका श्री अनंतमति जी	औरंगाबाद महाराष्ट्र	30.10.2022		
25	क्षुल्लकश्री अजितसागरजी	गिरनार जी, गुजरात	14.10.2022	आचार्यश्री निर्मलसागरजी	मुनिश्री नयनसागरजी महाराज
26	मुनिश्री सम्पूर्णानंदसागरजी	मुंबई महाराष्ट्र	02.11.2022	आचार्य वसुनंदी जी	आचार्यश्री वसुनंदीजी
27	क्षुल्लकश्री श्रीफलसागरजी	भगवां छतरपुर (म.प्र.)	02 .11.2022	आचार्यश्री विभवसागरजी	आचार्यश्री विभवसागरजी
28	मुनिश्री सुविमलसागरजी	कचनेर औरंगाबाद महा.	11.11.2022	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी	आचार्य सौभाग्यसागरजी
29	क्षुल्लकश्री विश्वदत्तसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	23.11.2022	आचार्यश्री विरागसागरजी	आचार्यश्री विरागसागरजी
30	आर्यिका श्री संकल्पमतिजी	श्री महावीर जी राजस्थान	24.11.2022	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वधर्ममानसागरजी
31	आर्यिकाश्री शीलमति जी	श्री महावीर जी राजस्थान	25.11.2022	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वधर्ममानसागरजी
32	मुनिश्री विश्वेशसगरजी	कोसपालयम तमिलनाडु	28.11.2022	आचार्यश्री विरागसागरजी	आचार्यश्री विरागसागरजी
33	क्षुल्लक श्री सत्वसागरजी	जयपुर राजस्थान	31.11.2022	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
34	मुनिश्री विमलसागरजी	कचनेर, महाराष्ट्र	02.12.2022	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी

35	क्षुल्लक श्री शुक्लसागरजी	दयोदयतीर्थ जबलपुर	13.12.2022	आचार्यश्री विद्यासागरजी	क्षुल्लकश्री तत्त्वसागरजी
36	मुनिश्री श्रेयसागरजी	बोली सवाईमाधेपुर	18.12.2022	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
37	मुनिश्री दीप्तसागरजी	गगवाड़ राजस्थान	22.12.2022	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
38	आर्यिकाश्री सुशांतमतिजी	खमेरा बांसवाड़ा	22.12.2022	आचार्यश्री सुंदरसागरजी	आचार्यश्री सुंदरसागरजी
39	क्षुल्लक सूर्यदत्तसागरजी	सोनागिरि दतिया (म.प्र.)	24.12.2022	आचार्यश्री निर्भयसागरजी	मुनिश्री आदर्शसागरजी
40	मुनिश्री अंतरंगसागरजी	बयाना भरतपुर राजस्थान	25.12.2022	श्रमण मुनिश्री अमितसागरजी	श्रमण मुनिश्री अमितसागरजी
41	उपाध्यायश्री ज्ञेयसागरजी	मंदसौर (म.प्र.)	26.12.2022	आचार्यश्री शिवसागरजी	मुनिश्री सुव्रतसागरजी
42	मुनिश्री मर्यादासागरजी	निवाई टोंक राजस्थान	27.12.2022	आचार्यश्री वर्द्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्द्धमानसागरजी
43	मुनिश्री सुज्ञेयसागरजी	सांगानेर जयपुर राजस्थान	03.01.2023	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
44	मुनिश्री समर्थसागरजी	सांगानेर जयपुर राजस्थान	06.01.2023	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
45	क्षुल्लकश्री अनमोलसागरजी	श्रावस्ति (उ.प्र.)	07.01.2023	आचार्यश्री सुबलसागरजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी
46	आर्यिकाश्री अमूर्तमतिजी	ईडर सावरगाठा,गुजरात	25.01.2023	आचार्य श्री वर्धमानसागर	आर्यिकाश्री नमनश्री जी
47	मुनिश्री चरणसागरजी	पथरिया (म.प्र.)	07.02.2023	आचार्यश्री विमर्शसागरजी	आचार्यश्रीविरागसागर ससंघ
48	क्षुल्लकश्री अगम्यसागरजी	नेमावर देवास (म.प्र.)	09.02.2023	आचार्यश्री विद्यासागरजी	क्षुल्लकश्री स्वाध्यायसागरजी
49	आर्यिका सर्वश्रेष्ठमतिजी	बेलाजी दमोह (म.प्र.)	10.02.2023	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी
50	आर्यिका विरदश्री माताजी	पथरिया दमोह (म.प्र.)	10.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	आचार्यश्री विरागसागरजी
51	आर्यिकाश्री शुद्धात्मश्रीजी	णमोकारतीर्थ महाराष्ट्र	11.02.2023	आचार्यश्री देवनंदी जी	आचार्यश्री देवनंदीजी
52	निर्यापक मुनिश्रीप्रशांतसागर	चम्पापर भागलपुर बिहार	12.02.2023	आचार्यश्री विद्यासागरजी	मुनिश्री निर्वेगसागरजी
53	मुनिश्री यशकीर्तिसागरजी	णमोकार तीर्थ, महाराष्ट्र	02.03.2023	आचार्यश्री देवनंदीजी	आचार्यश्री देवनंदीजी
54	आर्यिकाश्री विश्वशांताश्री	विरागोदयतीर्थ दमोह	07.03.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	आचार्यश्री विरागसागरजी
55	आर्यिकाश्री विचेतनश्रीजी	हातोद इंदौर (म.प्र.)	15.03.2023	आचार्यश्री विरागसागजी	आर्यिकाश्री विकाम्याश्री जी
56	आचार्यश्री मेरूभूषणजी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	17.03.2023	आ.श्री विद्याभूषण सन्मतिसागर	आचार्यश्री विप्रणतसागरजी
57	मुनिश्री शिवभूषण जी	मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)	18.03.2023	आ.श्री विद्याभूषण सन्मतिसागर	आचार्यश्री
58	भट्टारक चारूकीर्तिजी	श्रवणबेलगोला, कर्नाटक	23.03.2023	भट्टारक श्री चारूकीर्तिजी	क्षुल्लकश्री आगमकीर्तिजी
59	क्षुल्लिकाश्री पुष्पमती जी	छतरपुर (म.प्र.)	00.04.2023	उपाध्यायश्री विरंजनसागर	उपाध्यायश्री विरंजनसागरजी
60	आर्यिका श्री सुकालमतिजी	मेदाबाद टोंक, राजस्थान	15.04.2023	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
61	क्षुल्लकश्री सर्वार्थसागरजी	उदयपुर राजस्थान	17.04.2023	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
62	आर्यिकाश्री विदेहश्री जी	सागर (म.प्र.)	12.05.2023	उपाध्यायश्री विकसंतसागर	उपाध्यायश्री विकसंतसागरजी
63	क्षुल्लकश्री प्रशांतसागरजी	नेमावर देवास (म.प्र.)	15.05.2023	आचार्यश्री विद्यासागरजी	क्षुल्लकश्री स्वाध्यायसागरजी
64	मुनिश्री समत्वसागरजी	जागृति एनक्लेव दिल्ली	21.05.2023	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
65	आर्यिकाश्री अनुनयमतिजी	दयोदय तीर्थजबलपुर	24.05.2023	आचार्यश्री विद्यासागरजी	आर्यिकाश्री दुर्लभमतिजी
66	आर्यिकाश्री सुभगमतिजी	उदयपुर राजस्थान	24.05.2023	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
67	आचार्यश्री विपुलसागरजी	अयोध्या फैजाबाद (उ.प्र.)	27.05.2023	आचार्यश्री धर्मसागरजी	आचार्यश्री भद्रबाहुसागरजी
68	क्षुल्लकश्री धर्मसागरजी	दयोदयतीर्थ जबलपुर	27.05.2023	आचार्यश्री विद्यासागरजी	क्षुल्लकश्री तत्त्वसागरजी
69	आर्यिकाश्री दक्षमतिजी	लाल मंदिर दिल्ली	07.06.2023	ग. आर्यिका श्री चंद्रमतिजी	ग. आर्यिकाश्री चंद्रमतिजी
70	क्षुल्लिकाश्री जागृतमतिजी	जागृति एनक्लेव दिल्ली	10.06.2023	आचार्यश्री सुनीलसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी
71	आर्यिका अनुभूतमति जी	नातेपोते महाराष्ट्र	11.06.2023	आचार्यश्री अनुभवसागरजी	आर्यिकाश्री अनुप्रेक्षामति जी
72	आर्यिकाश्री सुरत्नश्री माताजी	दौड़, पूणे महाराष्ट्र	19.06.2023	आचार्यश्री मंयकसागरजी	आचार्यश्री मंयकसागरजी
73	आचार्यश्री रविनंदीजी	धर्मतीर्थ, औरंगाबाद	24.06.2023	आचार्यश्री पद्मनंदीजी	आचार्यश्री गुप्तिनंदी जी
74	आर्यिकाश्री देवनंदनी जी	सेला, तमिलनाडु	09.07.2023	आचार्यश्री वसुनंदी जी	ग.आर्यिका गुरुनंदिनी माताजी
75	आर्यिका विमोहिताश्री माताजी	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	17.07.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	आचार्यश्री विरागसागरजी
76	आर्यिका विचारश्री माताजी	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	21.07.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	आचार्यश्री विरागसागरजी
77	क्षुल्लिकाश्री शांतमती जी	उदयपुर राजस्थान	19.07.2023	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
78	आर्यिकाश्री सुभगमति जी	उदयपुर राजस्थान	19.07.2023	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
79	मुनिश्री प्रशमसागरजी	बयण्डा पश्चिमबंगाल	22.07.2023	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी	आचार्यश्री शीतलसागरजी
80	क्षुल्लिकाश्री विलोक्यमती			ग.आर्यिकाश्री विशुद्धमतिजी	ग. आर्यिका विशिष्टमती जी

एक वर्ष के दौरान प्रदत्त नये पद

क्र.	पद प्राप्तकर्ता	पद प्राप्ति स्थान	पद प्राप्ति दिनांक	पद प्रदाता	पद का नाम
01	आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	28.01.2023	मुनिश्री पुण्यसागरजी	लोकोत्तर तपस्वी
02	आचार्यश्री विहर्षसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	आचार्य
03	स्थविर मुनिश्री विहितसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	स्थविर
04	उपाध्याय श्री विशोकसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	उपाध्याय
05	उपाध्यायश्री विनिश्चलसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	उपाध्याय
06	गणधरश्री विवर्धसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	गणधर
07	उपाध्याय श्री विश्रुतसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	उपाध्याय
08	उपाध्याय श्री विहसंतसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	उपाध्याय
09	उपाध्याय श्री विभंजनसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	उपाध्याय
10	उपाध्याय श्री विकसंतसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	उपाध्याय
11	प्रवर्तकश्री विश्वनायकसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	प्रवर्तक
12	उपाध्यायश्री विरंजनसागरजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	उपाध्याय
13	गणिनी आर्यिका विशिष्टमतीजी	विरागोदयतीर्थ दमोह	13.02.2023	आचार्यश्री विरागसागरजी	गणि[illegible]
14	गणिनी आ.चैतन्यमति जी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	00.02.2023	आचार्यश्री संभवसागरजी	[illegible]नी
15	आचार्यश्री प्रबलसागरजी	उमटा मेहसाणा गुजरात	22.02.2023	आचार्यश्री निर्भयसाग[illegible]	अ[illegible]
16	आचार्य श्री विप्रणतसागरजी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	17.03.2023	आचार्यश्री मेरूभू[illegible]जी	[illegible]चा[illegible]
17	क्षुल्लकश्री सहजसागरजी	भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़	00.04.2023	आचार्यश्री [illegible]सागर	[illegible]र्णी
18.	क्षुल्लकश्री नैगमसागरजी	भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़	00.04.2023	आचा[illegible]श्री प्र[illegible]गर	वर्णी
19	क्षुल्लकश्री अर्घसागरजी	भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़	00.04.2023	[illegible]चा[illegible] प्रसन्न[illegible]जी	वर्णी
20	आचार्यश्री भद्रबाहुजी	अयोध्या फैजाबाद	01.06.2023	[illegible]वा[illegible]सागर	आचार्य

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मि[illegible] ट्रस्[illegible]गी प्रमुख ग[illegible]विधियाँ

मान्यवर,

हम श्री दि. जैन पंचबालयति मंदिर ही नहीं अपितु सद्ज्ञान संस्कार और श्रमण [illegible]

के उच्च आदर्शों को जन-जन में स्थापित करने का स्वप्न लेकर आपके सामने [illegible] हैं जिन्हे[illegible]

साकार करने का महान कार्य आपको करना है।

संयम, साधना, ज्ञान जागरण, सेवा, सद् भावना को विस्तारित [illegible]योजना में सं[illegible]

शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के प्रिय शिष्य [illegible]कश्री [illegible]तसा[illegible]

महाराज के आशीर्वाद एवं आप सभी के उदार सहयोग से [illegible]न मंजिला [illegible]ट उत्तुंग

भव्य श्री पंचबालयति जिनालय जिसमें 5 वेदियां [illegible]म्मे[illegible]की स[illegible]या24

शिखरों में आचार्यों के चरण एवं शास्त्र स्थापि[illegible]। सत[illegible]स, [illegible]वत

आश्रम, अतिथि निवास, ध्यान केन्द्र एवं प[illegible]लय[illegible] चुका है

दिव्यता, भव्यता और नव्यता से प[illegible] ही [illegible]स्त गतिविधियां

विधिवत रूप से संचालित होने ज[illegible] है। कृप[illegible]प इन [illegible]ओं में अपनी सक्रिय

सहभागिता [illegible]न कर पुण्या[illegible]

यहाँ तक आ गये हम...

1. वेदी क्र. एक

सुन्दर आकर्षक श्वेत पाषाण से 13 × 5 फीट आकार में निर्मित इस वेदी पर श्यामवर्णी पाषाण की भगवान पार्श्वनाथ की सहस्रफणी 7.5 फीट अवगाहना में श्री आजाद जीजैन बीड़ी वालों के अर्थ सौजन्य से प्रतिमा जी शोभायमान है।

2. वेदी क्र. [illegible]

नयनाभिराम [illegible] 5 [illegible]आकार में [illegible] पाषाण

से निर्मि[illegible]लय, [illegible]माएं [illegible] एस. के.

जैन [illegible] तथा खडगासन प्रतिमाएँ श्री

[illegible]न्द्र जी [illegible] इन्दौर, श्री जगदीशच[illegible]

शालीमार बाग [illegible]ल्ली, श्री [illegible] बाकलीवाल इन्दौर

अर्थ सौजन्य [illegible]निर्मित) आत्मकल्याण की प्रेरणा [illegible]

3 वेदी क्र. तीन

भूतल से 35 फुट ऊँचाई पर श्वेत पाषाण से निर्मित 108 फण युक्त श्री पार्श्वनाथ भगवान का जिनबिम्ब अन्य चार पद्मासन श्वेत पाषाण की प्रतिमाओं तथा चौबीसी सहित यहाँ विराजमान हैं। यह श्री खेमचंदजी सोंरईवालों, पं. श्री रतनलालजी, श्रीमती किरणजी, श्री राजेश जैन पुष्पक रेस्टोरेंट के अर्थसौजन्य से निर्मित हैं।

4 मंदिर शिखर

भूतल से 108 फुट ऊँचा कलापूर्ण भव्य शिखर श्री सुरेश कस्तूरचंदजी जैन दोतड़ा वाले, रामगंज मंडी वालों द्वारा बनवाया गया है।

5. वेदी क्र. पांच

भूतल से 35 फुट ऊँचाई पर श्वेत पाषाण से निर्मित 108 फण युक्त श्री पार्श्वनाथ भगवान का जिनबिम्ब अन्य चार पद्मासन श्वेत पाषाण की प्रतिमाओं तथा चौबीसी सहित यहाँ विराजमान हैं। यहा श्री खेमचंदजी सोंरईवालों पं. श्री रतनलालजी, श्रीमती किरणजी, श्री राजेश जैन पुष्पक रेस्टोरेन्ट के अर्थ सौजन्य से निर्मित हैं।

मंदिर शिखर – भूतल से 108 फुट ऊँचा कलापूर्ण भव्य शिखर श्री सुरेश कस्तूरचंदजी जैन दोतड़ा वाले, रामगंज मंडी वालों द्वारा बनवाया गया है।

श्रुत सिद्धांत शोधपीठ – इस शोधपीठ से संस्कृत, प्राकृत और जैन दर्शन आदि भारतीय संस्कृति से संबद्ध शोधार्थियों को मार्गदर्शन दिया जा रहा है। यहाँ लगभग 35 शोध प्रबंध पूर्ण हो चुके हैं एवं एम. फिल उपाधि हेतु 20 शोधार्थियों के द्वारा लघु शोध प्रबंध लिखे जा चुके हैं। हस्तलिखित इस शोध प्रबंध पर शोध जारी हैं। प्राचीन पाण्डलिपियों का संपादन अनुवाद एवं प्रकाशन कार्य किया जा रहा है। विद्वत् संगोष्ठी, कार्यशाला, स्वाध्याय कक्ष, प्राकृत कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। शोधपीठ के अध्यक्ष–अध्यक्ष पं. विनोदकुमार जैन रजवांस, उपाध्यक्ष डॉ. संगीता मेहता, सचिव ब्र. जिनेश मलैया, कोषाध्यक्ष डॉ. अरविन्द जैन, इन्दौर और निर्देशक डॉ. मुकेश जैन विमल हैं। ब्र. सुरेश मलैया का मार्गदर्शन सतत प्राप्त हो रहा है।

7. कार्यालय सत् साहित्य विक्रय केन्द्र एवं प्रकाशन केन्द्र – जन जन तक जिनवाणी का प्रचार करता सत् साहित्य प्रकाशन वितरण केन्द्र कम्प्युटरीकृत कार्यालय सतत संचालित हैं। यहाँ प्रायः सभी जैन प्रकाशकों के प्रकाशन तथा अब तक स्वयं के प्रकाशित 450 ग्रंथों का आप अपने आयोजनों में इनका उपयोग कर धर्म संस्कृति की रक्षा कर पुण्यार्जित कर सकते हैं।

6. अकलंकदेव पुस्तकालय एवं निकलंकदेव वाचनालय

इसमें 30 हजार अमूल्य ग्रन्थ एवं पांडुलिपियों का अनुठा संकलन है। श्री आजाद जी जैन बीड़ी वालों के अर्थ सौजन्य से यह भवन निर्मित है। इसके ऊपर की मंजिल बनाने का सौभाग्य श्री खेमचंदजी सौंरई वालों को प्राप्त हुआ है। इसमें लगभग 1 लाख ग्रन्थ रखने की योजना है।

8. संस्कार सागर (मासिक)

धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्कार, निर्माण की गंभीर जिम्मेदारी निभाती, संस्कार संस्कार सागर पत्रिका देश–विदेश में लगभग दो लाख पाठकों तक पहुँच रही है।

9. दो मंजिल संत निवास

साधु संतो के अनुकूल आवास एवं साधनों को दृष्टिगत रखते हुए आकार में संत निवास निर्मित हो चुका है।

10. आचार्य शुभचन्द्र ध्यान केन्द्र

योग के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ हो, इस हेतु सभी आयुवर्ग के लोगों के लिये व्यवस्था करना। इस हेतु हॉल का निर्माण हो चुका है।

11. विशाल भव्य सभागार

130 ×50 फीट आकार में 3000 श्रोताओं की बैठक क्षमता वाला सभागार निर्मित हो चुका है।

15. अभयदान/पक्षियों को दाना–पानी

मूक पक्षियों के सुरक्षित आहार पानी की व्यवस्था हेतु करुणा दान, ग्रीष्म ऋतु में पशुओं को पानी की व्यवस्था भी की गई है।

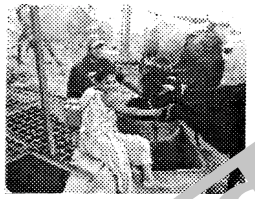

12. आचार्य विद्यासाग[illegible]गीत[illegible]की [illegible]म

आत्मकल्याण त्यागी व्रती साध[illegible] के लिए आ[illegible], आह[illegible]ध्याय एवं साधना की सु[illegible]धा से संयुक्त आश्रम 50 × 60 फीट आकार में 8 कक्षों एवं भोजन[illegible]य का निमा[illegible] हो चुका है। बाह[illegible] आ[illegible] श्रावकों को शुद्ध भोजन की व्यवस्था[illegible]

13. [illegible]न्थुसाग[illegible] गुरुकुल

[illegible] अंचलों [illegible] छात्रों के जिनद[illegible] – जन करने एवं शुद्ध आहार लेने की अनिवार्यता के साथ उच्च[illegible] प्राप्ति हेतु सुविधा देने के उद्देश्य से [illegible] फीट आकार में 16 कक्षों से युक्त गुरुकुल होकर [illegible]त भ[illegible] है। छात्रों के लिए भोजन व[illegible] भी [illegible]वस्था है।

16. [illegible]कुंदकुंद सं[illegible]र के

बच्चों में जैन [illegible] के बहुउ[illegible]मी सं[illegible]र देने हेत[illegible]धियों का [illegible]लन।

14. [illegible] सिद्धांतसागर अ[illegible] निवास

[illegible]र नगर में आरोग्य ले[illegible] [illegible]ए [illegible] रोगी के सहयोगियों को सुलभ आवास, आहार, जिनबिम्ब दर्शन, पूजादि का लाभ [illegible]ल सके, इस हेतु [illegible] ×60 फीट आकार में 13 कक्षों का निर्माण होकर अनेकों रोगी और सहयोगी व्यवस्था क[illegible]ड़ा है हैं।

17. शीतल शुद्ध पेयजल

आम जन के लिये बारहों महीने शुद्ध छने हुए शीतल पेयजल की व्यवस्था श्रीमती माया, गजेन्द्र जैन, गिन्नी ग्रुप द्वारा की गई है।

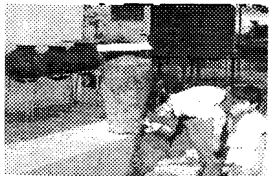

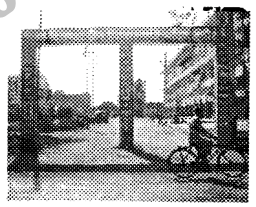

18. अहिंसा एवं संस्कार द्वार

मंदिर आश्रम से 200 मीटर दूर ए.बी. रोड के पार्श्व में जैन धर्म और संस्कृति संबंधी प्राणीमात्र के कल्याणकारी सिद्धांतों, उद्देश्यों सह महावीर वाणी को जन–जन तक पहुँचाने वाले संदेश अंकित भव्य द्वारों का निर्माण करना। अभी निर्माण की अनुमति मिल जाने पर अस्थायी द्वार का निर्माण हो चुका है।

19. प्रवचन प्रशिक्षण संस्थान

सर्व जीव कल्याणकारी जैन धर्म के प्रवचन निष्णात विद्वान तैयार कर पर्युषण आदि पर्वों प्रवचनार्थ भेजना। अभी हम प्रतिवर्ष लगभग 100 विद्वान देश के विभिन्न भागों में भेजते हैं।

संस्कार सागर सम्पर्क: 8989505108

21 तीर्थंकर वाटिका

लगभग 20,000 हजार स्केयर फीट जमीन पर पाण्डुक शिला एवं तीर्थंकर वाटिका टीन सेट सहित बनायी गई हैं । इसमें धार्मिक आयोजन एवं विवाह शादी आदि का कार्यक्रम किया जाता है । कार्यक्रम हेतु कार्यालय में सम्पर्क करें ।

20. पंचबालयति ग्रीन बेल्ट

इन्दौर विकास प्राधिकरण के सौजन्य से 1500 60 फीट विशाल भूखंड प्राप्त हुआ है जिसमें तीर्थंकर उद्यान से लेकर फलदार और फूलदार वृक्षारोपण की योजना है । आप अपनी ओर से 2100 रु. जमा कर एक वृक्ष को रोपित करने का पुण्य अर्जित कर सकते हैं।

22 सम्मेद शिखर रचना

ऊपर छत पर विशाल फाइवर की सम्मेद शिखर जी की रचना की गई है।

23 विदेह क्षेत्र रचना

शिखर के नीचे वेदी में विद्यमान बीस तीर्थंकर एवं शान्तिनाथ भगवान को विराजमान किया गया।

24 ब्र. सुदेश कोठिया छात्रवृत्ति योजना

गरीब विद्यार्थियों को शिक्षण हेतु छात्र[illegible]त्ति दी जाती हैं।

25 रिसाईक्लिंग यो[illegible]

पुराने [illegible]स्त्र जो [illegible] हैं । उनको एक[illegible]त करके शास्त्रों को अवनि[illegible] न हो[illegible] में नया [illegible] बनवाय[illegible] जाता है । तथा जो ग्रंथ अच्छी हाल[illegible] हैं उन्हें पुस्तकालय में रखा जाता है।

दातार महानुभावों से सहयोग की अपेक्षा

सदस्य	मंदिर-टस्ट	साहित्य प्रकाशन	छात्रावास
शिरोमणि संरक्षक	5 लाख रु.	5 लाख रु.	[illegible] रु.
परम संरक्षक	1 लाख रु.	2.51 लाख रु.	51 ह[illegible]र रु.
संरक्षक	51 हजार रु.	1 लाख रु.	31 ह[illegible]र रु.
सम्मानीय सदस्य	25 हजा रु.	51 ह[illegible]र	[illegible]
विशिष्ट सदस्य	11 हजार रु.	[illegible]	11 हजार रु.

साहित्य प्रकाशन : सभी सदस्यों के [illegible] छपे[illegible] [illegible] में प्रकाशित होंगे तथा अभी तक जो भी स[illegible] [illegible]राशि [illegible] है या भविष्य में होगा, यह भेंट किया जाएगा।

26 स्वर्ण रथ [illegible]

[illegible] द्वारा विश[illegible] स्वर्ण रथ बनाये गये है। [illegible]र द्वारा खींचा ज[illegible] है एवं दो विशाल हाथी भी है । इसे पंचकल्याणक धार्मिक अ[illegible]ान विधि विधान आदि में [illegible] व्यवस्था की जाती है।

[illegible] – सभी [illegible]द्धि श्रावकों से निवेदन है कि पंचबालयति आश्र[illegible] [illegible] योजनाओं को सफल बनायें तथा स्वयं की समा[illegible] [illegible] बनावें। आपकी सेवा कर हम अपने आपको धन्य मानें[illegible]।

आभार

अभी तक आपको जो सहयोग मिला है उसके हम आभारी हैं तथा भविष्य में भी आप अपनी शक्तिनुसार योजनाओं को पूरा करने के लिए अवश्य ही सहयोग प्रदान करेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है।

अपेक्षा

आप एक बार पंचबालयति मंदिर, इन्दौर पधारकर हमारे लघु प्रयासों को अपनी आँखों से अवश्य देखें, ऐसी हमारी अपेक्षा है। इसे अपनी संस्था समझकर आप हमें सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

भवदीय/निवेदक

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट

अध्यक्ष : पं. रतनलालजी (इंदौर), उपाध्यक्ष : ब्र. जयकुमार जी निशांत(टीकमगढ़), सचिव : अरविन्द जैन, कोषाध्यक्ष : ब्र. जिनेश मलैया, ट्रस्टी : ब्र. सुरेश मलैया (इंदौर), ब्र. पं. सुदेशचंद जैन (खुरई), रजनीश मलैया, मनोज जैन, मनोज बाकलीवाल (इन्दौर), गजेन्द्र जी, नरेन्द्र जैन जयपुर, दिनेश जैन(डी.एस.पी.) आजाद मोदी, भरत जैन, हर्ष जैन।

श्री दिगम्बर जैन युवक संघ प्रकाशन समिति से प्रकाशित साहित्य की सूची

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(1)	पद्म पुराण हिन्दी वचनिका	500/-
(2)	प्रागैतिहासिक प्रागवैदिक जैन धर्म और उसके सिद्धांत	100/-
(3)	जीवन्धर चरित्र	60/-
(4)	भद्रबाहु चरित्र	25/-
(5)	केशरिया हत्याकांड	15/-
(6)	जैन साहित्य में विकार	15/-
(7)	विद्यासागर की लहरें	25/-
(8)	श्वेतांबर मत समीक्षा	25/-
(9)	स्वास्थ्य बोधामृत	201/-
(10)	आरोग्य संजीवनी (प्राण चिकित्सा पद्धति रेकी)	35/-
(11)	स्वस्थ जीवन का आधार : आयुर्वेद	80/-
(12)	प्रतियोगिता बिम्ब (नया संस्करण)	25/-
(13)	छहढाला दर्पण	30/-
(14)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-1)	20/-
(15)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-2)	20/-
(16)	तत्वार्थ सूत्र (मोक्ष शास्त्र)	20/-
(17)	तत्त्वार्थ सूत्र (पं. कैलाशचंदजी कृत)	30/-
(18)	रत्नकरंड श्रावकाचार	15/-
(19)	द्रव्यसंग्रह	10[illegible]
(20)	रयणसार	[illegible]0/-
(21)	जैन सिद्धांत प्रवेशिका	[illegible]/-
(22)	जैन विद्या प्राथमिक (प्रथम भ[illegible])	
(23)	जैन विद्या प्राथमिक (द्वि[illegible]य [illegible])	8/
(24)	जैन विद्या प्रा. प्रथ[illegible] (अं[illegible]ण)	10/-
(25)	जैन विद्या प्र[illegible]य ([illegible]ी स[illegible]ण)	10/-
(26)	[illegible]ष्टा[illegible] (नया [illegible]रण)	[illegible]/-
(27)	[illegible] गीत (न[illegible] संस्करण)	[illegible]
(28)	[illegible]तो[illegible] [illegible] संग्रह ([illegible]1)	[illegible]
(29)	[illegible] प[illegible]ंग्रह (भाग-2)	20/-
(30)	[illegible]ष्टांत मधु[illegible]मा (भाग-1)	15/-
(31)	[illegible] मधुरिमा (भाग-2)	15/-
(32)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-3)	20/-
(33)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-4)	20/-
(34)	दृष्टांत मालिका (भाग-5)	12/-
(35)	भजनांजलि संग्रह (भाग-1)	20/-
(36)	भजनांजलि संग्रह (भाग-2)	25/-
(37)	जिन संस्कार भारती (जिनवाणी)	80/-
(38)	जिन पूजन भक्ति (पॉकेट साइज)	7/-
(39)	जिन पूजन भक्ति संग्रह	30/-
(40)	जिन पूजन भक्ति	10/-
(41)	शील मंजुषा	30/-
(42)	धार्मिक सिद्धांतों के वैज्ञानिक तथ्य	7/-
(43)	धर्म और विज्ञान की दृष्टि में उपवास	7/-
(44)	तीर्थंकर 108 ज्ञातव्य	5/-
(45)	व्यसन मुक्ति आह्वान	3/-
(46)	लघीयस्त्रयी	25/-
(47)	मतवाला (खंडकाव्य)	15/-
(48)	भटकन (कहानी संग्रह)	5/-
(49)	युक्तानुशासन	10/-
(50)	उद्घोष (स्लोगन)	2/-
(51)	ध्यान शतक	5/-
(52)	विचार सुधा (लेख संग्रह)	7/-
(53)	प्रमाण संग्रह	30/-
(54)	सिद्धि विनिश्चय	[illegible]0/-
(55)	शांति विधान	[illegible]/-
(56)	श्री शांतिनाथ विधान	[illegible]0/-
(57)	नंदीश्वर विधान (बाव[illegible]ना)	
(58)	श्री भक्तामर विध[illegible]	30/-
(59)	जैन पाँच प[illegible]न पूजा	5/-
(60)	णमोक[illegible] [illegible]पती[illegible] [illegible]डल[illegible]न	10/-
(61)	[illegible] प[illegible]ी पूज[illegible]धान	10/-
(62)	[illegible]ान	25/-
(63)	चौ[illegible]ठ ऋद्धि[illegible]ा विधान	20/-
(64)	[illegible] कथा पूजा	15/-
(65)	कमदहन विधान	10/-
(66)	सोलह कारण विधान	25/-
(67)	सुगंध [illegible]शमी व्रत उद्यापन विधान	10/-
(68)	रविव्रत कथा उद्यापन विधान	10/-
(69)	कल्[illegible]ा मंदिर विधान	20/-
(70)	[illegible]त्रय विधान	25/-
(71)	अतिशय भक्तामर चरित्र	10/-
(72)	यागमंडल पंचकल्याणक विधान	50/-
(73)	श्रुत स्कंध विधान	10/-
(74)	चौंसठ ऋद्धि विधान(आ. विज्ञानमती)	10/-
(75)	नवग्रह विधान	10/-
(76)	सौभाग्य दशमी विधान	7/-
(77)	समवशरण विधान	40/-
(78)	सिद्धचक्र विधान	100/-
(79)	श्री आदिनाथ विधान	10/-
(80)	श्री अजितनाथ विधान	10/-
(81)	श्री संभवनाथ विधान	10/-
(82)	श्री अभिनंदननाथ विधान	10/-
(83)	श्री सुमतिनाथ विधान	10/-
(84)	श्री पद्मप्रभ विधान	10/-
(85)	श्री सुपार्श्वनाथ विधान	15/-
(86)	चन्द्रप्रभ विधान	10/-
(87)	श्री सुविधिनाथ विधान	10/-
(88)	श्री शीतलनाथ विधान	20/-
(89)	श्री श्रेयांसनाथ विधान	10/-
(90)	श्री वासुपूज्य विधान	10/-

संस्कार सागर सम्पर्क: 8989505108

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(91)	श्री विमलनाथ विधान	10/-
(92)	श्री अनंतनाथ विधान	10/-
(93)	श्री धर्मनाथ विधान	10/-
(94)	श्री शांतिनाथ विधान	20/-
(95)	श्री कुंथुनाथ विधान	10/-
(96)	श्री अरनाथ विधान	20/-
(97)	श्री मल्लिनाथ विधान	10/-
(98)	श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान	15/-
(99)	श्री नमिनाथ विधान	10/-
(100)	श्री नेमिनाथ विधान	15/-
(101)	श्री पार्श्वनाथ विधान	15/-
(102)	महावीर विधान	10/-
(103)	विद्यागुरु विधान	10/-
(104)	जिनसहस्रनाम विधान	12/-
(105)	बड़े बाबा विधान	10/-
(106)	नवग्रह विधान	10/-
(107)	तत्वार्थ सूत्र विधान	30/-
(108)	ऋषिमंडल विधान	12/-
(109)	श्री कल्पद्रुम विधान	75/-
(110)	श्री इन्द्रध्वज महामंडल विधान	75/-
(111)	णमोकार महामंत्र विधान	15/-
(112)	पंचमेरु विधान	15/-
(113)	श्री नेमीनाथ विधान	15/
(114)	श्री पंचबालयति महामंडल विधान	10/-
(115)	अनंत चतुर्दशी विधान	15/-
(116)	रक्षा बंधन विधान	25/
(117)	परछाइयाँ पथ प्रदर्शक की (चित्रावली : आ. विद्यासागरजी)	30/-
(118)	सत्य दर्शन	3/-
(119)	शारीरिक शिक्षा क्रम	5/
(120)	दिगंबर मुनि	3/-
(121)	दिगबर जैन युवक संघकी प्रस्तावित रुप रेखा	निःशुल्क
(122)	गुणस्थान चार्ट	5/-
(123)	जागो दिगंबर	2/-
(124)	भक्तामर मंगल गीता पाठ	15/-
(125)	गुरू भक्ति	5/-
(126)	विद्या भक्ति संग्रह	5/-
(127)	सिद्धवर कूट चालीसा	5/-
(128)	सामायिक विधि एवं प्रतिक्रमण	5/-
(129)	नित्य पाठ संग्रह	20/-
(130)	विद्यांजलि	10/-
(131)	मेरी भावना (पॉकेट साइज)	1/-
(132)	भक्तामर स्तोत्र (पॉकेट साइज)	1/-
(133)	सुदेश काव्याञ्जलि (कविता संग्रह)	60/-
(134)	नरक स्वर्ग की झाँकी (नाटक)	15/-
(135)	बाल कहानी	30/-
(136)	बाल खेल	20/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(137)	बाल कविता	20/-
(138)	अंकों की महिमा	100/-
(139)	प्राचीन जैन साहित्य और संस्कृति	120/-
(140)	आगम की छाँव में	40/-
(141)	संस्कार सागर निर्देशिका	20/-
(142)	Step of Religion	10/-
(143)	समणं सुत्त (अंग्रेजी) जैन गीता	120/-
(144)	संस्कार मंजूषा (पूर्वार्द्ध)	35/-
(145)	संस्कार मंजूषा (उत्तरार्द्ध)	60/-
(146)	पुष्पांजलि	301/-
(147)	स्वतंत्रता संग्राम में जैन	301/-
(148)	प्रतिष्ठा पराग	120/-
(149)	वास्तु विज्ञान	40/-
(150)	ज्योतिष विज्ञान	90/-
(151)	वर्तमान चौबीसी विधान (अर्थ सहित)	40/-
(152)	सिद्धचक्र विधान (अर्थ सहित)	80/-
(153)	श्री जिनेन्द्र पूजा पाठ (अर्थ सहित)	45/-
(154)	आत्मा से परमात्मा का विज्ञान	100/-
(155)	पद्म पुराण के अमृत बिन्दु	15/-
(156)	शरद पूर्णिमा (कहानी संग्रह–1)	20/-
(157)	जय जिनेन्द्र (कहानी संग्रह–2)	20/-
(158)	क्षमा (कहानी संग्रह–3)	20/-
(159)	भारती (कहानी संग्रह–4)	20/-
(160)	अहिंसा की महिमा (नाटक)	20/-
(161)	सच्चे साथी (नाटक)	20/-
(162)	कुन्द कुन्द दर्शन	15/-
(163)	रत्नाञ्जलि	300/-
(164)	संकट चौथ व्रत कथा	5/-
(165)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग–3)	20/-
(166)	चंदन षष्ठी विधान	15/-
(167)	श्री मज्जिनार्चना	60/-
(168)	परीक्षण के सोपान	30/-
(169)	विवेक मंजूषा	50/-
(170)	आचार्य परम्परा (रंगीन एलबम)	150/-
(171)	चारित्र शुद्धि (मंत्र सहित)	30/-
(172)	चारित्र शुद्धि विधान	120/-
(173)	बहु कैसी	15/-
(174)	अच्छी सास	20/-
(175)	पलायन क्यों	20/-
(176)	शांति पथ प्रदर्शन	20/-
(177)	त्रिलोक सार	500/-
(178)	धर्म सत्ता	10/-
(179)	हे मृत्यु स्वागतम्	40/-
(180)	भोगोपभोग परिणाण	15/-
(181)	सात कोड़ी राज्य	10/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(182)	ग्वाले का उद्धार (नाटक)	30/-
(183)	एक दिन का सच (नाटक)	30/-
(184)	अंजना सती (नाटक)	30/-
(185)	देश की आवाज (नाटक)	30/-
(186)	अत्याचार (नाटक)	30/-
(187)	दहेज दानव (नाटक)	30/-
(188)	सोन की ईंट (नाटक)	30/-
(189)	विश्वास दिगम्बर भेष में (नाटक)	30/-
(190)	नेमी वैराग्य (नाटक)	30/-
(191)	राग से वैराग्य (नाटक)	30/-
(192)	सत्ता के पार (नाटक)	30/-
(193)	अर्हंत प्रवचनम्	30/-
(194)	सिद्धांत सार	40/-
(195)	सुक्ति मुक्तावलि एवं सुभाषित संग्रह	40/-
(196)	आस्रव त्रिभंगी	30/-
(197)	वर्णी विचार	15/-
(198)	मर्यादा (कहानी)	40/-
(199)	अर्पणा (कहानी)	40/-
(200)	चारित्र चक्रवर्ती	300/-
(201)	अनर्थदण्ड क्या ?	40/-
(202)	सम्यक्त्व कौमदी	80/-
(203)	आदिपुराण भाग–1	500/-
(204)	आदिपुराण भाग–2	350/-
(205)	हरिवंशपुराण	500/-
(206)	सुदर्शन चरितम	150/-
(207)	पुराण सार संग्रह	120/-
(208)	प्रश्नोत्तर	120/-
(209)	अमरसेण चरिउ	150/-
(210)	मेरुमंदिर पुराण	220/-
(211)	अष्टपाहुड़	400/-
(212)	स्वाध्याय भाग–1	120/-
(213)	स्वाध्याय भाग–2	100/-
(214)	पांडव पुराण	180/-
(215)	नेमावर का जैन पुरातत्व	20/-
(216)	दीपावली पूजन	10/-
(217)	अंतिम संस्कार	50/-
(218)	जैन विवाह विधि	30/-
(219)	कुंदकुंद दर्शन	10/-
(220)	कुतर्क की कैंची से कटता समाज	निःशुल्क
(221)	बचे विस्फोट से (उत्तम क्षमा धर्म)	45/-
(222)	बचें मान के सम्मान से (उत्तम मार्दव धर्म)	55/-
(223)	बचे नागिन से (उत्तम आर्जव धर्म)	45/-
(224)	बचें पाप की जड़ से (उत्तम शौच धर्म)	45/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(225)	करे सत्य का वरण (उत्तम सत्य धर्म)	30/-
(226)	अमृत का प्याला (उत्तम संयम धर्म)	80/-
(227)	तप से तपन दूर (उत्तम तप धर्म)	80/-
(228)	तरुवर बनो सरोवर नहीं (उत्तम त्याग धर्म)	60/-
(229)	मूर्च्छा त्यागो (उत्तम आकिंचन्य धर्म)	45/-
(230)	बड़े ब्रह्म की ओर (उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म)	60/-
(231)	इष्टोपदेश	20/-
(232)	परमार्थ देशना	45/-
(233)	व्रत पर्व पूजाञ्जलि	100/-
(234)	पत्र परीक्षा	30/-
(235)	दिशा-बोध (संस्मरण भाग-2)	30/-
(236)	भक्तामर स्तोत्र (अर्थ सहित)	10/-
(237)	श्रुत आराधना	30/-
(238)	दिग्दर्शन जैन न्याय दर्शन	100/-
(239)	पार्श्वनाथ विधान	10/-
(240)	ऋषिमंडल विधान	25/-
(241)	कल्याण मंदिर स्तोत (अर्थ सहित)	10/-
(242)	विषापहार स्तोत्र (अर्थ सहित)	20/-
(243)	काल चिंतन संस्कार प्रवाह (भाग-1)	
(244)	काल चिंतन संस्कार प्रवाह (भाग-2)	
(245)	जैन मनोविज्ञान	25/-
(246)	विद्यासागर (बाल कविता)	25/-
(247)	नये जूते (बाल कहानी)	25/-
(248)	गुलेल (कहानी)	25/-
(249)	सत्यमेव जयते (कहानी)	25/-
(250)	अभिषेक (कहानी)	25/-
(251)	मुमुक्षु (कहानी)	25/-
(252)	साक्षी (कहानी)	25/-
(253)	गुलगुला महाराज (कहानी)	25/-
(254)	क्या है ? राजवार्तिक में	20/-
(255)	दुनिया भर की बातें (भाग-1)	100/-
(256)	दुनिया भर की बातें (भाग-2)	100/-
(257)	दुनिया भर की बातें (भाग-3)	100/-
(258)	दुनिया भर की बातें (भाग-4)	100/-
(259)	कल्याणमंदिर विधान	20/-
(260)	इष्टोपदेश	20/-
(261)	न्याय विनिश्चय	100/-
(262)	कुरल काव्य	30/-
(263)	स्वयंभू स्तोत्र के विविध आयाम	50/-
(264)	विराट स्वरूप विद्यासागर	150/-
(265)	धर्म रत्नाकर	600/-
(266)	भरतेश वैभव	600/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(267)	मूलाचार प्रदीप	500/-
(268)	संस्कार मंजूषा	300/-
(269)	पञ्चाध्यायी	400/-
(270)	लघु तत्वस्फोट	300/-
(271)	मरणकण्डिका (सल्लेखना)	300/-
(272)	बोधिवृक्ष	100/-
(273)	शांतिपथ प्रदर्शन	120/-
(274)	जिन सरस्वती	150/-
(275)	णमोकार ग्रंथ	280/-
(276)	धर्मामृत	100/-
(277)	धनकुमार चरित्र	100/-
(278)	प्रश्नोत्तर	120/-
(279)	चन्द्रप्रभ चरित्र	80/-
(280)	शांतिनाथ पुराण	150/-
(281)	पार्श्वपुराण	80/
(282)	छहढाला (शास्त्र)	100/-
(283)	मल्लिनाथ पुराण	100/-
(284)	महावीर पुराण	100/-
(285)	चौबीसी पुराण	100/-
(286)	श्रीपाल चरित्र	250/-
(287)	विवेक मंजूषा	120/-
(288)	सम्यक्त्व मंजूषा	150/-
(289)	प्रायश्चित (नाटक)	30/-
(290)	न्याय विनिश्चय	120/-
(291)	अपराजित शतक भाग-1	100/-
(292)	अपराजित शतक भाग –2	100/-
(293)	वरांग चरित्र	300/-
(294)	पुण्याश्रव कथा कोष	250/-
(295)	आराधना कथा कोष	250/-
(296)	संस्मरण	20/-
(297)	भक्तामर मंगल गीता	20/-
(298)	ध्यानोपदेश कोष	30/-
(299)	प्रकृति परिचय	22/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(300)	कर्म विपाक	30/-
(301)	आचार्य छत्तीसी विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	15/-
(302)	पार्श्वनाथ विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	15/-
(303)	पंचपरमेष्ठी विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	25/-
(304)	भक्तामर विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	15/-
(305)	शांति विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	25/-
(306)	नित्यपूजा संग्रह (आ. पूर्णमति माताजी)	60/-
(307)	तीर्थंकर विधान(आ. पूर्णमति माताजी)	60/-
(308)	चौंसठ ऋद्धि विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	25/-
(309)	अर्हंत चक्र विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	120/-
(310)	सिद्धचक्र विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	100/-
(311)	तत्त्वार्थ सूत्र विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	50/-
(312)	महावीर विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	20/-
(313)	अष्टशती	200/-
(314)	भरतेश वैभव	600/-
(315)	सम्यगदर्शन चंद्रिका	700/-
(316)	आप्तकाम उपन्यास	200/-
(317)	लघुतत्त्व स्फोट	300/-
(318)	सुभाषित रत्नावली	200/-
(319)	सुदर्शन चरित्र	150/-
(320)	भक्तामर अनुष्ठान	20/-
(321)	जैन व्रत पूजा कथायें	100/-
(322)	जैन व्रत पर्व पूजांजलि	50/-
(323)	जैन व्रत कथायें (60 कथायें)	80/-
(324)	सी एण्ड नॉव (भाग-1) अंग्रेजी	40/-
(325)	सी एण्ड नॉव (भाग-2) अंग्रेजी	40/-
(326)	सी एण्ड नॉव (भाग-3) अंग्रेजी	50/-
(327)	आरती संग्रह	20/-
(328)	जैनः वाङ्मय एक नजर में	25/-
(329)	श्री पार्श्वनाथ स्तोत्र विधान	25/-
(330)	लघुजिन विधान	25/-

इसके अलावा अन्य प्रकाशनों का भी साहित्य उपलब्ध है। ✻ जिनवाणी के प्रचार प्रसार हेतु प्रकाशन में सहयोग देकर पुण्य अर्जित करें।

सहयोग हेतु दान राशि

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट
स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704350

संस्कार सागर

स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704338

श्री दिगम्बर जैन युवक संघ

आईसीआईसीआई –खाता क्रमांक -004101045675

बैंक द्वारा ऑनलाईन भी जमा करा सकते हैं
श्री दि. युवक संघ का आईडीबीआई बैंक खाता क्र. 155104000037022
भारतीय स्टेट बैंक में ब्र. जिनेश मलैया का खाता क्र. 30682289751
ओरिएंटल बैक ऑफ कामर्स में खाता क्र. 07882151004198

श्री दिगम्बर जैन पंच बालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर, विद्यासागर नगर, बॉम्बे हास्पिटल के पास, ए.बी. रोड़, इन्दौर –10

फोन नं. : 0731–2571851,4003506,8989505108

अपने आसपास निःशुल्क पथरी दवाई प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें

सुलभ जैन, कुरवाई (म.प्र.)	9893486384
अशोक कंठाली, सुसनेर (म.प्र.)	98425935470
प्रदीप जैन, आरोन (म.प्र.)	9425720763
मीना चौधरी, भोपाल (म.प्र.)	9827335626
ज्ञानचंद जैन, आष्टा (म.प्र.)	9926546221
शिखरचंद जैन,टीकमगढ़(म.प्र.)	9406756564
जय जिनेन्द्र किराना, कटनी (म.प्र.)	07622-504269
देवेन्द्रकुमार जैन, बीना (म.प्र.)	9425452825
राजेश मलैया, रहली (म.प्र.)	9303225656
देवेन्द्रसिंघई, सिलवानी (म.प्र.)	7898846011
मनोज जैन, भानपुरा (म.प्र.)	9300383124
सतीश गोहिल, सिरोंज (म.प्र.)	8978656675
देवेन्द्रकुमार जैन,बीना (म.प्र.)	9425452825
डॉ. प्रशांतकुमार जैन, राघौगढ़ (म.प्र.)	9425045179
डॉ. ए.के. जैन, विदिशा (म.प्र.)	9179127772
धनकुमार जैन, सीहोर (म.प्र.)	9425938201
डॉ. प्रदीप जैन, छतरपुर (म.प्र.)	9424923726
अरविंद जैन, मनासा (म.प्र.)	9425922233
कमल चौधरी, राहतगढ़ (म.प्र.)	9300004458
मनीष जैन, जबलपुर (म.प्र.)	9425382401
जवाहरलाल जैन, खंडवा (म.प्र.)	9424526349
सुमेरचंद सिंघई, तेंदूखेड़ा (म.प्र.)	9009527928
प्रेमनारायण जैन, बरेली (म.प्र.)	07486-230304
विद्या मूलचंद जैन, सोहागपुर (म.प्र.)	9993960266
प्रदीपकुमार जैन, आरोन (म.प्र.)	9425720763
शंभूकुमार बाकलीवाल, खातेगांव (म.प्र.)	9893155967
राकेश सिंघई, मंडला (म.प्र.)	9826276108
विनोद चौधरी, गोटेगांव (म.प्र.)	9424997927
मुकेश जैन, वाड़ी (म.प्र.)	
मनीष जैन, टीकमगढ़ (म.प्र.)	9131998788
महेन्द्र सौंधिया, सागर (म.प्र.)	9425170745
संदीप जैन, तेंदूखेंडा (म.प्र.)	9424303646
सुखमाल जैन, जरूआखेड़ा (म.प्र.)	9039213877
पदम जैन,बांसा तारखेडा (म.प्र.)	9993967757
प्रदीप जैन,नरसिंहपुर (म.प्र.)	9424301254
संतीश गोयल, सिरोंज (म.प्र.)	8878656675
औषधालय द्रोणागिरि (म.प्र.)	
नीरज जैन, दिल्ली	9810035356
अशोकजी जमादार, दिल्ली	9810210357
अतुल जैन, दिल्ली	9910059332
मुकेश जैन, ऋषभविहार दिल्ली	9818855130
अजितप्रसाद, सब्जीमंडी दिल्ली	11-35350324
गोपाल लोड़ा, भीलवाड़ा (राज.)	9829604582
मुकेश जैन, गाजियाबाद (उ.प्र.)	8439570898
सुरेन्द्र जैन, मथुरा (उ.प्र.)	9412729442
डॉ.ज्योति जैन, खतौली (उ.प्र.)	9412889449
छोटे पहलवान, ललितपुर(उ.प्र.)	9451659168

डॉ. गरीबे, कारंजालाड़(उ.प्र.)	9850366891
	9870184315
अनमोल ट्रेडर्स, ललितपुर(उ.प्र.)	9450035330
रमेशचंद जैन, सहारनपुर(उ.प्र.)	9761225590
विभोर जैन, मेरठ (उ.प्र.)	9719114442
जिनेन्द्र जैन, मंडावरा (उ.प्र.)	9452622295
अनिल जैन, महरौनी (उ.प्र.)	7007822203
संजय चौधरी, झाँसी (उ.प्र.)	9415588959
डॉ. प्रतिभा पांडे, औरंगाबाद(महाराष्ट्र)	9860820784
मुनीश जैन एडवोकेट, मुंबई(महाराष्ट्र)	9323811455
सोमचंदजी, भुलेश्वर मुंबई(महाराष्ट्र)	9920296697
नरेन्द्रकुमार सा.शिरपुर (वाशिम)	8888117177
डॉ. नितिनजी, (परभणी)(महाराष्ट्र)	9552229680
निखिल पाटिल,कोल्हापुर (महाराष्ट्र)	9730626592
धन्यकुमार जैन, साबरमति(गुजरात)	7874530667
श्रेयांस जैन, अहमदाबाद(गुजरात)	9426544317
ओमप्रकाशजी, अहमदाबाद(गुजरात)	9227411031
सुरेश जैन, हिम्मतनगर(गुजरात)	0277-2240930
अशोक जैन, केकड़ी (राजस्थान)	9214528077
कनकमल जैन, परतापुर (राजस्थान)	9929217250
सुमतिलाल जैन, निंबाहेड़ा(राजस्थान)	9414832352
विमलचंद कंजोलिया,झालावाड़ा(राजस्थान)	9251487922
जिनेन्द्र जैन, सुमेरपुर (राजस्थान)	9414123025
कनकमल जैन,परतापुर (राजस्थान)	9929217250
पारस जैन, जयपुर (राजस्थान)	9414047506
संजय जैन, रामगंजमंडी (राजस्थान)	9269559099
संजय जैन, अम्बालाकैंट (हरियाण)	9215926605
	9466843200
राजकुमार चौधरी, नारनौल(हरियाणा)	9416704407
मोतीलाल जैन, नारनोल (हरियाणा)	9416939939
राजेन्द्र अजमेरा, धनबाद(बिहार)	9423180208
नवीनकुमार जैन,खड़गपुर(पं.बंगाल)	9474896686
संजय जैन, (मुम्बई)	9869403383
राजेन्द्र कुमार जैन, मेरठ	9837248579
जगदीश प्रसाद जैन, आगरा	9359906721
जितेन्द्र जैन,मण्डद्वीप (रायसेन)	9827583943
सुरेश लुहाडिया,बिजोलिया	9649031693
ब्र.अजित भैया,शिखरजी झारखंड	9472721531
केसी जैन, देवास	8962002693
मुकेश जैन, पिड़ावा	8058758111
दिलीप बड़जात्या, धमतरी	9425214790
गोपाल कृष्णवर्मा, जीरापुर राजगढ़	9754293058
जितेन्द्र जैन, मंडीबामोरा	9827583943
पीयुष जैन, कोटा	7737888778
सतीश रविन्द्र साखरे, भुसावल	8862005538
सुनील जैन, सौंरई	9935920373
सोना जैन, गेरतगंज	6260731288

चलो देखें यात्रा

अंतरिक्ष पार्श्वनाथ शिरपुर

महत्व एवं दर्शनः क्षेत्र पर 3 मंदिर है। अतिशय क्षेत्र और अधिष्ठाता अंतरिक्ष पार्श्वनाथ भारत भर में प्रसिद्ध हैं। यह मंदिर चोलवंशी श्रीपाल ने बनाया था। क्षेत्र पर 2 प्राचीन एवं एक नूतन पार्श्वनाथ मंदिर है। गांव के मध्य मंदिर में श्री 1008 अंतरिक्ष पार्श्वनाथ की प्राचीन प्रतिमा जमीन से ऊपर (अंतरक्षि में) विराजमान है। यह मंदिर अष्टकोण आकर्षक बना हुआ है। इस मंदिर के पास भी धर्मशाला है। दिगम्बर जैन गद्दी यही है। प्रांगण के झरोखे से पार्श्वनाथ के दर्शन होते हैं। नियत समय पर मंदिर प्रवेश भी होता है। यहाँ पर भट्टारकों की मूर्तियाँ भी हैं। पवली का दिगंबर मंदिर गांव के बाहर है। दो हेमाड़पंथी मंदिर काले पत्थर से निर्मित बगीचे में है। यहां की ईंटे पानी में तैरती है। जलकुंड में स्नान करने से शरीर के रोग ठीक हो जाते हैं। पवली मंदिर के पास भी धर्मशाला है।

मार्गदर्शनः क्षेत्र कारंजा से मंगरूलपीर होते हुये 85 किमी है। मालेगांव से 11 किमी है। वाशिम से होते हुये भी पहुंच सकते है- 30 किमी., अकोला 71 किमी है। वाशिम-खंडवा-पूर्णा रेलवे लाईन पर है। बस स्टेण्ड से क्षेत्र 500 मीटर दूर है। कारंजा-85, वाशिम- 30, लोनार-55, जिंतूर-100, अकोला-71 किमी।

नाम एवं पताः श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ दिगंबर जैन संस्थान, पो. शिरपुर जैन, तह. मालेगाव, जि. वाशिम सम्पर्क सूत्र अध्यक्ष- पवली मंदिर श्री चवरे (कारंजा) 9881900686 श्री संजय 94217938592, प्रबंधक- निकलंक निकेतन- 9970696412

सुविधायेंः सुविधायुक्त 10 कमरे, सामान्य 10 एवं 3 हॉल है। भोजन सशुल्क अनुरोध पर उपलब्ध है। धर्मशाला (दिगम्बर) 234008, मंदिर के निकट ही श्वेताम्बर धर्मशाला है। चार धर्मशालायें हैं। निकलंक निकेतन सर्वसुविधा युक्त है। फोनः 07254-234005

कोनारः प्राकृतिक रूप में बली विशाल एवं गहरी लेक यहां लगभग 55 किमी है। संसार में तीसरी बड़ी लेक है। यहां गोमुख श्री है। जो धार्मिक आस्था का केन्द्र है।

कविता

गिरनारी के सरताज

नेमीनाथ भगवान तो, मोक्ष गये दिन आज।
कर्म नाश जो सिद्ध भये, गिरनारी के सरताज॥
यदुवंशी महाराज के, राजकुवर थे आप।
सम्यक् धर्म को धारकर, हरे सबई के संताप॥
धर्म अहिंसा धारकर, किया जगत कल्याण।
निज को निज में लखा, हुआ स्वयं का भान॥
तीर्थंकर प्रभु आप हैं, तीर्थ बने शुभ धाम।
निर्मल मन को तार दें, नेमीनाथ भगवान

आगम दर्शन

पारसनाथ की भक्ति स्तोत्र कल्याण मंदिर

'कल्याण मंदिर' स्तोत्र में 44 पद्य हैं। रचियता का नाम कुमुदचन्द्र आया है। जो सिद्धसेन का दीक्षा नाम है। स्तोत्र में पार्श्वनाथ भगवान की स्तुति की गयी है। प्रारंभ में कवि ने अपनी अल्पज्ञता का निर्देश किया है। भगवान के मात्र नामोच्चरण का वर्णन का निर्देश किया है। नामोच्चरण का वर्णन करते हुये कवि कहते हैं-

हे देव ! आपके स्तवन की अचिन्त्य महिमा है। आपका नाममात्र भी जीवों को संसार के दुखों से बचा लेता है। जिस प्रकार ग्रीष्म ऋतु में धूप से पीड़ित व्यक्ति की, कमलयुक्त सरोवर तो सुख पहुँचाते ही हैं, पर उन सरोवरो की शीतलवायु भी सुख पहुँचाती है।

कामजयी वीतराग का महत्व प्रतिपादित करते हुये कवि ने समीक्षात्मक और तुलनात्मक शैली में लिखा है।-

जिस काम ने हरि, हर, ब्रम्हा आदि महापुरुषों को पराजित कर दिया, उस काम को आपने पराजित कर दिया है, यह आश्चर्य की बात नहीं है। अतः जो जल संसार की समस्त अग्नि को नष्ट करता है, उस जल को बड़वानल नामक समुद्र की अग्नि नष्ट कर देती है।

संसार में प्रायः देखा जाता है कि क्रोधी, मनुष्य ही शत्रुओं को जीतते हैं। पर भगवन् ! आपने क्रोध को नवम गुणस्थान में ही जीत लिया था।

हे नाथ ! जिस प्रकार तेजस्वी राजा के दिखते ही चोर चुराई हुई गायों को छोड़कर शीघ्र ही भाग जाते हैं, उसी प्रकार आपके दर्शन होते ही अनेक भयंकर उपद्रव मनुष्यों को छोड़कर भाग जाते हैं।

संक्षेप में यह स्तोत्र अत्यंत सरस और भावमय है। प्रत्येक पद्य से भक्तिरस निस्यूत होता है।

सिद्धसेन दार्शनिक और कवि दोनों हैं। दोनों में उनकी गति अस्खलित है। जहाँ उनका काव्यत्व उच्च कोटि का है। वहीं उनका उसके माध्यम से दार्शनिक विवेचन भी गंभीर और तत्व प्रतिपादन पूर्ण है। ओजगुण इनकी कविता का विशेष उपकरण है।

बाबा की सीख

दिशा शूल

✻ अशोक पाटनी, आर.के.मार्बल्स ✻

हर बुजुर्ग अपने बेटे नाती पोतों को ज्योतिष के संदर्भ में बहुत सारी बातें सिखाया करते हैं। प्रायः अंधविश्वास, मिथ्यात्व और व्यसन हमें अपने बुजुर्गों से ही मिलते हैं। कई प्रकार के अज्ञात भयों का मानसिक विकार की जड़ में परिवार की भूमिका होती है। मेरा सौभाग्य ऐसा रहा कि मेरे बाबा ने मुझे हर पल अंधविश्वास से बचाया है। एक दिन की बात है। मैने बाबा से कहा बाबा आज मेरा एक व्यापार समझौता होने जा रहा था। पर क्या बताऊँ आज की जगह वह कल हो पायेगा। बाबा ने मेरे से कहा क्यों बेटा ऐसा क्यों हो पायेगा। मैंने कहा बाबा मद्रास जाना था आज परंतु दिशाशूल होने की वजह से मैं आज मद्रास नहीं जा रहा हूँ।

बाबा ने कहा बेटा मेरी एक बात तुम खूब ध्यान से सुन लो। जिस दिशा में दिशा शूल हो उस दिशा में हमें जरूर जाना चाहिये। क्योंकि इस दिशा में कोई व्यापारी जायेगा नहीं और हम जायेंगे। तो हमें बहुत सारा लाभ होगा। मैंने बाबा से कहा अगर दिशाशूल में जाते हैं। तो काम बिगड़ते हैं बनते नहीं हैं। कई लोग तो यहां तक कहते हैं कि यदि दिशाशूल में हम यात्रा करते है तो मृत्यु भी हो सकती है या फिर बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। बाबा ने कहा मेरे बेटे में तुझे कैसे समझाऊँ। जब हमारे पुण्य का उदय होता है। तो सारी दिशायें सारे देवी-देवता अनुकुल हो जाते हैं। और जब पाप का उदय होता है। तो सब प्रतिकूल होते हैं। पुण्य के पीछे सारी दुनिया चलती है। इसलिये तुम अपने पुण्य पर भरोसा रखो। पुण्य बताया 9 बार णमोकार मंत्र पढ़कर या जिनेन्द्र के दर्शन करके यात्रा पर निकल पड़ो सब दिशाशूल ठीक हो जायेगा।

कविता

पतन

मैंने उठने की सोची पर उठ नहीं पाया
मैने उड़ने का सोचा, पर उड़ नहीं पाया
उड़ान की दिशायें, दी नहीं किसी ने
स्वयं से सोचकर निर्णय नहीं कर पाया
बोझिल हुआ अपनी चिन्ताओं से
दूसरों के चिन्ता से ईर्ष्या से भरा रहा
अपनी चेतना में सद्गुणों का प्रवेश नहीं करने दिया
हो गया पतन के द्वार पर खड़ा
भूला प्रयोजन हो गया पतन

समस्या पूर्ति प्रतियोगिता
जुलाई 2023

राहु के चंगुल में

प्रथम-

सुंदर चंदा सब मन भाये
जन जन को यह खूब लुभाये
तारे चमके आसमान में
चंदा राहु के चंगुल में ।

श्रीमती रजनी जैन, राहतगढ़

द्वितीय-

संकट में चंदा मामा है
राहू उसको निगल रहा है
मायूसी है नील गगन में
अब राशि राहू के चंगुल में

आयुषी जैन, गंजबासौदा

तृतीय-

अब आ जाये किस पर संकट
कहा नहीं जा सकता
सदाबहार हंसने बालों की
हालत होती खसता
ग्रहण दशा में चंदा अपना कोई
अशुभ रहा है फल में

खुशबु जैन, गुना

वर्ग पहेली क्र. 284
जून 2023 के विजेता

प्रथम : श्रीमती अनीता जैन, भोपाल
द्वितीय : कल्पना जैन, अहमदाबाद
तृतीय : रेखा जैन, मुम्बई (महाराष्ट्र)

माथा पच्ची

निम्न अक्रमबद्ध वर्णों कोक्रमबद्ध बनाकर रिक्त स्थान में एक सार्थक शब्द बनाइए।

1. आ द् अ द्द अ द्ध ण् आ अ ल् अ र् ष् द्द
2. ई ओ अ स् आ क् अ र् अ प् र् व् न् त् त् र् सं
3. क् इ ओ त् इ आ य् ग् त् इ आ इ न् द् ए द् श प्र
4. स् अ र् अ आ आ द् आ स् अ व् इ र् अ उ र् प् अ व् द् य् ग वि
5. अ स् क् आ र् अ आ स् ग् अ र् सं

परिणाम :
अगस्त 2022: (1) संस्कार सागर (2) जैन संदेश (3) कुन्दकुन्द वाणी (4) अर्हत वचन (5) शोधादर्श

संस्कार सागर सम्पर्क: 8989505108

पुराण प्रेरणा

लक्ष्मी त्याग

विषयेषु तदैवासो विदां निर्विविदे वरः ।
लक्ष्मीमभ्यर्ण मोक्षाणां क्षेसुं किं वा न कारणम् ।।

ज्ञानियों में श्रेष्ठ अजितनाथ स्वामी उसी समय विषयों से विरक्त हो गये सो ठीक ही हैं क्योंकि जिन्हें शीघ्र ही मोक्ष प्राप्त होने वाला है उन्हें लक्ष्मी को छोड़ने के लिये कौन सा कारण नहीं मिल जाता।

कदाचिदृतिषेणोऽभूत कृतान्तमुखगह्वरे ।
केनापि हेतुना किं वा न मृत्योहेतुतां व्रजेत् ।।

एक दिन किसी कारणवश रविषेण की मृत्यु हो गई सो ठीक ही है क्योंकि मृत्यु का कारण क्या नहीं होता ? अर्थात् जब मरण का समय आता है तब सभी मृत्यु के कारण हो जाते हैं।

प्रलयः प्राप्तकालस्तावालिलिङ् यमाग्रगः ।
लब्धरन्ध्रा न तिष्ठेयुरकृत्वत्पकृतिः द्विषः ।।

उस समय अवसर पाकर यमराज के आगे-आगे चलने वाली मूर्च्छा ने उन दोनों का आलिंगन किया अर्थात् वे दोनों मूर्च्छित हो गये सो ठीक ही है क्योंकि छिद्र प्राप्त करने वाले शत्रु उपकार किये बिना नहीं रहते।

विग्रहं तद्गृहं मत्वा निगृहीतुं कृताग्रहः ।
हन्तुं यमं समुद्युत्कस्नद्धि युक्तं मनस्विनाम् ।।

तदनन्तर वह इस शरीर को दुःख को घर मानकर उसका निग्रह करने के लिये आग्रह करने लगा। और यमराज को मारने के लिये उद्यत हुआ सो ठीक ही है क्योंकि मनस्वी मनुष्यों को यही योग्य है।

कविता

मुक्ति का द्वार

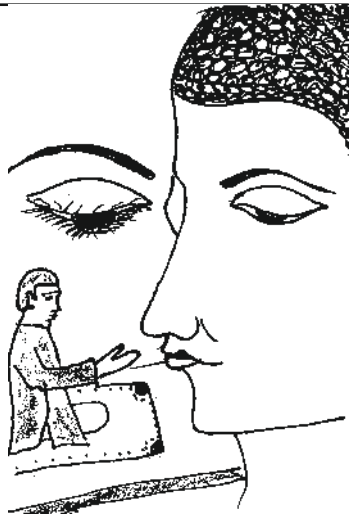

बँधनों में बंधा हूँ मैं मुक्त होने की चाहत है
पींजरा ये पखेरु का तोड़, उड़ने की चाहत है
सोचने से नहीं टूटे, अभी प्रयास है बाकी है
मैं किस्मत पर नहीं रोता, मोक्ष तो दिल की चाहत है
कर्म तो तेरा होता है, नहीं कर फल की तूँ आशा
त्याग दे कर्म फल सारे, पलट दे भाव का पाँसा
त्याग तो ये ही सच्चा,अहं गम छोड़ दे सारे
भेद विज्ञान अब कर ले, यही है मुक्ति का द्वार

केरियर

इंटरनेट की क्रांति और रोजगार

आज इंटरनेट के विकास की हर जगह चर्चा है। इंटरनेट के माध्यम से विश्व के किसी भी देश से घर बैठे सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। उनसे सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा सकता है।

अनेक लोगों के मन में यह उत्सुकता होना स्वाभाविक है कि इंटरनेट है क्या बला ? वास्तव में इंटरनेट विश्व भर के तमाम कम्प्यूटर नेटवर्कों के कनेक्शन को जोड़कर बनाया गया विशालतम कम्प्यूटर नेटवर्क है। जिसके द्वारा दुनिया भर के लाखों कम्प्यूटर से सम्पर्क जोड़ा जा सकता है। इस प्रकार इंटरनेट के कारण संचार की दुनिया में अनूठी क्रांति आ गई है।

शिक्षा, संस्कृति, मनोरंजन, प्रशासन, बाजार, मीडिया, उद्योग आदि हर क्षेत्र में इंटरनेट की भागीदारी हो गई है और धीरे-धीरे यह बढ़ती जा रही है। इसी कारण इंटरनेट के क्षेत्र में कैरियर की संभावनायें भी असीमित हैं। आज अनेक बेरोजगारों को इससे नये क्षेत्र में रोजगार प्राप्त हो रहा है।

पाठ्यक्रम- 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात छात्र इंटरनेट संबधित पाठ्यक्रम को अपना सकता है। किसी भी संकाय में उत्तीर्ण छात्र इंटरनेट की दुनिया में बहुआयामी कैरियर बना सकते हैं। इसके लिये अलग-अलग तकनीकी कोर्स हैं जो दीर्घकालिक अथवा लघुकालिक पाठ्यक्रम 24 घंटे से लेकर 4 वर्ष तक के विभिन्न पाठ्यक्रम हैं। 1. सर्टिफिकेट इन इंटरनेट एल्पीकेशन कोर्स, 2. सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरनेट, 3. जी.एन.आई.आई.टी., 4. अंशकालिक पाठ्यक्रम एन.टी.सर्वर कोर्स, 5. कारपोरेट ट्रेनिंग ऑन इंटरनेट पॉवर यूजर, 6. इंटरनेट वेब पेज डिजाइनिंग, 7. वेब डिजाईनर, वेब डेवलोपर एवं वेब इंजीनियर इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाकर आप अपने कैरियर को सुदृढ बना सकते हैं।

कविता

औरों के वरदान

आँखों के आंसू पोंछना कितना कठिन है
दूसरों के दर्द को समझना कितना कठिन है
स्वयं के दर्द में बहा लेते हैं आँसूपर होता है आर्त ध्यान
यही सबसे बड़ा है अज्ञान,
काश ! हम दूसरों के दर्द में बहाते आँसू तो बन जाते हैं करूणानिधान
दुनिया याद करती कोई, व्यक्ति था इस दुनिया में महान
दुख में सब प्रभु को याद करते हैं
अपने दुख का रोना ईश के सामने रोते हैं
जो दूसरे के दुख में रोता है, वही होगा सच्चा इंसान
प्रभु से मांगो औरों को वरदान

■ 1 जून

- सूर्य किरण एयर क्राफ्ट वायुसेना का क्रेश हुआ दोनों पायलेट बचे।

- भारतीय मूल के अमेरिकी छात्र सात्विक कन्नन ने यंग साइंटिस्ट अवार्ड जीता।

- राजौरी में 150 करोड़ के ड्रग्स पकड़े गये दो व्यक्ति गिरफ्तार हुये।

■ 2 जून

- बालासोर (उड़ीसा) कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतरी 50लोगों की मौत हुई। 179 घायल हुये।

- नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में दर्शनार्थ आये।

- देशद्रोह कानून को और कठोर बनाने के लिये विधि आयोग ने 7 वर्ष की सजा देने की शिफारिश की।

■ 3 जून

- उड़ीसा के बालासोर ट्रिपल ट्रेन हादसे में मरने वालों की संख्या 288 पहुँची।

- दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को हाईकोर्ट से 7 घंटे की अंतरिम राहत मिली किन्तु वे अपनी बीमार पत्नी से नहीं मिल सके।

- भारतीय अमेरीकी अजय बंगा ने विश्व बैंक के अध्यक्ष पद को सम्हाला।

■ 4 जून

- सुल्तानगंज (बिहार): गंगा नदी फोरलेन पर पुल गिरा 200 मीटर की धारा रूक गई।

- चीन के सिचुआन प्रांत में एक पहाड़ ढहने से 14 लोगों की मौत हुई।

- भारतवंशी जसपाल सिंह जुटला को धोखा धड़ी के मामले में ब्रिटेन में 3 साल की सजा सुनाई।

■ 5 जून

- तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी की पत्नी रूजीरा नरूला बनर्जी को दुबई जाने से रोका।

- ढ़ाई करोड़ के इनामी नक्सली नेता कट कम आनंद उर्फ सुदर्शन कटकम की मौत हुई।

- अमेरिका के मैसा चुसेट्स के स्पेंसर का चर्च 160 वर्ष पुराना आकशीय बिजली से जला।

■ 6 जून

- नई दिल्ली: एन.सी.बी. ने डार्क बेव पर बिक रहे 15000 ड्रग्स की पैकेट पकड़े 6 लोगों को गिरफ्तार किया।

- जलगाँव (महाराष्ट्र) के 34 मंदिरो में वस्त्र संहिता लागू किये जाने की घोषणा हुई।

- कर्नाटक सरकार के पालन मंत्री के वेंकटेश ने कहा भैंस काट सकते है गाय क्यों नहीं इस बयान का भाजपा ने सकड़ पर उतरकर विरोध किया।

■ 7 जून

- मणिपुर दंगे में अब तक 98 लोगों ने जान गवाई। आज एंबुलेंस में आग लगाई 3 लोग मां बेटे सहित जिंदा जले।

- लखनऊः कोर्ट परिसर में मुख्तार के करीबी गेंगस्टर संजीव महेश्वरी जीवा की गोली मारकर हत्या हुई हमलावर वकील के रूप में था।

- कनाडा सरकार 700 भारतीय छात्रों को बाहर निकाला इनके दस्तावेज फर्जी थे।

■ 8 जून

- भयंदरः मनोज साने ने लिव इन पार्टनर महिला सरस्वती वैद्य की हत्या कर कुकर में टुकड़े कर उबाल कर फेंके।

- सीहोरः जिले के मुंगावली ग्राम में 300 फीट गहरे बोरबेल में गिरी 3 साल की बच्ची सृष्टि नहीं बची।

- दमोहः गंगा जमुना स्कूल में हिजाब मामले के साथ नमाज आयतें होमवर्क में देने पर एफ.आई.आर दर्ज की गई।

■ 9 जून

- सुप्रीम कोर्ट ने 2000 के नोट बंदी के खिलाफ शीघ्र सुनवाई याचिका खारिज की।

-मणिपुर में फिर हिंसा भड़की 4 और मौतें हुई भाजपा विधायक सोरइसम केबी के घर ग्रेनेड फेका गया।

- पवन कोतवाल ने लद्दाख के उपराज्य पाल के सलाहकार का पद सम्हाला।

■ 10 जून

- राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पंवार ने सुप्रिया सुल बेटी/ और प्रफुल्ल पटेल को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया।

- उड़ीसा के बालासोर जिले में स्थित बहानगा बाजार रेलवे स्टेशन को सीबीआई ने सील किया।

- गुजरात आतंकवादी निरोधी दस्ते ने एक महिला सहित चार आई.एस के आतंकी गिरफ्तार किये।

■ 11 जून

- कश्मीर घाटी में आई एस आई की साजिश उजागर हुई वह महिला और बच्चों को आतंक के कुएँ में ढकेल रही है।

- उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में भारी वर्षा से 34 लोगों की मौत हुई 100 से अधिक लापता हुये।

- पटनाः डी.आई.आई ने 7 करोड़ के स्वर्ण बिस्किट सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया।

■ 12 जून

- इटली के पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बुर्लुस्कोनी का निधन हुआ।

- जर्मनी में नाटो का सबसे बड़ा युद्ध अभ्यास शुरु हुआ इसमें 25 देशों ने भाग लिया।

- नीलाक्षी सिन्हा को जार्जिया में भारत की राजदूत नियुक्त किया गया।

■ 13 जून

- आँख और हाथ से दिव्यांग महवा दौसा निवासी गौरवयोगी ने सीनियर सेण्डरी परीक्षा मे 100% अंक हासिल किये।

- यूक्रेन के हमलों से रूस के पांच शहर तबाह हुये शेबेकिनो कस्बा वीरान हुआ।

- बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जतीन राम माँझी के बेटे संतोष सुमन ने नीतिश मंत्रीमंडल से इस्तीफा दिया।

■ 14 जून

- अशोक गहलोत ने लोक कला विकास बोर्ड बनाने की स्वीकृति दी।

- मणिपुर के खामेन लोक इलाके में हिंसा भड़कने से 9 लोगों की मौत हुई अन्य 10 घायल हुये।

- रिजर्व बैंक के गर्वनर शक्तिकांत दास को गर्वनर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया।

संस्कार सागर संपर्क: 8989505108

■ **15 जून**

- सौराष्ट्र के जखौ पोर्ट से भीषण चन्द्रवर्ती तूफान टकराया।

- दिल्लीः मुखर्जी नगर की एक इमारत में आग लगी यह आग शार्ट सर्किट से कोचिंग सेंटर में हादसे समय सेंटर में 300 बच्चे थे।

- कर्नाटक मे भाजपा सरकार के द्वारा लाये गये धर्मातरण कानून को कांग्रेस सरकार ने रद्द किया।

■ **16 जून**

- कुपवाड़ाः जिले की एल ओ सी के पास सुरक्षाबल के साथ मुठभेड़ में 5 विदेशी आतंकी मारे गये।

- इंफालः केन्द्रीय विदेश राज्यमंत्री आर. के. रंजनसिंह के आवास को उग्र लोगों ने जलाने का प्रयास किया।

- विपर जॉय चक्रवातीय तूफान से बिजली के खंबे गिरे 600 पेड़ गिरे परन्तु कोई जनहानी नहीं हुई।

■ **17 जून**

- क्रिकेट बुकी अनिल जय सिंघानी की ई.डी. ने 3.40 करोड़ की सम्पत्ति कुर्क की।

- जूनागढ़ (गुजरात) मजखेड़ी रोड़ स्थित नोटिस चस्पा करने के बाद डी.एस.पी सहित 5 लोग जख्मी हुये आगजनी पथराव हिंसा भड़की।

- अभिनेत्री अमीषा पटेल ने सिविल कोर्ट रांची में छिपकर आत्म समर्पण किया। सशर्त जमानत मिली।

■ **18 जून**

- गीता प्रेस गोरखपुर को 2021 गांधी शांति पुरुस्कार देना तय हुआ।

- लखनऊ के निकट गर्मी के कारण रेल पटरी टेड़ी पड़ गई।

- जम्मू के पुंछ में विस्फोटकों का जखीरा बरामद हुआ। विस्फोटों की संख्या 50 थी।

■ **19 जून**

- रवि सिन्हा रॉ के नये चीफ नियुक्त हुये।

- भारत ने कृपाण मिसाइल के वियतनाम को उपहार में देने की घोषणा की।

- कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की दो अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

■ **20 जून**

- जानकी रमन की रिजर्व बैंक के डिप्टी गर्वनर नियुक्त किया गया।

- मुम्बई हमला मामले में आतंकी को बचाने के लिये चीन ने वीटो लगाया।

- पुरी में रथयात्रा के अवसर पर 20 लाख लोग उपस्थित रहे।

■ **21 जून**

- भारत के राजनायिक ने पाक आतंकी साजिद मीर का ऑडियो यू.एन. (संयुक्त राष्ट्र संघ) में फिर से सुनाया।

- संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के समक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व योग सत्र का आयोजन हुआ।

- होडुरासा के एक महिला कारागर में हुये दंगे में 41 महिला कैदियों की मौत हुई।

■ **22 जून**

- अमेरिकी कम्पनी जी.ई. एयरस्पेस के साथ एच.ए.एल के साथ समझौता हुआ।

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नर्सों को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरुस्कार प्रदान किया।

- जबलपुर केन्द्रीय जेल के अस्पताल में विचाराधीन कैदी सुरेश विश्वकर्मा की मौत हुई।

■ **23 जून**

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी के

संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया चीन पर निशाना साधा 79 बार ताली बजी।

- असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर हुई। 5 लाख लोग बाढ़ से घिरे 1 व्यक्ति की मौत हुई।

- स्टेट डिनर में व्हाइट हाउस भारतीय संस्कृति से सजा 110 प्रभावशील भारतीयों को न्यौता दिया गया।

■ **24 जून**

- रूस में गृहयुद्ध का सूत्रपात हुआ जो लड़ाके यूक्रेन भेजे थे वे 25000 लड़ाकू वागी हुये वॉर लार्ड ये वेगनी प्रोगोझिन ने पाला बदला।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी अमेरिकी यात्रा पूरी कर मिस्र पहुँचे।

- छतरपुर (म.प्र.) गृहप्रवेश के लिये छुट्टी न मिलने पर डिप्टी कलेक्टर निशा बंगरे ने इस्तीफा दिया।

■ **25 जून**

- मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आर्डर आफद नाइल सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया।

- पटनाः हाजीपुर शहर की एक दूध फैक्ट्री से अमोनिया गैस लीक होने से एक की मौत हुई 40 की हालात बिगड़ी।

- पाकिस्तान के पेशावर शहर में सिक्ख हकीम मनमोहन सिंह की गोली मारकर अज्ञात बन्दूकधारी ने हत्या कर दी।

■ **26 जून**

- मणिपुर में सुरक्षाबल ने तलाशी अभियान चलाया 12 बंकर नष्ट किये तलाशी में गोले मोर्टार जब्त किये।

- 70 करोड़ के नशीले पदार्थ भाजपा नेता के पुत्र बिलाल खान को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

- ए आई एम आई एम की रैली में औरंगजेब के समर्थन में नारे लगाये गये प्राथमिकी दर्ज की गई।

■ **27 जून**

- म्युनिखः ऑडी के पूर्व सी.ई.ओ. रूपर्ट स्टेडलर को डीजल घोटाले मामले में 21 माह की जेल हुई।

- पूर्व राज्यसभा सदस्य सोलीपेटा रामचंद्र रेडी का निधन हुआ वे 72 वर्ष के थे।

- जस्टिस मुक्ता गुप्ता ने एक दिन 65 फैसले सुनाकर इतिहास रचा।

■ **28 जून**

- भीम आर्मी चेता चंद्रशेखर आजाद पर देवबंद में हमला हुआ गोली कमर छूकर निकली।

- गोंदियाः जिले की तिरोडी तहसील मुख्यालय से 10 किमी दूर सराडी गांव मे कुँए में उतरे 5 लोगों की मौत हुई।

- देहरादूनः 106 साल की रामबाई ने 100-200 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।

■ **29 जून**

- कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मणिपुर जाने से पुलिस ने सड़क मार्ग पर रोका परन्तु वे हैलीकॉप्टर से पहुंच गये।

- भारतवंशी डॉ. भौमिक पांड्या ने पेरासीटा मोल के साइड इफेक्ट बचाने के लिये दवा बनाई। उन्हें पेटेंट भी मिला।

- सउदी अरब में अमेरिका की दूतावास पर गोली बारी हुई घटना में लोगों की मौत हुई।

■ **30 जून**

- इम्फालः मणिपुर के मुख्यमंत्री एन वीरेनसिंह राजभवन जा रहे थे समर्थकों ने रोका और महिलाओं ने इस्तीफा फाड़ा।

- अमरनाथ गुफा की यात्रा प्रारंभ हुई।

- कजाकिस्तान में भारत के राजदूत डॉ. टीवी नागेन्द्र प्रसाद नियुक्त हुये।

दिशा बोध

कुलोन्नति

1. मनुष्य की यह प्रतिज्ञा कि ''मैं अपने हाथों से मेहनत करने में कभी न थकूँगा'' उसके परिवार की उन्नति में जितनी सहायक होती है, उतनी और कोई वस्तु नहीं हो सकती।
2. श्रम से भरा हुआ पुरुषार्थ और कार्यकुशल सद्बुद्धि- इन दोनों की परिपक्व पूर्णता ही परिवार को ऊँचा उठाती है।
3. जब कोई मनुष्य यह कहकर काम करने पर उतारू होता है कि ''मैं अपने कुल की उन्नति करूँगा'', तो स्वयं देवगण भी अपनी-अपनी कमर कसकर उसमें आगे-आगे चलते हैं।
4. जो लोग अपने कुटुम्ब को ऊँचा उठाने में कुछ उठा नहीं सकते, वे इसके लिये यदि कोई सुविस्तृत युक्ति न भी निकालें , तो भी उनके हाथ से किये हुए काम में सिद्धि होगी।
5. जो व्यक्ति बिना किसी अनाचार के अपने को उन्नत बनाता है, सारा जगत् उसको अपना मित्र समझेगा।
6. पुरुष का सच्चा पुरुषत्व तो इसी में है कि जिसमें उसने जन्म लिया है, उस वंश को धन में, बल में और ज्ञान में ऊँचा बना दें।
7. जिस प्रकार युद्धक्षेत्र में आक्रमण का प्रकोप शूरवीर पर पड़ता है, ठीक इसी तरह परिवार के पालन-पोषण का भार उन्हीं कंधों पर आता है, जो उसका बोझ संभाल सकते हैं।
8. जो लोग अपने कुल की उन्नति करना चाहते हैं , उनके लिए कोई समय बेसमय नहीं है और यदि वे असावधानी से काम लेंगे तथा अपनी झूठी शान पर अड़े रहेंगे, तो उनके कुटुम्ब को नीचा देखना पड़ेगा।
9. क्या सचमुच उस आदमी का शरीर, जो अपने परिवार को हर प्रकार की विपत्ति से बचाना चाहता है, सर्वथा परिश्रम और कष्टों के लिए ही बना है।
10. जिस घर में सँभालनेवाला कोई योग्य आदमी नहीं हैं, आपत्तियां उसको जड़ से काट डालेंगी और वह मिट्टी में मिल जायेगा।

इसे भी जानिये

जाने उच्चस्तरीय पुरस्कार

पुरुस्कार सम्मान	पुरुस्कार प्रदान करने वाले	पुरुस्कार का विवरण	वर्ष	राशि
जी.डी. बिडला वितान पुरुस्कार	के.के. विडला फाउण्डेशन	भारतीय वैज्ञानिकों को उच्चस्तरीय शोधकार्यों के लिये प्रोत्साहित करने हेतु	1991	1.5 लाख
संगीत नाटक अकादमी पुरुस्कार	संगीत नाटक अकादमी	नृत्य, नाटक एवं संगीता के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कलाकारों को	1992	50,000
ललित कला अकादमी पुरुस्कार	ललित कला अकादमी	प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में मूर्तिकला चित्रकला एवं रेखाचित्रों की 10 उत्कृष्ट कृतियों पर	1953	50,000
तुलसी सम्मान	मध्यप्रदेश सरकार	राष्ट्रीय स्तर पर जनजातीय लोककला के विकास में उल्लेखनीय योगदान हेतु	1983	1 लाख
कालिदास सम्मान	मध्यप्रदेश सरकार	रूपांकर कलाओं के क्षेत्र में सृजनात्मक श्रेष्ठता हेतु	1980	1 लाख
तानसेन सम्मान	मध्यप्रदेश सरकार	शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र उत्कृष्टता एवं निष्ठा हेतु	1980	1 लाख
दादा साहब फालके पुरस्कार	सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार	भारतीय सिनेमा के विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिये	1970	2 लाख

संस्कार सागर सम्पर्क 8989505708

मानव के जीवन में सकारात्मक विचारों का महत्व

✻ डॉ. नरेन्द्र जैन भारती, सनावद ✻

मनुष्य के जीवन में धर्म का स्थान महत्वपूर्ण है अतः ईश्वरोपासना के लिये व्यक्ति को धर्म अवश्य करना चाहिये। धर्म के बिना जीवन पशु तुल्य है। धर्म से तात्पर्य ईश्वरोपासना है। ईश्वरोपासना का तात्पर्य है निस्वार्थ भाव से भगवान के गुणों का स्मरण। जिन भव्य आत्माओं ने निस्वार्थ होकर तप अराधना की भक्ति में श्रद्धा और समर्पण का भाव दिखाया सासांरिक सुख-दुखों में उदासीन रहकर धर्म का कर्म किया, उसका जीवन ही सार्थक है।

धर्म करने के लिये मानव जीवन ही श्रेष्ठ है। चौरासी लाख योनियों में परिभ्रमण जीव जन्म मृत्यु को दुख उठाता है लेकिन जब मनुष्य गति में आता है तभी उसे धर्म पुरुषार्थ करने के साधन मिलते हैं। जिनका भाग्य प्रबल होता है उसे अभिषेक, जिनभक्ति पूजा-पाठ स्वाध्याय के साधन मिलते हैं, नहीं तो आज भी कई व्यक्ति मंदिरों में जाकर देव आराधना नहीं कर सकते। जिनमें श्रद्धा और विश्वास की भावना प्रबल होती है वह पूर्व जनम में संचित वासनाओं सुख-दुख शोक भय व अशुद्ध कारणों को पीछे धकेलकर भगवान की भक्ति करता है। भक्ति पर विश्वास भाव ही सकारात्मक फल देते हैं। धर्म को ध्यान में रखकर ही हम कर्म को सार्थक करते हुये भाग्य को बदल सकते हैं। भाग्य से कभी कर्मों का संबंध नहीं हैं कर्मों के माध्यम से जीवभाग्य का निर्माण करता है। भाग्य से कभी कर्म नहीं बदलता इसलिये व्यक्ति को हमेशा सकारात्मक सोच के साथ सत्कर्म करना चाहिये। कर्म पर भरोसा पुरुषार्थ के लिये सदैव तत्पर रहने वाले व्यक्तियों के लिये सफलता का मार्ग अवश्य मिलता है।

मनुष्य की स्थिति यह है कि वह सुख में तो भगवान का स्मरण करता है परंतु जैसे ही दुख की शुरुआत होती है वह भगवान को भूल जाता है, धर्म से दूर हो जाता है। अपनी आस्था, भक्ति और समर्पण भाव के प्रति भी शंकालु बन जाता है, जो कालांतर में विपरीत परिस्थितियों मे भी व्यक्ति को भगवान की भक्ति में विश्वास रखकर धर्म करना चाहिये क्योंकि धर्म को बिना मानव जीवन में सुख शांति संभव नहीं है। धर्म से ही संसार का सुख तथा कालांतर मोक्ष की प्राप्ति होती है। धर्म के बिना मनुष्य का जीवन पशुतुल्य होता है। अगर हम हिंसा अहिंसा, सत्य असत्य न्याय अन्याय में भेद बिना जीवन व्यतीत करते रहेंगे ऐसा जीवन पशुतुल्य यही होता है। संसार में जिन्होंने पशु के रूप में जन्म लिया है वह सिर्फ भोजन भरण पोषण के लिये दिन रात भटकते रहते हैं और उसी तलाश में उनका जीवन समाप्त हो जाता है जिनका पुण्य प्रबल होता है वह तीर्थंकरों केवलियों और रिद्धि सिद्धि धारी मुनियों के संबोधन से धर्म मार्ग पर आ जाते हैं लेकिन ऐसे जीवों की गणना बहुत कम है। अधिकांश पशु तो भोजन की तलाश में ही जीवन व्यतीत कर देते हैं। अतः मनुष्य जीवन यदि मिला है तो सत्कर्म के माध्यम से जीवन व्यतीत करते हुये मानव जीवन को सार्थक बनायें। मद्य, मांस, मदिरा, तंबाकू जै से व्यसनों को छोड़कर देव पूजा गुरु उपासना स्वाध्याय संयम और ध्यान रूप धार्मिक क्रिया को प्राथमिकता देकर श्रावकोचित कार्य करें। मनुष्य के जीवन में धर्म का अत्यधिक महत्व है अतः जितना भी समय मिले उसमें साधना तथा भगवान के गुणों की प्राप्ति के लिये ईश्वरो पासना कर अपनी आत्मा को परमात्म पद मे लाने का पुरुषार्थ करना चाहिये।

ज्योतिषी गलत हो सकता है ज्योतिष नहीं

✻ पं. सनतकुमार विनोदकुमार जैन, रजवाँस ✻

सर्वज्ञ के ज्ञान में जो झलकता है, वही दिव्यध्वनि में आता है। यदि दिव्यध्वनि में आई हुई बात पर हम शंका करें तो सर्वज्ञता एवं सर्वज्ञपने पर प्रश्न चिह्न लग जायेगा। अतः सर्वज्ञ की वाणी को हम झुठला नहीं सकते, नकार नहीं सकते, शंका नहीं कर सकते। यदि अज्ञानतावश कोई बात हमारी समझ में नहीं आ रही, कोई व्याख्या हमारे ज्ञान से परे हो रही तो उस बात को झुठला नहीं सकते और 'ऐसा नहीं है' कहकर नकार नहीं सकते। बल्कि हमारे ज्ञान में कमी है ऐसा समझना चाहिये।

सर्वज्ञ की वाणी में द्वादशांग रूप से ज्ञान का प्ररूपण हुआ है, उनमें ज्योतिष और वास्तु भी समाहित हैं, और इन्हीं सर्वज्ञ की वाणी के अनुसार पूर्वाचार्यों ने ज्योतिष और वास्तु का अनेकानेक ग्रंथों में विस्तृत रूप से वर्णन किया है। ज्योतिष के दो भाग हैं- 1. गणित 2. फलित। गणित में गणना करना प्रमुख है। सूर्य चन्द्रमा या ग्रहों के परिभ्रमण करने की गालियाँ, वीथियाँ अलग-अलग हैं और इन परिभ्रमण करने वाले ग्रह, नक्षत्र, तारों की चाल अलग-अलग है। किस समय कौन सा ग्रह किस जगह पर आयेगा इसकी गणना करके जान लेना गणित है एवं इसका क्या फल होगा यह जान लेना फलित है। इन सबका ज्योतिष ग्रंथों में विशद वर्णन है। देखने में आता है कि सौ वर्ष पहले ज्योतिषी गणना करके बता देते हैं कि अमुक दिन इतने बजे मिनिट सेकेन्ड पर सूर्य चन्द्र ग्रहण होगा। और ठीक उसी समय ग्रहण होता दिखाई देता है। इससे सिद्ध होता है कि अगर गणना सही हो फलादेश भी सटीक कहा जा सकता है।

अगर कोई विद्वान् धन के लोभ में यजमान के मन का फलादेश देता है, यानि जैसा फलादेश है धन के लोभ में उसके विपरीत देता है, तो इसमें ज्योतिषी गलत हुआ ज्योतिष विद्या नहीं। ज्योतिष विद्या तो सर्वज्ञ की वाणी में आयी है गलत कैसे हो सकती है। हाँ अंधकचरे ज्ञान के कारण या धन लोलुपता के वश ज्योतिषी गलत हो सकता है ज्योतिष विद्या नहीं। ज्योतिषियों के अल्पज्ञान या अर्थलोलुपवृत्ति के कारण या कोई ज्योतिष सिद्धांत हमारी समझ में न आने से उत्पन्न परिस्थितियों में ज्योतिष विद्या का उपहार करना हास्य का विषय बनाना, या ये कहना कि ज्योतिष विद्या है ही नहीं साक्षात् सर्वज्ञ की वाणी का अपमान है, जो हम जाने-अनजाने में कर रहे हैं।

कुछ लोग बड़े विश्वास के साथ कहते हैं कि हम ज्योतिष को नहीं मानते जिसका मानाना हो माने हम तो नहीं मानते। ये तो वही बात हुई जैसे कोई कहे आग में हाथ मत डालो जल जाओगे। लेकिन सामने वाला कहे मैं इस बात को नहीं मानता कोई माने तो माने मैं नहीं मानता, आप समझ सकते हैं क्या परिणाम निकलेगा। अगर कोई बात हमारी समझ में नहीं आ रही है तो यह कह देना कि हम इसे नहीं मानते अपनी अज्ञानता को छुपाने जैसा है। ज्योतिष का उपहास, अविश्वास करने से पहले हमें ज्योतिष को समझना होगा कि ज्योतिष क्या है।

पूरे आकाश मंडल में 12 प्रकार के ताराओं के समूह मिलते हैं। इन समूहों का आकार

अलग-अलग है। जिस प्रकार के आकार या आकृति का समूह है उसका वैसा नाम पड़ गया यथा- मेष, वृष, मिथुन आदि। जिनका बारह राशियों के नाम से जाना गया। इसी आकाश मंडल में सभी राशियों के बीच में से होकर के सभी ग्रह, नक्षत्र, तारे अपनी-अपनी गति से परिभ्रमण करते हैं। किसी ग्रह की चाल तेज है, किसी की चाल धीमी है। यथा प्रत्येक राशि को 30 अंशों में बाँटा गया है। सूर्य एक दिन में एक अंश चलता है अतः 30 अंश पार करने में या एक राशि पार करने 30 दिन का समय लगाता है, जबकि चन्द्रमा 30 अंश को या एक राशि को ढाई दिन में ही पार कर लेता है। गुरु एक राशि पार करने में 13 माह लगाते हैं, शनि को एक राशि पार करने में ढाई साल लगते हैं।आदि इस तरह ये ग्रह अपनी-अपनी गति से परिभ्रमण करते रहते हैं। जब किसी जातक का जन्म होता है तो जन्म समय की ग्रह स्थिति देखी जाती है, कि कौन सा ग्रह किस राशि में स्थित है। जन्म कुण्डली में जो चक्र बनाया जाता है, वह जन्म समय की ग्रह स्थि[illegible] का द्योतक है कि कौन सा ग्रह किस राशि में स्थित है। इसी के आधार पर जातक [illegible]त, भविष्य, वर्तमान की स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ेगा इसका ज्ञान किया जाता है। इसमें भ[illegible] कौन [illegible] ग्रह किस राशि पर कितने अंश चलकर कितनी कला, विकला पर है, किस [illegible] की [illegible] कहाँ पड़ रही है, ग्रह स्वग्रही है, उच्च का है नीचराशि में है, कारक ग्रह, म[illegible] दश[illegible] महादशा, अंतर्दशा, सूक्ष्मदशा, प्राणदशा, संध्यादशा, पाचकदशा इन सबका [illegible] होता है [illegible] फलादेश ज्यादा सटीक बन पाता है।

अगर ज्योतिषी विद्वान् को इतनी [illegible]क्षमता [illegible] अध्ययन नहीं है और उनके द्वारा मोटे तौर पर किया गया फलादेश सटीक नहीं बठा[illegible] [illegible] अविश्व[illegible] की स्थिति बनती है। इसमें ज्योतिषी की गलती मानी [illegible] ज्योतिष [illegible]द्या का नहीं। जैसे समवशरण में भगवान की वाणी खिरती है, वाणी सुनकर [illegible] जी[illegible] [illegible]व्रत धारण करते हैं, कई व्रतादि धारण करते हैं, कई वहाँ का सौ[illegible] देखकर [illegible] [illegible] क्रीड़ा [illegible] लौट जाते हैं। अगर दिव्यध्वनि सुनकर सबने महाव्रत [illegible] नहीं [illegible] तो वह जीवों [illegible]-अपनी योग्यता है, इसी प्रकार ज्योतिष का भली प्रकार [illegible] अध्ययन नहीं [illegible] से जो फलादेश कहा जायेगा वह सटीक हो भी सकता है नहीं भी हो सकता है। सटीक या सटीक के निकट न होने पर अविश्वास की स्थिति बन जाती है। तो यहाँ पर फलादेश करने वाले ज्योतिषी विद्वान् का कमी मानी जायेगी ज्योतिष विद्या की नहीं।

जातक के जनम समय के ग्रहों की स्थिति देखकर यह पता लगता है कि जातक का कब कौन सा शुभाशुभ कर्म उदय में आ रहा है और कब तक रहेगा। इसी आधार पर ज्योतिषी भविष्यवाणी करता है। यहाँ ध्यान देने वाली बात यह है कि ग्रह सिर्फ कर्मोदय की सूचना देते हैं स्वयं कुछ नहीं करते। ग्रहों की पूजा करके कर्मोदय से बचा नहीं जा सकता है। जिस प्रकार थर्मामीटर मात्र यह बता सकता है कि ज्वर की तीव्रता कितनी है। वह ज्वर की तीव्रता कम करने में सक्षम नहीं है। उसी प्रकार ग्रह जातक के शुभाशुभ कर्म के बारे में सूचना भर देते हैं स्वयं कुछ नहीं करते हैं।

प्रायः देखा जाता है कि ज्योतिषी द्वारा कर्मोदय बताने पर उसकी शांति के उपाय पूछे जाते हैं और ज्योतिषी बताता भी है। अन्य मत वाले अपने मतानुसार बताते हैं, जैन मत वाले अपने

मतानुसार बताते हैं। जैन दर्शन के अनुसार उत्कर्षण, अपकर्षण, संक्रमण, उदीरणा ये चार अवस्थायें कर्मों की बताई हैं। यदि कोई अशुभ कर्म उदय में आ रहा है, और हम शुभ कार्यों में संलग्न है तो वह अशुभ कर्म या तो शुभ कर्म में परिवर्तित हो जायेगा या हल्का होकर निकल जायेगा। इसी प्रकार यदि शुभ कर्म का उदय है और हम अशुभ कार्यों में लगे हैं तो वह शुभ कर्म भी अशुभरूप परिवर्तित हो सकता है। इसलिये ज्योतिषी अशुभ कर्म के उदय में आने पर पूजा, पाठ, विधान, जाप आदि बताता है ताकि अशुभकर्म हल्का होकर निकल जावे। यह जाप पूजा विधानादि तीर्थंकर आदि की होती है, ग्रह आदि की नहीं। जबकि व्यवहार में कहने में आता है कि अमुक पूजा करने से अमुक ग्रह की शांति होती है। जबकि ऐसा है नहीं। ग्रह मात्र सूचक होते हैं कारक नहीं।

इसी प्रकार जब प्रबल पुण्य से शुभ कर्म का उदय आता है तो हर कार्य में [illegible]नाय[illegible] ही सफलता मिलती जाती है। सारे कार्य सहज ही बनते जाते हैं। पुण्योदय चल [illegible] [illegible] और [illegible] कोई कार्य करना हो तो ज्योतिषी से बिना पूछे ही ऐसा संयोग बनोगा कि [illegible] [illegible] शुभ [illegible]र्त में ही आरंभ होगा। इसी प्रकार अशुभकर्म का उदय चल रहा हो कोई [illegible] [illegible] [illegible], ज्योतिषी मुहूर्त बतायेगा लेकिन संयोग ऐसा बनेगा मुहूर्त में कार्य हो ही नहीं [illegible]। **ज्यो[illegible]निष और वास्तु कर्म सिद्धांत से अलग नहीं हैं।** जैसे दो व्यक्ति हैं दोनों का मक[illegible] बन[illegible] है, एक को शुभकर्म का उदय है, दूसरे को अशुभ कर्म का उदय है। शु[illegible] [illegible]र्म वाल[illegible] [illegible] से नहीं पूछ रहा लेकिन उसके मकान में दरवाजे, किचन, बैठक आदि वास्तु के नियमानुसार ही लगेंगे। अशुभकर्मोदय वाला वास्तुकार विद्वान् की देखरेख में [illegible]ना रह[illegible] है, परन्तु [illegible]रस्थितियां ऐसी निर्मित हो जायेगी कि जो दरवाजा जहाँ लगना चाहिये [illegible] [illegible] [illegible]यहीं [illegible]यगा। वास्तु अनुरूपसंरचना पूर्णरूप से नहीं हो पायेगी। अब यहाँ [illegible] पूछे कि [illegible] शुभाशुभ कर्मोदय [illegible] वास्तु निर्माण अपने आप हो जाना है तो हम वास्तु के नियमों [illegible] पालन करते हुये निर्माण करने को प्रतिबद्ध क्यों हों। वह तो जो होना होगा अपने आप [illegible] जाये[illegible] चूँकि वर्तमान [illegible] [illegible] केवलज्ञानी, अवधिज्ञानी सधु महाराज तो हैं नहीं, जो हमारे शु[illegible]शुभ [illegible]र्मोदय के बारे में [illegible] सके। अतः हमें पुरुषार्थ तो नियमानुसार ही करना चाहिये। मुहूर्त [illegible] **शुद्धि** है। वास्तु [illegible] **शुद्धि** है।

वास्तु के विषय में एक प्रकार से और समझते हैं। जैसे एक कमरे में कोई व्यक्ति बैठा है। खिड़की से तेज धूप, तेज हवा ठंडी या गरम उस व्यक्ति को लग रही है। तो धूप या हवा से बचने के लिये वह या तो परदा लगा लेगा या खिड़की बंद कर लेगा। यह परदा लगा लेना या खिड़की लगा लेना ही वास्तु है। अब यहाँ कोई कहे कि हम वास्तु को नहीं मानते तो परदा मत लगाओ, खिड़की बंद मत करो फिर परिणाम भुगतो। आचार्यों ने प्रत्येक कार्य को करने के लिये मुहूर्त, वास्तु आदि का वर्णन ग्रंथों में किया है। ज्योतिष और वास्तु जिनेन्द्रभगवान् प्रणीत हैं नकारने जैसी चीज नहीं है।

ज्योतिष पर अविश्वास करने का एक तर्क और दिया जाता है कि ''एक लग्न दो ढ़ाई घंटे की होती है। इतने में सैकड़ों जीव जन्म ले लेते हैं। जबकि लग्न एक सी होने से कुंडली सबकी एक सी

संस्कार सागर मोबाईल: 8989505108

बनेगी तो फल भी एक सा होना चाहिये। लेकिन उन सैकड़ों जीवों में से कुछ सम्पन्न एवं सुखी देखे जाते हैं, कुछ भीख माँगते देखे जाते हैं। जबकि कुण्डली सबकी एक सी होती है तो सबको एक जैसा होना चाहिये। लेकिन ऐसा देखने आता इसलिये ज्योतिष विद्या ठीक नहीं है ढाकोसला है।''

अध्ययन की कमी से इस तरह की शंकायें उठती हैं। इसको इस तरह समझा जा सकता है कि लग्न लगभग दो ढाई घंटी की होती है। 60 प्रतिपल का 1 पल होता है ढाई पल का एक सेकेंड होता है। एक लग्न में कितने प्रतिपल बन गये इनका अलग-अलग फल होगा। ग्रहों की स्थिति भी राशि, अंश, कला, विकला, प्रतिकला में होती है। 60 प्रतिकला का एक विकला 60 विकला की एक कला, 60 कला का एक अंश और 30 अंश की एक राशि होती है। जन्म समय ग्रहों की स्थिति राशि, अंश, कला, विकला, प्रतिकला पर होती है, और प्रत्येक राशि, अंश, कला, विकला, प्रतिकला में जन्म लेने वालों के फल में भी भेद हो जायेगा। अब हिसाब लगा लें, एक ही लग्न में जन्म होने के बावजूद पल, विपल, कला, विकला में अन्तर आयेगा जिससे भविष्य भी अलग-अलग होगा। मोटे तौर पर कुण्डलियाँ एक सी दिखेंगी लेकिन सूक्ष्मता से अध्ययन करने पर सभी कुण्डलियाँ अलग-अलग होगी।

अगर मान लिया जाये कि सभी कुण्डलियाँ एक जैसी ही हैं तो फल अलग अलग क्यों ? क्योंकि भले ही सबने एक लग्न में जन्म लिया हो, सबकी कुण्डली एक जैसी हो, परन्तु कर्म बन्ध सब अपना अपना लेकर आयेंगे और अपने-अपने कर्मबन्धानुसार कोई सम्पन्न परिवार में जन्म लेगा कोई माध्यम परिवार में कोई निम्नवर्ग के परिवार में जन्म लेगा। तदनुसार फलादेश बनेगा। फल तो सबको एक सा मिलेगा परन्तु अलग-अलग कर्मबन्ध के कारण फल न्यूनाधिक मिलेगा। यथा- एक ही कक्षा में सभी छात्रों को एक ही शिक्षक द्वारा एक सा पढ़ाया जाता है लेकिन सभी छात्र अपनी-अपनी योग्यतानुसार ही ज्ञानार्जन कर पाते हैं एक जैसा नहीं। जैसे एक व्यापारी और उसका ड्राइवर है। दोनों की जन्मपत्री एक सी है। दोनों को फलादेश में बाया कि आज आपको धनलाभ का योग है। तो अपने-अपने कर्मबन्ध के कारण व्यापारी को व्यापार में ज्यादा लाभ हो सकता है। जबकि ड्राइवर को उसके कर्मबन्धानुसार कम लाभ होगा, लेकिन होगा जरूर, इस तरह दोनों को ही धन लाभ होगा। इसी बात को जब ज्योतिषी बतायेगा तो वह भी परिस्थितिजन्य कथन करेगा कि व्यापारी को लाखों का फायदा होगा ऐसा बतायेगा और ड्राइवर को कोई इनाम बख्शीश आदि से धन लाभ होना बताया जायेगा। धनलाभ का योग दोनों को है लेकिन कर्मबन्धानुसार कम ज्यादा होगा। परिस्थिति देखकर कथन करना ज्योतिषी की योग्यता होती है अगर ज्योतिषी कह दे कि ड्राइवर को लाखों का फायदा होगा एवं व्यापारी को बख्शीश मिलेगी तो उपहास का पात्र बन जायेगा।

इस तरह ज्योतिष गणना तो सटीक फल बतायेगी लेकिन ज्योतिषी की योग्यता पर निर्भर करता है कि वह कितनी व्याख्या कर पायेगा। अगर ज्योतिषी की अल्पज्ञता के कारण निरूपण सही नहीं हुआ तो यह कहना कि ज्योतिष विद्या झूठ है, मिथ्या है, ढकोसला है ऐसा कहना उचित नहीं है, ज्योतिष विद्या अपने आप में परिपूर्ण है। सागर में से मोती निकालने की योग्यता चाहिये।

कविता

मार्दव-भोर

ब्र. सुदेश जैन

तन, धन, यौवन, रूप, यश, इनका कैसा मान ?
छहों खण्ड की सम्पदा, पा-छोड़ी तू जान ।।

मान न कीजे जाति का, ना ही कुल का सोय।
कुल जाती तू सिद्ध-सम, मान करो तस होय ।।

महा ऋद्धि पा देव-नर, मर एकेन्द्रिय होय।
चक्री-प्रति चक्री सदृश, पहुँच नरक में रोय ।।

सात कुधातु भरा वदन, क्या कुल जाती ऊँच ?
अनॅत गुणनि युत ऊँच जिय, चर्म मढ़ा तन नीच।।

मार्दव से ही जिन वचन, भाषैं अमृत मोल।
अभिमानी को विष सदृश, लगते मीठे बोल ।।

विनयी को मिलता सुयश, परभव में सुख-स्वर्ग।
अभिमानी निंदित रहे, भव-भव में दुख-दर्द ।।

मान-कषायों से भरा, आतम भाव कठोर।
मान तजे कोमल हुआ, होती मादर्व भोर ।।

अभिमानी का अकारण, भी जग बैरी होय।
परिजन-पुरजन निंदते, कोऊ न साथी होय ।।

महापुरुष निज कीर्ति सुन, मन में लज्जिल होय।
मैं संसारी दोष युत, व्यर्थ प्रशंसें मोय ।।

भाव से ही भव को पार किया जा सकता है

✻ आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ✻

डोंगरगढ़- संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ससंघ चंद्रगिरि डोंगरगढ़ में विराजमान हैं। आज के प्रवचन में आचार्य श्री ने बताया कि दक्षिण भारत में पूजा कि अष्ट द्रव्य आदि सामग्री को टोकरी में रखकर लाया जाता है। उस अष्ट द्रव्य में जो तीसरी द्रव्य होती है यहाँ आप लोग चावल चढ़ाते हैं और वहाँ धान चढ़ाया जाता है। जबकि धान से ही चावल प्राप्त किया जाता है। इसके पीछे एक रहस्य है जिसे भेद विज्ञान कहा जाता है। धान जो होता है उसे किसान समय आने पर अपने खेत पर वो देता है जिससे वह अधिक धान प्राप्त करता है यदि वह एक मुट्ठी धान बोता है तो लगभग एक बोरा भरकर धान प्राप्त कर लेता है। जबकि उसी धान को यदि कूटा जाये तो उससे चावल प्राप्त होता है जिसे आप लोग पका कर भात बनाते हो। धन से चावल को मशीन के द्वारा भी निकाला जाता है परंतु उससे प्राप्त चाँवल खाने योग्य नहीं होता है। उसके बारे में हम आपको फिर कभी बतायेंगे। चावल को बोया नहीं जाता क्योंकि उससे दोबारा चावल पैदा नहीं हो सकता है। वह अजित्व हो चुका है। इसलिये आप लोग पूजा में चाँवल चढ़ाते हैं और अर्घ्य पढ़कर भगवान से प्रार्थना करते हैं कि भगवान हमें भी आप कि तरह अक्षय पद प्राप्त हो और इस चाँवल कि तरह हमें भी दोबार जन्म ना लेना पड़े।

आप लोग कहते रहते हो कि रोज-रोज वही पूजा पढ़ने से क्या होगा। ऐसा नहीं है यदि आप लोग उत्साह पूर्वक अच्छे भाव से प्रतिदिन भगवान कि पूजा करेंगे तो आपको पुण्य बंध अवश्य होगा और इसका फल निश्चित ही आपको प्राप्त होगा। भाव से ही भव को पार किया जा सकता है। धान से जब चावल निकल जाता है तो शेष जो छिलका बचता है उसे ना तो आप पका सकते हैं और ना ही खेत में बो सकते है। जबकि उसी छिलके में जब चाँवल रहता है तो यह बीज का काम करता है और उसे धान कहा जाता है। आप लोग प्रतिदिन अष्ट द्रव्य से पूजा करते हैं और हर एक द्रव्य को चढ़ाते समय जो बोलते हैं वह बहुत अच्छा लगता है। इसी तरह अच्छे- अच्छे द्रव्य कि तरह आपके भाव भी अच्छे रहेंगे तो आपका कल्याण होना निश्चित है। श्री दिगम्बर जैन चंद्रगिरी अतिशय तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष सेठ सिंघई किशोर जैन बताया की क्षेत्र में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी की विशेष कृपा एवं आशीर्वाद से अतिशय तीर्थ क्षेत्र चंद्रगिरि मंदिर निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है और यह प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ में कक्षा चौथी से बारहवीं तक (सी.बी.एस.ई) पाठ्यक्रम में विद्यालय संचालित हैं और इस वर्ष से कक्षा एक से पांचवी तक दिन का स्कूल भी संचालित हो चुका है। यहाँ गौशाला का भी संचालन किया जा रहा है। जिसका शुद्ध और सात्विक दूध और घी भरपूर मात्रा में उपलब्ध रहता है। यहाँ हथकरघा का संचालन भी बृहद रूप से किया जा रहा है जिससे जरूरत मंद लोगों को रोजगार मिल रहा है और यहाँ बनने वाले वस्त्रों की डिमांड दिन व दिन बढ़ती जा रही है।

कहानी

तीर्थ रक्षा

लेखकः 105 एलक श्री सिद्धांतसागर जी महाराज

बरसात रिमझिम हो रही थी, फुआरों के बीच में भीगते भीगते कई लोग अपने कालेज में जा रहे थे। कई लड़कियाँ भींगने से बचने के लिये कैंटीन के सामने खड़ी थीं। मौसम बड़ा सुहाना था सावन का महीना रिमझिम फुहार के बीच में सबके लिये बड़ा आकर्षण लग रहा था। लेकिन कॉलेजी लाइफ कुछ ऐसे ही होती है। तीर्थ भी समझ रहा था की मैं क्या करूँ क्या न करूँ, तीर्थ गरम गरम भजिये खाने के मूड में था, उसने अपने दोस्त अंकित से कहा चलो यार अंकित आज हम गरम गरम भजिये खाते हैं। भजिये खाने के लिये उसका मन खूब कर रहा था परंतु अंकित ने कहा आज हम भजिया नहीं खायेंगे, आज तो हम मंगोड़ी और दही बड़े खायेंगे। अंकित और तीर्थ की बात हुई और तीर्थ की बात कुछ पीछे रह गई और अंकित ने दही बड़ा और मंगोडी का आर्डर दे दिया जब अंकित दही बड़ा और मंगोड़ी दोनों तीर्थ के साथ खा रहा था कि तभी तीर्थ की नजर एक जगह चोरी चोरी घूम रही थी। अंकित ने कहा यार तुम कहा देख रहे हो खाओ ना, तीर्थ बोला देखते देखते ही कुछ खाना पड़ता है। किसे देख रहे हो तुम, तीर्थ की बोलती बंद हो गयी और वह अपनी चोरी न पकड़ी जाये इसके लिये बहुत कुछ करने के लिये तैयार था लेकिन अंकित ने आखिर नजरों को पकड़ ही लिया और नजरों को पकड़ने के बाद अंकित ने यह तय किया कि सचमुच में अब तीर्थ की नजर एक लड़की के ऊपर पुनः पुनः जा रही है। अंकित ने खाँसा और तीर्थ फिर सहमा और तीर्थ ने सहमा करके देखा तो वह देखता है और बोलता है अंकित ये खांसा-खुंसी मत करो यार मैं भी थोड़ा सहमा हूँ और समझ रहा हूँ। तीर्थ ने जब देखा तो वह अंकित भी समझ गया की ये रक्षा है। रक्षा बहुत धार्मिक और समझदार लड़की थी और रक्षा जहाँ अपने रूप रंग में पूर्ण थी वहीं पर रक्षा ने अपनी उच्च शिक्षा भी प्राप्त की थी। मेडिकल कॉलेज में आने के बाद रक्षा ने अपने आपको पूर्ण रूप से डॉक्टर बनाने का सोच रखा था। और वह अपनी पढ़ाई के कारण से हायर सेकेंडरी में उसने अपने प्रदेश में भी एक अच्छा स्थान बनाया था। यह बात तीर्थ को पता लगी तो तीर्थ उसके प्रति आकर्षित हो रहा था। तीर्थ पढ़ने-लिखने में उतना इंटेलीजेंट माइंड नहीं था और ना ही वह ज्यादा कभी अच्छी रैंक बनती थी। उसे भीतर से लगता था कि कैसे हम अपने प्रणय का प्रस्ताव रक्षा के सामने रखें परंतु वह देखते रहता था। दोनों जैनधर्म को मानने वाले थे। तीर्थ भी चाहता था की कोई जैन अच्छी लड़की जीवन साथी बने तो अच्छा रहता।

एम.बी.बी.एस की अंतिम साल थी। परंतु रक्षा पी.जी. करना चाहती थी, और तीर्थ

सिर्फ एम.बी.बी.एस करके अपना कुछ न कुछ करना चाहता था परंतु रक्षा ने एक बात सोची की जब तक पी.जी. नहीं करेंगे तब तक चैन नहीं लेंगे। तीर्थ इस बात के लिये समझ नहीं पा रहा था, तीर्थ आगे बढ़ता गया एक दिन जब रक्षा कैंटीन में बैठ करके अपने सहेलियों के साथ खा-पी रही थी की तभी तीर्थ ने वहाँ जा करके कहा रक्षा नमस्कार, रक्षा ने कहा नमस्ते भैया। दोनों की बातों का प्रारंभ हुआ तीर्थ ने कहा बहन मैं आपका सहयोग चाहता हूँ फिर रक्षा ने कहा की आप क्या सहयोग चाहते हैं फिर तीर्थ ने कहा मैं आपका सहयोग इस रूप में चाहता हूँ कि आप अपना नोट्स दें ताकि मैं भी एम.बी.बी.एस फाइनल में कुछ अच्छा सा रैंक प्राप्त करके अपने घर बता सकूँ की मैं भी एम.बी.बी.एस कर चुका हूँ। रक्षा ने तीर्थ की इस महत्वकांक्षा को समझा और उसने अपने बैग से निकल करके एक नोट्स दी। धन्यवाद कहते हुई तीर्थ उस दिन तो आगे बढ़ गया और नोट्स बुक वापस करने के बहाना ले रक्षा से मिलने लगा और रक्षा को भी उत्सुकता हुई और वह भी तीर्थ से मिलने की कोशिश करने लगी, धीरे-धीरे दोनों के बीच में प्रेम व्यवहार बढ़ता गया लेकिन एक दिन तीर्थ ने सोचा कि मेरा नाम तीर्थ है तो तीर्थ मुझे कोई तीर्थ का दर्शन अवश्य करना चाहिये तीर्थ ने कॉलेज से ही हम तीर्थ यात्रा करने जाये और वह जबलपुर की मेडिकल कॉलेज से जा करके सम्मेद शिखर की बुकिंग करा लेता है रिजर्वेशन मिलने के बाद तीर्थ सम्मेद शिखर जाता है और संयोग की बात है कि रक्षा के माता पिता झांसी से अपने परिवार के साथ सम्मेद शिखर जाते हैं और दोनों शिखर जी में मिल जाते हैं। वहाँ पर तीर्थ देखता है कि श्वेताम्बर और दिगंबर दोनों की हर टोंक पर पेटियाँ रखी है और तीर्थ कुछ अपने मिलने वालो से पूछता है कि आखिर ये श्वेताम्बर और दिगंबर है क्या ! तो कुछ लोग उसे बताते है कि यह तीर्थ अपना दिगंबर का भी है और श्वेताम्बर का भी है परंतु उसे इस बात से संतोष नहीं होता है तो वह मुनिश्री प्रमाणसागर जी के पास जाता है प्रमाण सागर जी से पूछता है कि ये दिगंबर और श्वेताबंर क्या है तो मुनिश्री प्रमाणसागर जी कहते हैं भैया ये दिगंबर और श्वेताम्बर आप लोगों का विषय नहीं है परंतु आप लोगों को एक बात समझने की जरूरत है। पहले आप बताइये की आप क्या करते हैं। तीर्थ ने कहा महाराज जी मेरा नाम तीर्थ और मैं सागर का रहने वाला हूँ। और जबलपुर मेडिकल कॉलेज में मेरा एडमिशन है और मैं वहाँ से एम.बी.बी.एस कर रहा हूँ और मैंने दिगंबर और श्वेताम्बर अभी तक ये नाम नहीं सुना था। पहली बार जब मैं शिखर जी आया हूँ और ये दिगंबर और श्वेताम्बर की बात सोच रहा हूँ और सुन रहा हूँ ये क्या है। जलमंदिर में जाकर के मैंने देखा महाराज जी भगवान के ऊपर कुछ आँखें थी वैसे मैं मंदिर नहीं जाता हूँ। दीपावली पर एक दिन ही लड्डू चढ़ाने जाता हूँ मुझे मंदिर जाने की फुरसत नहीं मिलती है।

मुनि श्री प्रमाणसागर जी ने कहा कि तुम मंदिर क्यों नहीं जाते हो तो उसने कहा महाराज जी पढ़ाई करूँ या मंदिर जाऊं तब मुनि श्री ने कहा मंदिर जाने से आपके विचारों में पवित्रता अवश्य आयेगी। तो तीर्थ ने कहा महाराज साहब यदि हम मंदिर जाते हैं तो वहां पर हमने लड़ाई झगड़े देखी हैं हमने कहीं शांति नहीं देखी, इसलिये मैं ये समझता हूँ कि मुझे मंदिर नहीं जा करके किसी और जगह जाना चाहिये। तब मुनिश्री ने कहा कि तुम कभी फिल्म देखने टॉकीज गये हो, हाँ मैं गया हूँ तो टॉकीज में जब जाते हो तो वहां जब लड़ाई झगड़े हो जाते हैं तो तुम क्या फिल्म छोड़कर भाग आते हो, नहीं मुझे किसी से लड़ाई झगड़े से क्या लेना तो मुनि श्री ने कहा की तब तुम्हें लड़ाई झगड़े से किसी से लेना

देना नहीं है तब आप फिल्म देखना जारी रखते हो तो मंदिर में अगर लड़ाई झगड़े होते है तो आपकी लड़ाई झगड़े से क्या लेना देना, हम अपने भगवान के दर्शन करें और हम अपने आत्मा का चिंतन करें अपने भगवान के स्वरूप को समझें। अच्छा आप महावीर भगवान के बारे में क्या जानते हैं तो तीर्थ ने कहा, नहीं मैं, कुछ न हीं जानता हूँ मुझे ज्यादा महावीर भगवान के बारे में कुछ भी मालूम नहीं है तो मुनि श्री ने कहा अच्छा तो महावीर भगवान के पिता जी और माताजी का नाम जानते हो मुनिश्री के सामने तीर्थ ने कहा महाराज जी मैं बिलकुल नहीं जानता की महावीर भगवान जी के माताजी और पिताजी कौन है। तब मुनिश्री ने कहा भगवान महावीर स्वामी की 10 बातें मैं अपको बता देना चाहता हूँ। भगवान महावीर स्वामी के पिताजी का नाम सिद्धार्थ था और माताजी का नाम त्रिशला था। उनका नाथ वंश था और उनकी मोक्ष की प्राप्ति पावापुर से हुई और उनके लिये राजगृही में हुई जन्म कुण्डलपुर में हुआ और भगवान महावीर स्वामी को विपुलाचल पर्वत राजगृही से केवल ज्ञान की प्राप्ति होने के बाद उनकी प्रथम दिव्यध्वनि गणधर देव के द्वारा समझी गयी थी। भगवान महावीर स्वामी के परिचय ले करके तीर्थ की जिज्ञासा और बढ़ गई और तीर्थ ने महाराज जी के सामने एक नियम ले लिया की मैं आज से रोज मंदिर जाया करूंगा। मेडिकल कॉलेज के सामने ही मड़िया जी तीर्थ था। तीर्थ ने शिखर जी लोटने के बाद जब अपने मेडिकल कॉलेज में पुनः जब तीर्थ परीक्षा की तैयार कर रहा था तभी उसे एक दिन मंदिर जाने के बाद मुनिश्री क्षमासागरजी से उसकी भेंट हुई, क्षमासागर जी के पास वह बैठने लगा और उनकी वैज्ञानिकता को सुन करके वह आल्हादित हो गया। धीरे-धीरे तीर्थ बदल गया जब तीर्थ बदल गया तीर्थ ने एक बात तय कर ली कि जीवन में उसने बहुत कुछ सोचा समझा था परंतु सही दिशा में नहीं सोचा इसलिये तीर्थ ने अपनी शादी का निणर्य बदल दिया और तीर्थ ने एक दिन अपनी उंगली मोबाईल पर घुमा रहा था की उसे एक गाना सुनने को मिला कुएँ में कूद के मर जाना, यार तुम शादी मत करना। उसने यह गीत सुना तब उसने और पक्का कर लिया की अब मुझे शादी नहीं करना हैं। लेकिन कैंटीन में बैठने वाली रक्षा, कभी तीर्थ रक्षा के पीछे पड़ा था। अब रक्षा तीर्थ के पीछे पड़ गई।

रक्षा को तीर्थ से मिले बिना उसे चैन नहीं पड़ती थी परंतु एक दिन तीर्थ ने रक्षा से शब्दों में कह दिया रक्षा तुम किसी दूसरे व्यक्ति से अब अपना जीवन की डोर को जोड़ने का प्रयास करना अब मैंने यह तय कर लिया हैं कि मैं अब किसी से भी शादी नहीं करूंगा। जब यह बात रक्षा को पता लगी तो रक्षा ने कहा की मैं तो अगर शादी करूंगी तो तीर्थ के साथ ही करूंगी। किसी दूसरे के साथ नहीं करूंगी। रक्षा भी संकल्पबंद्ध हो गयी और तीर्थ भी संकल्पबद्ध हो गया।

अब तीर्थ जगह-जगह तीर्थ यात्रा करने के लिये जाने लगा और सचमुच में तीर्थ एम.बी.बी.एस पास हो चुका था। परंतु वह रक्षा से दूर होने की कोशिश करता जा रहा था और रक्षा यह बात सोच के बैठी थी कि शादी करूंगी तो तीर्थ के साथ ही करूंगी किसी दूसरे के साथ नहीं करूंगी क्यूंकि मैंने अपने सपनों अगर किसी को अपना बनाया है तो वह तीर्थ को बनाया है और तीर्थ ने संकल्प कर लिया था कि मैं आजीवन शादी नहीं करूंगा। अब क्या हुआ तीर्थ एक के बाद एक साधुओं की संगतों में आने लगा एक दिन आचार्य विद्यासागर जी के चरणों में बैठकर इतना प्रभावित हुआ कि उसने आचार्यश्री के सामने निवेदन प्रस्तुत कर दिया कि आचार्य श्री जी मैं बह्मचर्यव्रत लेना चाहता हूँ। आचार्य श्री ने पूछ-ताछ करके कहा की आपके

माता-पिता जब तक नहीं आयें तब तक मैं ब्रह्मचर्यव्रत नहीं दे सकता हूँ। तीर्थ सागर आया और सागर आने के बाद उसने अपने माता-पिता के सामने प्रस्ताव रखा की मैं शादी नहीं करना चाहता हूँ तो उनकी माँ क्रांति ने कहा कि तीर्थ हमने तुम्हें इतना बड़ा किया पाला-पोषा, पढ़ाया-लिखाया, एम.बी.बी.एस तक करा दिया और तु आज शादी से मुकर रहे हो यह मुझे अच्छा नहीं लगा और यह बात जब क्रांति ने कही तो तीर्थ ने कहा जीवन जीने का अधिकार मुझे है मैं समझ सकता हूँ कि मुझे कैसे अपने जीवन को जीना है देखो माँ मैं संकल्प कर चुका हूँ कि अब शादी नहीं करूंगा तो क्रांति ने कहा मुझे एक बात और पता लगी थी कुछ दिन पहले तू रक्षा के पीछे घूम रहा था। अब रक्षा का क्या होगा तो तीर्थ ने कहा कि माँ रक्षा का भविष्य रक्षा को देखना है और मेरा भविष्य मुझे देखना है। तुम मेरे साथ आचार्य विद्यासागर जी के पास चलो। तीर्थ माता-पिता आग्रह को समझते हुये तीर्थ के साथ आचार्य विद्यासागर जी के पास पहुंचे और तीर्थ ने आचार्य विद्यासागर जी से ब्रह्मचर्य व्रत का निवेदन किया। आचार्य विद्यासागर जी ने जब उनके माता पिता की तरफ देख करके माता-पिता ने कहा पढ़ाया लिखाया, योग्य भी बनाया है पर मुझे विश्वास इस बात का है मेरा बेटा कभी भी गलत रास्ते पर नहीं जा सकता है परंतु आचार्य श्री इसने एक लड़की के साथ शादी करने की बात सोची थी और वह रक्षा थी। और ये उसके साथ शादी करना चाहता था परंतु आज आपके सामने ब्रह्मचर्य व्रत की बात कह रहा है इसलिये मेरा सोच ये है की पुनः इससे आप पूछ लें यदि ये इसकी दृढ़ता बहुत अधिक हो तो में इसमें सहमत हूँ और तीर्थ के ब्रह्मचर्यव्रत ले लेना चाहिये। तीर्थ ने श्रीफल आचार्य श्री के चरणों में समर्पित किया और क्रांती और विजय दोनों ने सहमति दी और तीर्थ ने अपने संकल्प को पुनः दोहराया और आचार्य श्री ने कहा 9 बार णमोकार मंत्र पढ़ लो, 9 बार णमोकार मंत्र पढ़ा। अब तीर्थ आगे बढ़ता चला गया एक दिन रक्षा को यह बात पता चली की तीर्थ ने ब्रह्मचर्यव्रत ले लिया है तो रक्षा ने भी सोचा कि मैं भी अब क्या करूँ तो रक्षा भी आचार्य श्री के पास पहुंच गई और उसने भी ब्रह्मचर्यव्रत लेने का निवेदन रखा, माता पिता साथ में थे, दोनों की सहमति हो गयी। आचार्य श्री ने पूछा की क्या करती हो तो रक्षा ने कहा मैं एम.बी.बी.एस हो चुकी है पी.जी करने वाली हूँ। आचार्य श्री को बहुत अच्छा लगा और उन्होंने कहा पूर्णायु में आप सेवायें दे सकती हैं परन्तु पूर्णायु में बहनों का अलग स्थान है और पुरुषों का अलग। दोनों की दृष्टि से वहां पर पुर्णायु में तीर्थ और रक्षा जा करके सेवायें देने लगे। उनकी ज्ञान का लाभ सब लोग लेने लगे किन्तु तीर्थ के एक समस्या और रक्षा की भी समस्या रही कि पूर्णायु में सिर्फ आयुर्वेद की ही शिक्षा दी जाती है। तीर्थ और रक्षा ने कल्याणकारक ग्रंथ का अध्ययन करके आचार्य उग्रदत की उस सम्पूर्ण पद्धति को समझा और दोनों एम.बी.बी.एस आयुर्वेद के बहुत अच्छे विद्वान बन गये और तीर्थ रक्षा दोनों ने मिल करे अपने संयमपूर्वक ब्रह्मचर्य को धारण करते हुये अपनी मर्यादा रखते हुये आयुर्वेद का ज्ञान प्राप्त करके उन्हों एक ऐसा काम किया कि आयुर्वेद को ऊंचाईयाँ कैसे मिले इसके लिये उन्होंने अपनी पूरी जानकारी और रूचि बढ़ाई और वे सब मिलकर पुर्णायु कॉलेज के अच्छे प्राध्यापक बन गये। और उन्होंने आयुर्वेद को आगे बढ़ाया और यह सिद्ध कर दिया को भारत की आयुर्वेद पद्धति एलोपैथिक पद्धति की अपेक्षा कुछ ज्यादा प्रभावकारी रहती है और दोनों तीर्थ और रक्षा आयुर्वेद रक्षक बन गये।

हमारे गौरव

आचार्य सूर्यसागर

आचार्य श्री सूर्यसागर जी का जन्म कार्तिक शुक्ल नवमी विक्रम संवत् 1940 को ग्वालियर रियासत के शिवपुर जिले के पेमसर ग्राम में श्री हीरालाल जी जैन के यहाँ हुआ। गृहस्थ अवस्था में आपका नाम हजारीमल था।

परिस्थिति वश इनकी शिक्षा हिन्दी विषय तक ही सीमित रही। शिवपुर जिले के मेवाड़ा ग्राम में श्री ओंकारमल जी पोरवाल की सुपुत्री मोतीबाई के साथ अल्पायु में ही पाणिग्रहण संस्कार हुआ। इसके कुछ समय बाद आप चले गये।

इंदौर में सरसेठ हुकुमचंद जी के यहां तथा बाद में सेठ कल्याणमल जी के यहां नौकरी की पर यह कार्य उन्हें रास न आया। और कपड़े की दुकान खोल ली, साथ में कपड़े की दलाली भी करते रहे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति संतोषजनक हो गई।

श्री हजारीमल जी का झुकाव बाल्यकाल से ही धर्म की ओर था। आयुवृद्धि के साथ यह रूचि भी बढ़ती गई।

विक्रम संवत् 1972 में श्रीमति मोतीबाई का स्वर्गवास हो गया। यह इष्ट वियोग उनके लिये संसार, शरीर, भोगों की उदासीनता में निमित्त बन गया।

शुभ संयोग से संवत् 1981 को आचार्य श्री शांतिसागर जी छाणी से ऐलक दीक्षा ली इसके 51 दिन बाद हाटपीपल्या में सर्वपरिग्रहों का त्यागकर निर्ग्रन्थ मुनिदीक्षा धारण की। सन् 1985 को आपको आचार्य पद सौपा गया और आप आचार्य सूर्यसागर के नाम से जाने जाने लगे।

आचार्य श्री सूर्यसागर जी ने जलकल्याणार्थ अनेक ग्रंथों की रचना की जिनमें श्रावक धर्म प्रकाश, संयम प्रकाश, सद्बोध मार्तण्ड, निर्णय मार्तण्ड, विधी संग्रह, विवेक मार्तण्ड व अन्य अन्य कई ग्रंथ हैं।

अंत में आपने संल्लेखना लेकर श्रावण कृष्णा अष्टमी को सन् 2009 में रात्रि में ॐ नमः सिद्धेभ्यः ! कहकर परलोक यात्रा पर प्रस्थान किया।

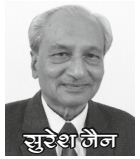

क्रमांक-29 वरिष्ठ नागरिक

डे-केयर सेन्टरो की आवश्यकता

आज माता-पिता के प्रति संतान का घटता दायित्वबोध हर कल्चर की त्रासदी बन गया है। हर पुरानी पीढ़ी के प्रति नई पीढ़ी के टकराव पुरानी व्यवसथा की नींव को हिलाता है फिर भी कामोबेश इस में आस्था बनी हुई है। माँ बाप रूपी पेड़ के साये तले जो तमाम नस्लें पलकर जवां होती हैं वे ही बुजुर्गियत की दहलीज पर खड़े उन्हें पेड़ों को पतझड़ भरे अवसाद व अकेलेपन की भट्ठी में झोंकने से गुरेज नहीं करती। तथा कथित तरक्की व अपनी जिंदगी को रोशन करते आज कल का युवा किस तरह वृद्धों को अकेले बेसहारा छोड़कर घरों मोहल्लों, पार्कों की नुक्कड़ों में जो एक प्रकार के वृद्धाश्रमों में तबदील हो चुके हैं , वहाँ दिन भर के लिये दकेल देते हैं या दिनभर बुजुर्ग वहाँ रहने को मजबूर हो जाते हैं।

वृद्ध आज हर घर में मौजूद है और परिवार की ओर देख रहा है। वृद्ध आमतौर पर आश्रमों के नाम से बचते और कतराते नजर आते हैं तथा परिवार भी बुजुर्गों को वृद्धाश्रम में भेजने से कतराते हैं, कि लोग क्या कहेंगे, रिश्तेदार व समाज क्या कहेगी। बुजुर्गों की आयु 60 वर्श से ऊपर हो गई रिटायर हो गये। यदि कारोबार करते हैं तो आयु के हिसाब से 65 और 70 के बीच कार्य करने की क्षमता नहीं रही, बच्चों ने कारोबार संभाल लिया है और फिर अपने खुद के चलाये हुये कारोबार संभाल लिया है फिर अपने खुद के चलाये हुये कारोबार के स्थान पर समय गुजारने को बुजुर्ग हो जाता है, तो वहाँ पर अपने ही बच्चों द्वारा तिरस्कार होता है, बुजुर्ग के आत्म सम्मान को ठेस पहुँचती है। बुजुर्ग घर पर सारा दिन बैठ नहीं सकते, अपना दिन भर का समय गुजारे तो कहाँ गुजारे, अपने अकेलेपन का दर्द कैसे दूर करें ।

आज बुजुर्ग एकाकी जीवन गुजारने को मजबूर हैं। फिर भी उनका साहस ही है कि जिन्दगी की दूसरी अथवा तीसरी पारी (जिन्दगी की साँझ में) भी जीवन रूपी युद्ध से हार नहीं मानते, भीख नहीं, दया करूणा नहीं, उनका मानना है, जब तक हाथ पांव चलेंगे, तब तक संघर्ष कर सम्मान पूर्वक जीवन जियेंगे।

इस जिन्दगी की सांझ में अकेलेपन को दूर करने के लिये तथा सम्मान पूर्वक दिन गुजारने के लिये सरकार तथा एन.जी.ओ द्वारा चलाये हुये डे-केयर-सेन्टरो (Day Care Centres) की बड़ी आवश्यकता है, जहाँ पर बुजुर्ग आदमी अपने हम उम्र बुजुर्गों के साथ हँसी खुशी अपना दिन गुजार सके।

डे-केयर-सेन्टरो की परिभाषा- जिन्दगी की शाम गुजारने के लिये एक बेहतर जगह,

जहाँ घर में अकड़ और जकड़ कर बैठने की बजाये, गली की नुक्कड़ अथवा मोहल्ले के पार्कों में दिन गुजारने की बजाये, एक आराम दायक जगह पर जहाँ पर सब हम उम्र संगी साथियों, जिन्होंने दुनिया देखी है, एक स्थान पर आराम से इकट्ठे हो जाते हैं, जहाँ दिन को गुजारने की हर सुविधा मौतूद होती है। वहाँ पर अपना दुःख-सुख आपस में सांझा करते हैं। हँसी मजाक करते हैं, ताश की महफिल लगाते हैं, कैरम खेलते हैं, गप-शप करते हैं, हर बुजुर्ग की अपनी एक अलग कहानी है, जिसे सांझा करने से वह हिचकिचाते नहीं। लेकिन ऐसा भी नहीं कि वे अपनी कहानी सुनाने को उत्सुक रहते हैं, इन बुजुर्गों को मकसद एक बेहतर वक्त गुजारना है। इसलिये वह अतीत की चर्चा प्रसंगवश ही करते हैं।

जब बुजुर्ग अपना समय डे-केयर -सेन्टर में हँसी खुशी से गुजारते हैं तो यह बात यहाँ आने वालों को आंदोलित कर देती है। वे देखते हैं कि बुजुर्ग भले ही शारीरिक तौर पर थके-हारे और अशक्त से हो लेकिन हम उम्र के बुजुर्गों में बैठकर उनमें गजब की मानसिक व व्यवहारिक ऊर्जा आ जाती है। इनकी बातों में निराशा या अवसाद नहीं दिखाई देता।

आज मेडिकल साइंस की बदौलत इंसान का जीवन कुछ लंबा खिच गया है, आ जीवन 70-80 साल तक निकल जाता है। एक हद तक इसका खमियाजा परिवार में बुजुर्ग भुगत रहे हैं। लेकिन आज बुजुर्गों में पूर्ण जागरूकता है, वह अपनी क्षमता के अनुसार अपना सब कार्य स्वयं कर सकते हैं। आज डे-केयर -सेंटरों की बुजुर्गों को आवश्यकता है, जहाँ पर पूरा दिन गुजारने के लिये सभी साधन उपलब्ध हों, ताकि बुजुर्ग रात भर घर में तथा दिन भर धर के बाहर डे-केयर-सेन्टर में सम्मान पूर्वक जिन्दगी गुजार सकें।

कविता

निज समय का अनुभव

संस्कार फीर्चस

रेत का एक-एक कण कर कटोरा बदलता है
समय पल पल में गुजर कर अचानक ही कटता है
श्वास-श्वास से काट आरी सा काठ काटता है
क्षण भर की जिंदगी में कोई क्यों समझता है
समय रहते गर हम समझलें मूल्य जीवन का
समयसार समझ में अवश्य आ सकता है
निर्मल स्व तत्त्व का अनुभव शांति का आधार बनेगा
आत्मा एक दिन शुद्ध बनेगा
शाश्वत सुख का निज समय का अनुभव मिलेगा।

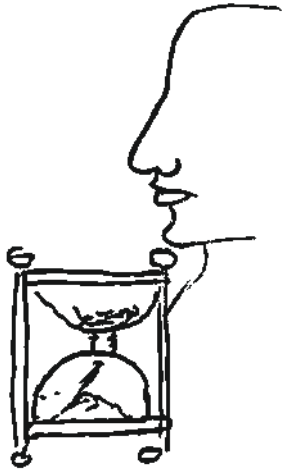

बड़ी आँत का रोग कोलाइटिस- कही देर न हो जाये

✻ जिनेन्द्र कुमार जैन (इन्दौर) मो. 9977051810✻

बड़ी आंत और मलाशय की आंतरिक परत में सूजन, फोड़ा होना वह फूल जाने को कोलाइटिस कहते हैं।

पेट के दाहिने नीचे के भाग में छोटी आंत समाप्त होती है और बड़ी आंत से मिलती है। वहां एक थैली सी रचना जिसे अंत्रमुट या सिकम कहते हैं जो प्रायः 2.5 इंच लम्बी, 3 इंच मोटी और नीचे की ओर मुंह बंद रहता है, ऊपर की ओर मुंह खुला रहता है। इसके लगा हुआ ऐसेण्डिक्स लगा रहता है।

कोलन की संरचना-सीकम से बड़ी आंत जुड़ी रहती है जो तीन भाग में बंटी रहती है 1. ऊपर की ओर जाने वाली उर्ध्वगामी कोलन-यह सीकम से दायी कोख से ऊपर नामि प्रदेश तक जाती है, वहाँ घूमकर (2) **ट्रासवर्स कोलन-** पेट के बराबर दायें से बायें से प्लीहा के निम्न प्रान्त तक जाती है जो नीचे की ओर (3) डिसेडिंग कोलन- गुदा तक जाती है जहाँ से मल खारिज हो जाता है। बड़ी आंत के इन तीनों भागों को कोलन (Colon) कहा जाता है व इसके शोध को कोलाइटिस कहते हैं। बड़ी आंत लगभग पांच फीट लम्बी होती है। जो चार तहें की बनी होती है। पेशीय तह के लम्बोत्तर रेशे तीन गढ़ों में व्यवस्थित होते हैं। जिससे कोलन झुर्रीदार और कोषाकार दिखाई देती है। भीतरी श्लेष्मा आवरण चिकना होता है। जिसमें नलीकार ग्रंथियाँ होती हैं और इस पर कोलमनर एपिथीलियम का अस्तर लगा रहता है। जिसमें अनेक रिसने वाली ग्रंथियाँ रहती हैं। इन्हीं परत की सतह की कोशिकाओं के प्रभावित होने पर रोग की उत्पत्ति शुरु हो जाती है।

कोलन के कार्य- छोटी आंत का पदार्थ सीकम में पहुंचता है तब सभी पोषण पदार्थ सोखे जा चुके होते हैं व द्रव रूप में होकर कोलन में गुजरते हैं जिसमें पानी, लवण तथा ग्लूकोज को सोखना, म्यूसिन मिलाना, सेल्युलोज का निर्माण करना तथा अनपचे प्रोटीन को जीवाणु की क्रिया द्वारा विसर्जन को तैयार करना।

रोग के लक्षण- इस रोग में जल्दी-जल्दी दस्त आना, आंव और रक्त मिले दस्त, बहुधा केवल आंव और रक्त के दस्त आते हैं जो अधिक मात्रा में होते हैं, पेट में कूथन दर्द और बड़ी आंत के ऊपर स्पर्श सहन न होने वाला दर्द, एक बार पाखाना जाने के बाद दूसरी बार पाखाना होने के बीच में दर्द, बुखार होना, अधिक प्रकोप होने पर बुखार 104 से 105 हो जाता है। त्वचा में क्षति, आँखों में सूजन, पथरी, लिवर का कार्य प्रभावित होना, जोड़ों का दर्द, हड्डियों का क्षय होना।

रोग के कारण- कब्ज होना या मल पूरा साफ नहीं होना, समय पर मल विजर्सन न करना, मल लोने वाली दवाईयों का अत्याधिक उपयोग करना, आहार में चिकनाई, पानी फल या सब्जियों की कम मात्रायें लेना, वैक्टीरिया, पैरासाइटस और वाइरस के द्वारा इन्फेक्सन होना, एलर्जी, बात सुनकर भड़कने से तनाव उत्पन्न होना, कोलन का बड़ना, ह्यूमर होना व अन्य आंतरिक कारण, बजन घटना, भूख में कमी, बच्चों में कमजोरी व विकास न होना।

कोलाइटिस के प्रकार- 1. अल्सरेटिव- यह आम प्रकार का रोग है जो शरीर की

प्रतिरक्षा प्रणाली कुछ रोगाणुओं के खिलाफ अति सक्रिय हो जाती है जिससे पाचन तंत्र में मौजूद वैक्टीरिया सक्रिय होकर अल्सर का कारण बनते हैं।

2. इस्केयिक- कोलन में रक्त प्रवाह बाधित हो जाने के कारण होता है।

3. शिशुओं में एलर्जिक- शिशुओं में जन्म के 1 से 2 माह के भीतर अत्याधिक थूक निकलना, चिड़चिड़ापन व बच्चों के मल में रक्त संभावित धब्बे।

कोलाइटिस का अन्य रोगों से भेद-

1. डायरिया- इसमें दस्त कूथन , शूल का दर्द व बुखार होता है, बदबुदार गैस, दस्त पीले या भूरे रंग का, पेट फूलता है, अंगुलियों में पिंडली में पावों में खींच पड़ती है।

2. अतिसार- इसमें मल के साथ रक्त आदि निकलने पर बेग होना, थोड़ा-थोड़ा मल निकलने के लक्षण, कूथन होना, गुदा में जलन, अमी और दस्त जायेंगे।

3 मलाशय केंसर- इसमें कूथन व मल के साथ खून आता है पर अतिसार के लक्षण नहीं।

4. खूनी बवासीर- खून का स्त्राव होता है तो साधारणतया पारवाना होने के पहले या बाद में होता है। खून पिचकारी की तरह तेजी से निकलता है जो मल के साथ नहीं मिला रहता है। बवासीर का मस्सा, मलद्वार के खुजली, सुई की गड़ने की तरह दर्द जल का अनुभव होना।

नियंत्रण- तरल पदार्थों का अधिक से अधिक उपयोग, छोटी मात्रा में तीन-चार भोजन करना, आसानी से पचने वाले खाद्य पदार्थों का उपयोग, फाइवर की कम मात्रा वाले फल जैसे केला, तरबूज, खरबूज और पके फल, रही सब्जियों को पूरी तरह पकाने के बाद उपयोग करना जो बीज रहित व छिलका रहित होवें। योग, ध्यान, व शारीरिक कार्य व प्रतिदिन सुबह शाम घूमना।

सावधानियाँ- ब्रेड पास्ता, पापकार्न, नट्स, सबूत अनाज, मेवा जैसे अखरोट, काजू बादाम मूंगफली का उपयोग नही करें। बीज जैसे अलसी, कद्दू के बीज, चना, सोयाबीन, रेशेदार फल, पनीर व डेयरी उत्पाद से परहेज रखना, कार्बोनेट पेय पदार्थों का सेवन से बचना।

सभी चिकित्सा पद्धति में समय पर उचित उपचार से रोग के लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है किन्तु रोग की गंभीरता पर ऐलोपैथी पद्धति से जांच व आवश्यक सर्जरी आवश्यक हो जाती है।

इस रोग की अनदेखी करने से भयावह रूप धारण करके बड़े कठिन दुखों को सहन करते हुये जीवन संकट में पड़ सकता है। अधिकांश महिलायें व बुजुर्ग शर्म से या उनके संरक्षकों की अनदेखी ही मुख्य कारण है।

प्रकृति अनुकूल जीवनचर्या अपनाकर स्वस्थ्य निरोगी जीवन निर्वाह किया जा सकता है।

होम्योपैथी पद्धति में समय पर अनुभवी चिकित्सक की सलाह से आराम हो जाता है।

समाचार

नोयडा(सेक्टर 50)- आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज के करकमलों से एलकश्री मेघदत्तसागरजी महाराज एवं ब्र. आनंद भैया जलेसर को 21 अगस्त 2023 को जैनेश्वरी दीक्षा श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन सेक्टर 50 नोयडा (उ.प्र.) में दी जावेगी।

हास्य तरंग

1. शर्मा जी अपने दोस्त वर्मा से मिलने घर आये, उन्होंने कहां कि एक्सीडेन्ट हुये एक माह हो गया है, सर्विस जवाइन क्यों नहीं कर रहे ? वर्मा जी मुझे अभी भी डर लगता है। शर्मा- क्यों क्या बात है ? वर्मा जिस ट्रक से एक्सीडेन्ट हुआ था उसके पीछे लिखा था फिर मिलेंगे।

2. वर्षा हो रही थी रास्ते में एक संकीर्ण पुल पार करने के लिये गाड़ी चालक ने लाईट जलाई व पुल पार कर ही रहा था कि सामने से आया वाहन आमने-सामने हो गये। दोनों चालकों में नोक-झोक होने लगी, एक चालक ने कहा कि मैंने पुल पार करने के लिये पहिले लाइट जलाकर संकेत दिया तो दूसरे चालक ने कहा मैंने भी बाइपर चलाकर मना किया था।

3. मरीज-डॉ. से पूंछता है यह रेडक्रास चिह्न का मतलब क्या है। डॉ. मरीज पैरों से चलकर अस्पताल आता है और वापिस लेट कर जाता है।

4. भावित स्कूल देर से पहुंचा तो शिक्षिका ने कहा तुम कई दिनों से लगातार देर से स्कूल आते हो क्या कारण है। भावित-स्कूल के बाहर सड़क पर लगी सूचना है कि धीरे-धीरे चले आगे स्कूल है।

5. शिक्षक ने एक नेता पुत्र छात्र से पूंछा बाढ़ व सूखा में क्या अंतर है। छात्र सर मेरे पापा जब बाढ़ आती है तो हेलिकॉप्टर से दौरा करने जाते हैं व सूखा पड़ता है तो जीप से।

संकलनः जिनेन्द्र कुमार जैन, गौरीनगर

पाक कला

रागी केक

सामग्री- 1 कटोरी रागी आटा
1 बड़ी चम्मच मैदा
डेढ़ चम्मच खारक (छुहारा पाउडर)
1/2 कटोरी मलाई
1/2 कटोरी मिल्क पाउडर
1/4 चम्मच ईनो या नींबू रस
1/2 चम्मच बेकिंग पाउडर या बेकिंग सोड़ा
1/2 कटोरी दूध
1 कटोरी चीनी पिसी (शक्कर)
यदि खारक नहीं डाले तो चीनी पाउडर डाल लीजिये।

विधिः सबसे पहले पिसी चीनी (शक्कर) व मलाई मिक्सी में चलाये फिर रागी आटा, मैदा खारक डालकर मिक्सी में चला ले फिर मिल्क पाउडर व दूध भी डालकर चला लें।

यदि मिश्रण पतला लगे तो रागी आटा और मिला लें। अब इसमें बेकिंग पाउडर डालें फिर मिक्सी में चला लें फिर इनो भी डाले व चला लें व फिर मोल्ड में घी लगाकर कुकर माईक्रोवेव में रखें फिर 180 डिग्री पर ओ.टी.जी में बेक करें घर पर बना इनो।

इनो=सोड़ा + नींबू रस

रागी बहुत फायदा कराती हड्डियों को मजबूती में जिन्हें घुटने में दर्द रहता है वे रागी का प्रयोग करें यह चौके में भी चलती है।

बाल कहानी

शिक्षक का दान

बात उस समय ही है जब दुनिया कोरोना वायरस की बीमारी से तड़फ रही थी। कई लाख मौतों से पृथ्वी कराह उठी थी विश्व के बड़े-बड़े देश कोरोना वायरस के आगे घुटना टेक चुके थे परंतु भारत अपने संकल्प और संयम को साथ लेकर कोरोना को ललकार रहा था। मजदूर और गरीब लोग भूखे न रहे इसलिये प्रधानमंत्री केयर फंड में टाटा ने 1500 करोड़ रूपये दान दिये विप्रो कंपनी आजीम प्रेम ने 1325 करोड़ रूपये दान में दिये।

अखबारों में समाचार पढ़कर दिल्ली के 80 वर्षीय निवृत्तमान शिक्षक का मन दान के लिये कुलाँचे भरने लगा वह सोचने लगा कि यह देश बाली जैसे दानी का देश है यह दानवीर वर्षा की भूमि है यह भामाशाह की भूमि है फिर मैं भी शिक्षक शांतिलाल अपनी भूमिका से पीछे क्यों रहूँ। शिक्षक राष्ट्र का निर्माता और रक्षक होता है। आज जब हमारा देश संकट में फंसा हो तब हमने अपनी शक्ति को छुपाना नहीं चाहिये मुक्त हस्त से दान देना चाहिये।

दिल्ली के दम दम हवाई अड्डे के पास रहने वाले शिक्षक शांतिलाल ने अपनी खिड़की से देखा सुबह के 5 बजे भी पुलिसे के जवान गश्त दे रहे हैं शांतिलाल को थोड़ी खांसी आई तब एक पुलिस जवान का ध्यान वयोवृद्ध शिक्षक की ओर गया उसने अपनी सीटी बजाई सीटी सुनते ही शांतिलाल घबराये नहीं और कई पुलिस जवान इकट्ठे हो गये सबने वृद्ध शिक्षक से पूंछा दादाजी आपकी क्या समस्या है बोलिये शांतिलाल ने बहुत गंभीरता से कहा पहले तो मैं आपकी सतत सेवा और कड़ी मेहनत के लिये नमन करता हूँ और आप मेरे इस 10000 रूपये के चैक को मुख्यमंत्री राहत कोस में जमा करवा दें मैं चल नहीं पाता हूँ आप सबका मैं बहुत आभारी रहूंगा।

संस्कार गीत

शिवपुर दर अब पायेगा

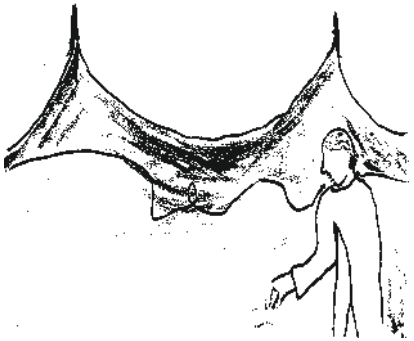

पल पल क्षण क्षण जीवन बीतें
कब अवसर वह आयेगा
जब मिट जाये तम अज्ञान
निज सुख अनुभव पायेगा।

1.

समता पाना ममता खोना
मद मत्सर मल को धोना
नश्वर तन मल मूत्र भरा है
इसको क्यों मल मल धोना
काल गाल में चक्री समाये
क्या यह नर बच पायेगा।

2.

अपनी धुन में मस्त रहे नित
विषय भोग विष पान किया
सुर नर नारक पशु योनि
नहीं निज का कुछ भाम किया
दुर्लभ नर तन अनुपम पाया
शिवपुर दर अब पायेगा

3.

तन धन जीवन यौवन अस्थिर
स्थिर द्रव्य निजपद चेतन है
अब तक भूले निज घर अपना
द्रव्य गुणों का चेतन है।

बाल कविता

अनुशासन

अनुशासन है शिव वरदान
अनुशासन है सत्य प्रधान
अनुशासन को मोही छोड़े
नियमों को कायर ही तोड़े
वीर बहादुर जो भी होते
अनुशासन को कभी न खोते
प्रेम पूर्ण अनुशासन करना
पहले अनुशासन में रहना
खुद को अनुशासित जो करता
फिर औरों पर शासन करता
अनुशासन सुख निधान
प्रगति द्वार है काम महान

वर्ग पहेली 286

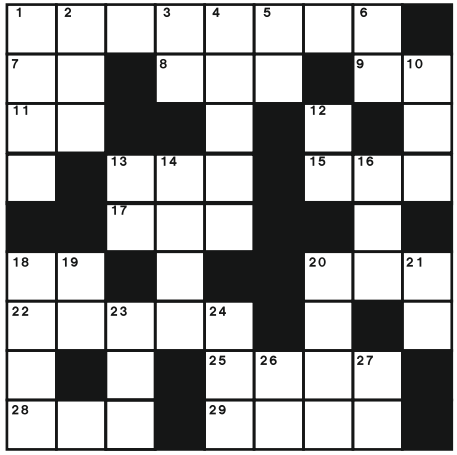

बाये से दाये

1. आचार्य विद्यासागर द्वारा रचित महाकाव्य-8
7. पर, पाय, पग -2
8. आसरा, शरण -3
9. ऋषि, मुनि -2
11. घास, उपाय -2
15. उपस्थित -3
17. संसार, दुनिया -3
20. केवलमात्र -3
22. मनुष्यों की गणना -5
25. करण की उपाधि, दान दाता -4
28. यूरोप का एक देश हिटलर -3
29. शिव की एक प्रसिद्ध मूर्ति का नाम -4

ऊपर से नीचे

1. मुनियों के आचार का ग्रंथ -4
2. बूंद, पानी का अंश -3
3. जलवर्षा -2
4. कौरव पाण्डव का बीच का युद्ध -5
5. पराजित -2
6. खर्च अपव्यय -2
10. अंधकार, अंधेरा -3
12. बड़ा महान, -2
13. सेना में रहने वाला पक्षी -2
14. जागना, जगाना, जगाने की प्रक्रिया -4
16. तर्क बहस -3
18. हाथी, हस्ति -3
19. तल्लीन, मगन -2
20. अंतिम तीर्थंकर -4
21. बुढ़ापा, थोड़ा -2
23. जाना बिहार -3
24. बेअकल, नासमझ -3
26. झुका हुआ -2
27. धूल -2

वर्ग पहेली 285 का हल

1 वी	र	2 शा	3 स	न	4 ज	यं	5 ती	■
त	■	6 व	ह	■	श	■	7 त	8 क
रा	■	9 क	न	10 क	■	11 पा	र	द
12 ग	13 ज	■	■	14 र	15 क	म	■	म
■	16 त	मा	17 म	■	18 मा	र	19 ना	■
20 ज	न	■	21 सा	22 ध	ना	■	23 न	24 म
य	■	25 सः	■	म	■	26 त	क	ना
27 से	28 ना	■	29 ह	क	30 ला	ना	■	■
31 न	थ	■	■	32 ना	श	■	33 जी	त

.....सदस्यता क्र. .....

पता : .....

.....

संस्कार सागर सम्पर्क: 8989505108

संस्कार सागर सदस्यता

श्री दिगंबर जैन पंचबालयति मंदिर, विद्यासागर नगर, बॉम्बे हॉस्पिटल के पास,
ए.बी. रोड, इंदौर-10 (म.प्र.) फोन : 0731-4003506,8989505108

आपका सहयोग संस्कृति निर्माण अभियान में नींव का पत्थर साबित हो

* संस्कार सागर संस्कार निर्माण के उद्देश्य को लिए हुए दिगंबर जैन युवक संघ का मुखपत्र है। यह आपकी अपनी पत्रिका है। हर वर्ग, हर आयु के व्यक्ति की पठनीय सामग्री संस्कार सागर में मिलती है।

* इसका हर अंक संग्रहणीय होता है। सम्पूर्ण जैन समाज को जोड़ने का सदैव प्रयास करने वाली यह पत्रिका पंथवाद से ऊपर उठकर विचार प्रस्तुत करती है। संस्कार रोपण की इस प्रक्रिया में आपका सहयोग मूल्यवान होगा। अतः संस्कार सम्प्रेषण के अभियान में आप भी सम्मिलित होवें।

* संस्कार सागर पत्रिका में लेख, कविता, कहानी आकर्षण एवं नवीन होते हैं। प्राचीन आचार्य परंपरा, साहित्य, तीर्थ, समाज गौरव को परिलक्षित करने में संस्कार सागर अग्रणी सिद्ध हुआ है। स्वास्थ्य, रोजगार, कॅरियर, पर्व व्रत मुहूर्त जैसी समस्याओं का समाधान देने के लिए बीस स्तंभ हर अंक में होते हैं।

नाम ..... उपनाम .....

पता.....

शहर ..... राज्य ..... पिनकोड .....

एसटीडी ..... (कार्यालय) ..... (घर) .....

क्र.	सदस्यता	अवधि	निश्चित राशि
(1)	परम संरक्षक सदस्य	सदैव	15001 रुपए
(2)	परम सम्मानीय	सदैव	11000 रुपए
(3)	संरक्षक	सदैव	5001 रुपए
(4)	आजीवन	15 वर्ष	2100 रुप

(जो सदस्यता ग्रहण करनी हो कृपया उसके आगे सही का निशान लगाएँ)

हस्ताक्षर सदस्य

नाम, सील एवं हस्ताक्षर प्राप्तकर्ता

नोट :- सदस्यता शुल्क मनी ऑर्डर/ड्राफ्ट/फोनपे/ चेक अथवा क्यूआर कोड स्केन कर द्वारा भेज सकते हैं।

संस्कार सागर - स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704338

संस्कार सागर सम्पर्क: 8989505108

पावन वर्षायोग 2023

परम पूज्य अध्यात्म सरोवर के राजहंस
आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के प्रिय शिष्य

शिरपुर के निकट वाशिम में
निर्यापक श्रमण
मुनि श्री योगसागर महाराज जी
का वर्षायोग हो रहा है।

आपकी यात्रा तीर्थ रक्षा का आधार है

अंतरिक्ष पार्श्वनाथ शिरपुर के बारे
में आचार्य कुन्दकुन्द द्वारा लिखित गाथांश

पासं सिरिपुरि वंदमि

आचार्य कुन्दकुन्द देव निर्वाण भक्ति ईस्वी पूर्व 18 वर्ष

एलक श्री
सिद्धांत सागर जी महाराज

श्री दिगम्बर जैन सर्वोपयोगी धार्मिक न्यास
शिरपुर जैन जिला वाशिम महाराष्ट्र
आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

संस्कार सागर पढ़िए सिर्फ एक Click पर www.sanskarsagar.org

सम्पर्क करें – 0731-4003506, 8989505108, 8989121008

प्रिंटिंग दिनांक 28/07/2023, पोस्टिंग दिनांक : 03/08/2023